जबलपुर मंगलवार 2 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष 31 अंक 333 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

सात्विक-चिराग और पीवी सिंधु इंडोनेशिया
10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 38.6°C
न्यूनतम तापमान 24.7°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.53

महिला कांग्रेस संगठन सृजन अभियान को मिला
2

स्वरों की मधुर साधिका सुमन कल्याणपुर - छह
7

कटनी पुलिस अब होगी और अधिक हाईटेक
9

सीबीएसई अपने 'इमेज एग्जाम' में पास होगा या फेल?

11 लाख कॉपियों की री-इवैल्यूएशन प्रोसेस शुरू

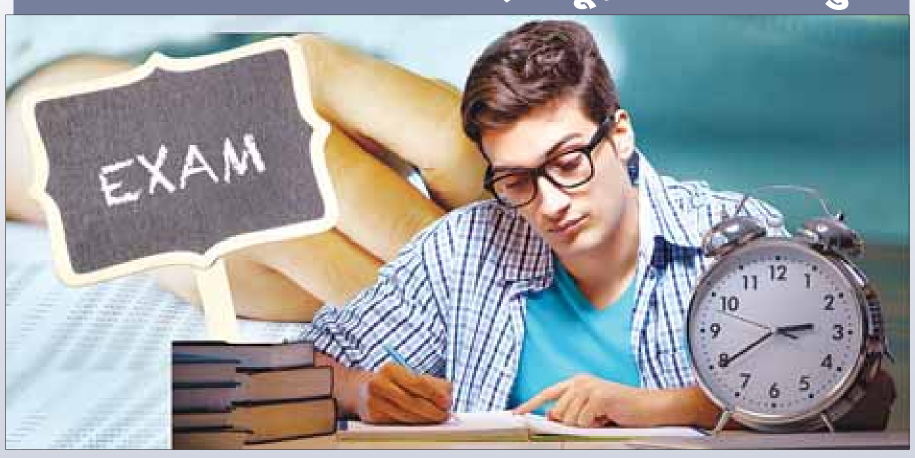

नई दिल्ली

सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाएं भले ही खत्म हो गई हों लेकिन उनके नंबरों को लेकर सवाल अभी तक अनसुलझे हैं। सोमवार से पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही छात्रों को अपने उन अंकों को चुनौती देने का एक और मौका मिल रहा है जो उनके प्रदर्शन को सही ढंग से नहीं दर्शाते। बोर्ड की ओर से इस प्रक्रिया को 29 मई से आगे बढ़ा दिया था। पिछले एक हफ्ते से छात्र स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं की समीक्षा कर रहे हैं। वहीं, 4 लाख से अधिक छात्रों ने आंसर शीट की मांग कर रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बयान एक बार फिर चर्चा में है। उन्होंने अनुमान लगाया है कि अपनी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं तक पहुंचने वाले लगभग पांच में से एक छात्र सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन की मांग कर सकता है, जिसके तहत 80, हजार तक आवेदन प्राप्त हो सकते हैं। आने वाले दिनों में, यह प्रक्रिया केवल व्यक्तिगत अंकों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी। इससे यह सबसे स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा कि छात्र भारत के सबसे बड़े स्कूल परीक्षा बोर्ड पर कितना भरोसा करते हैं। 12वीं के नतीजे घोषित होने के बाद से ही बोर्ड विवादों में घिरा हुआ है। लेकिन ये जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, वह और भी हैरान करने वाले हैं। इस बार 4,04,319 लाख छात्रों ने अपनी कॉपियों की स्कैन कॉपी देखने के लिए अप्लाई किया है। अगर कुल कॉपियों की बात करें, तो यह संख्या 11, 31,961 लाख के पार है। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों का आगे आना एक बहुत बड़ा इशारा है। आज की जनरेशन सिर्फ मार्कशीट पर लिखे नंबरों को चुपचाप स्वीकार करने वाली नहीं है। अपनी अगली पढ़ाई या करियर का फैसला लेने से पहले, वे खुद अपनी आंखों से देखना चाहते हैं कि उनकी मेहनत को कैसे आंका गया है।

क्या बोले धर्मेंद्र प्रधान?

धर्मेंद्र प्रधान ने इस साल की परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े विवादों को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है और कहा है कि ऐसी घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए थीं। उनकी ये टिप्पणियां ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली के कारण आ रही शिकायतों को लेकर आई है। शिक्षा मंत्री ने यह भी साफ किया है कि छात्रों को फीस जमा करने में कोई दिक्कत न आए, इसके लिए देश के चार बड़े बैंकों, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, केनरा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा को सीधे सीबीएसई के पोर्टल से जोड़ दिया गया है। इसके लिए जरूरी निर्देश भी जारी हो चुके हैं। ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम को लेकर बढ़ते विवाद के बीच, सीबीएसई ने भी छात्रों और अभिभावकों की ओर से उठाई गई चिंताओं का जवाब दिया है। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में बोर्ड ने कहा कि ओएसएम पोर्टल में पहचानी गई कमजोरियों की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

शिक्षा को कारोबार बनाना सभी बुराइयों का आधार: राहुल गांधी

गलती सीबीएसई करती है और इसकी सज़ा बच्चे को मिलती है

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पर उसकी गलतियों के लिये छात्रों से शुल्क वसूली को लूट करार देते हुए कहा है कि जब शिक्षा को सेवा के बजाय कारोबार बना दिया जाता है तो उससे अनेक बुराइयां जन्म लेना शुरू कर देती हैं। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा, सीबीएसई की गलती से नंबर गलत आएं तो उसकी कीमत छात्रों को चुकानी पड़ती है। डिजिटल स्कैन कॉपी, री-टोटलिंग और री-इवैल्यूएशन के लिए अलग-अलग शुल्क देना पड़ता है। अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच कराने के लिए एक छात्र को हजारों रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में त्रुटियों का बोझ छात्रों पर डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि गलती सीबीएसई करती है और इसकी सज़ा बच्चे को मिलती है और सरकार इससे कमाई करती है। कांग्रेस नेता ने कहा जब शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि कारोबार बना दिया जाता है तो गलतियां सुधरने के बजाय व्यवस्था का हिस्सा बन जाती हैं और इसकी सबसे बड़ी कीमत बच्चों को अपने समय, आत्मविश्वास और भविष्य से चुकानी पड़ती है। गौरतलब है कि सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं की डिजिटल प्रति, पुनर्गणना तथा पुनर्मूल्यांकन की सुविधा शुल्क पर उपलब्ध कराने को लेकर हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर बहस तेज हुई है, जिसे लेकर श्री गांधी ने यह टिप्पणी की है।

शिक्षा मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए: कांग्रेस

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सीबीएसई ने शुरुआत में अपने डिजिटल मूल्यांकन मंच में कमियों से इनकार किया था, लेकिन आखिरकार उसने स्वीकार कर लिया कि सिस्टम में सेंधमारी हुई थी। रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हफ्तों तक अपने ऑन स्क्रीन मार्किंग प्रणाली में साइबर सुरक्षा कमियों से इनकार करने के बाद सीबीएसई ने आखिरकार स्वीकार कर लिया है कि सिस्टम में सेंधमारी हुई है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि क्या इस सिस्टम को चलाने के लिए जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, लेकिन वह अपने ठेकेदार कंपनी सीओईएमपीटी के खिलाफ क्या कार्रवाई करने की योजना बना रही है? लगता तो नहीं है। रमेश ने कहा, देश को कब तक ऐसे मंत्री प्रधान को बर्दाश्त करना पड़ेगा, जिनके मंत्रालय ने अपने टेंडरों में ऐसी अकल्पनीय अनियमितताओं को होने दिया और बढ़ावा दिया, जिससे लाखों छात्रों की मानसिक शांति छिन गयी?

राहुल गांधी ने 65 जिलाध्यक्षों से कहा

जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा उसका प्रमोशन तय

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पुष्कर में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के लिए कहा- इन दोनों की जोड़ी जय-वीरू जैसी है। यह लंबी चलेगी और कांग्रेस को मजबूत रखेगी, सभी को इनसे सीखना चाहिए। उन्होंने कहा- यह दूसरे राज्यों के लिए भी उदाहरण है। यह बात उन्होंने सोमवार को पुष्कर में आयोजित कांग्रेस के 10 दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर के समापन में कही। उन्होंने एक सेशन में राजस्थान के 50 और दिल्ली के 15 जिला अध्यक्षों सहित प्रदेश पदाधिकारियों को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा- चुनाव में टिकट बांटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी अहम रहेगी। जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी। इससे पहले पुष्कर के वाइल्ड रोज रिसॉर्ट में 65 जिला अध्यक्षों के परिवार के सदस्य भी पहुंचे थे। राहुल गांधी ने इन परिवारों से मुलाकात की और फोटो क्लिक करवाई। डीडवाना-कुचामन के जिला अध्यक्ष के परिवार से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद रमजान ने कहा- मैंने राहुल गांधी को बताया कि जब पहला इलेक्शन हुआ था, तब हमने पर्चियां बनाई थी। बीकानेर शहर अध्यक्ष मदन गोपाल ने कहा कि राहुल गांधी ने नीति और सिद्धांत की बात कही। उन्होंने कहा- जो अच्छा काम करेगा, उसका भविष्य में आगे प्रमोशन होगा। जो काम नहीं करेगा, उसके लिए दूसरा रास्ता होगा।

मध्यप्रदेश में चल रही है यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया: डॉ. यादव

उच्च स्तरीय समिति गठित, आम नागरिकों से सुझाव आमंत्रित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी) लागू करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। वर्तमान समय में विभिन्न धर्मों में विवाहित बहनों के लिए प्रचलित अलग-अलग रीति-रिवाज और नियमों की आवश्यकता नहीं है।

मध्यप्रदेश को आज समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। वर्तमान में देश के तीन राज्यों उत्तराखंड, गुजरात और असम ने समान नागरिक संहिता को लागू किया है। मध्यप्रदेश सरकार ने भी यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) को लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी आज सोमवार को मंत्रालय में मीडिया को जारी वक्तव्य में दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में यूसीसी के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों को इस समिति में स्थान दिया गया है। यह समिति प्रदेश के विभिन्न जिलों में अलग-अलग धर्म-समुदाय के लोगों से सुझाव प्राप्त करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। राज्य की जन हितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मध्यप्रदेश समान नागरिक आचार संहिता लागू करने के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता के लिए एक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जिस पर आम नागरिक अपने सुझाव दे सकते हैं।

गुजरात में 12 शेर, मप्र में 10 बाघों की मौत

नई दिल्ली। एशियाटिक लायंस के लिए फेमस गुजरात के पूर्वी और पश्चिमी गिर फॉरेस्ट में 12 शेरों की मौत का मामला केंद्र सरकार तक पहुंच गया है। वन विभाग ने 30 से अधिक शेरों को एनीमल केयर सेंटर में रखा है। हालांकि, शेरों की लेबोरेटरी रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की गई है। ऐसा ही हाल मध्यप्रदेश में बाघों का है। कान्हा टाइगर रिजर्व में 2 अप्रैल से अब तक 10 बाघों की मौत हो चुकी है। बाघों में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस के गंभीर लक्षण मिलने के बाद वन विभाग ने अलर्ट मोड में अभियान शुरू किए हैं।

दिल्ली में स्कूल ऑफ प्लानिंग की बिल्डिंग में आग

नई दिल्ली। दिल्ली के आईटीओ इलाके में स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में सोमवार सुबह आग लग गई। दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। शुरुआत में कुछ रिपोर्ट्स में आग शिक्षा मंत्रालय के ऑफिस में लगने की बात कही गई थी, जिस पर कांग्रेस महासचिव जय राम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- शिक्षा मंत्रालय के कार्यालयों में आग लगने की खबर बेहद चिंताजनक है। यह मामला कुछ संदिग्ध भी लगता है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सचिव बीवी श्रीनिवास ने कहा- स्कैम के कागज जलना शुरू हो चुके है। वाह रे प्रधान। हालांकि बाद में शिक्षा मंत्रालय और दिल्ली फायर सर्विस ने स्पष्ट किया कि आग मंत्रालय के ऑफिस में नहीं, एसपीए भवन में लगी थी।

नापतौल विभाग निरीक्षक रिश्वत लेते पकड़ाया

भिंड। ग्वालियर लोकायुक्त की टीम ने रविवार को भिंड में बड़ी कार्रवाई करते हुए नापतौल विभाग के निरीक्षक सौरभ शर्मा को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी निरीक्षक पर पेट्रोल पंप के नोजल चेक करने और कार्रवाई नहीं करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। लोकायुक्त टीम ने उसे दूसरी किश्त की राशि लेते समय पकड़ा। जानकारी के अनुसार, शिवाजी नगर निवासी तेज नारायण सिंह नरवरिया की पुत्रवधू रचना नरवरिया ग्वालियर रोड स्थित सावित्री लोधी पेट्रोल पंप का संचालन करती हैं। आरोप है कि नापतौल विभाग के निरीक्षक सौरभ शर्मा ने पेट्रोल पंप की जांच के दौरान नोजल चेकिंग और कार्रवाई की धमकी देकर 60 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

लगातार दूसरे महीने बढ़े कमर्शियल सिलिंडर के दाम

लो नई किश्त आई, फिर बढ़ी 'महंगाई'

नई दिल्ली। एक जून से कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर के दाम 42 रुपये बढ़ा दिए हैं। नई दरें लागू होने के बाद कमर्शियल सिलिंडर 3112 रुपये का हो गया है। वहीं पांच किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलिंडर के रेट में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, अब इसकी कीमत 835 रुपये हो गई है। लगातार दूसरे महीने कमर्शियल सिलिंडर महंगा होने से जिले के करीब 31 हजार व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ेगा। होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैटरिंग, टिफिन सर्विस और स्ट्रीट फूड वेंडर्स की लागत बढ़ जाएगी। वहीं पांच किलो वाले एफटीएल सिलिंडर के उपभोक्ता व कामगारों की रोटी भी महंगी हो जाएगी। हालांकि राहत की बात है कि 14.2 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मप्र में 44 रुपये तक महंगा

मध्य प्रदेश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 44 रुपए तक महंगा हुआ है। भोपाल में अब 3116.50 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। वहीं, इंदौर में 3222.50 रुपए, जबलपुर में 3290 रुपए, ग्वालियर में 3338.50 रुपए और उज्जैन में 3250 रुपए कीमत हो गई है। तीन महीने में रेट करीब 1300 रुपए तक बढ़े हैं। इससे पहले 1 मई को रेट बढ़े थे। सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ने से खाना महंगा हो गया है। भोपाल में ही खाना 10 से 15 प्रतिशत तक महंगा हुआ है। जुलाई तक प्रदेश में 20 हजार से ज्यादा शादियां होनी हैं, ऐसे में आम लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

4 साल पहले रची गई थी पहलगाम हमले की साजिश

एनआईए का खुलासा: कराची के बैंक ने आतंकी फंडिंग में की थी मदद

श्रीनगर

2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले में इस्तेमाल दो मोबाइल फोनों में से एक फोन पाकिस्तान में 2021 में आयात की गई खेप का हिस्सा था। इस खेप का वित्तपोषण कराची स्थित एक बैंक ने किया था, जिसका नाम पहले भी आतंकवाद से जुड़े मामलों में सामने आ चुका है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए की जांच में यह खुलासा किया गया है। पिछले साल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर हिंदू पर्यटक थे। इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में जबरदस्त गिरावट आई थी। भारत ने हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया था, जबकि इस्लामाबाद ने आरोपों से इनकार किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच हवाई हमले, ड्रोन और भारी मोर्टार फायरिंग के साथ चार दिनों तक सैन्य तनाव रहा। जांच एजेंसियों को अब ऐसे सबूत मिले हैं जो बताते हैं कि यह हमला अचानक नहीं हुआ था। इसकी साजिश सालों से रची जा रही थी। एनआईए और जम्मू-कश्मीर पुलिस की जांच में सामने आया कि आतंकियों से बरामद मोबाइल फोनों में से एक फोन चार साल पहले पाकिस्तान में खरीदा गया था। यह फोन हमले से ठीक पहले तक बंद पड़ा रहा और इस्तेमाल नहीं किया गया। अब जांच का फोकस सिर्फ आतंकियों तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान से इन आतंकियों को तकनीकी और साजो-सामान की मदद देने वाले नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है।

लॉन्ग-रेंज रेडियो से करते थे बात

दोनों फोन अलग-अलग समय पर आयात हुए, सालों तक बंद रहे और आखिरकार एक ही आतंकी मॉड्यूल तक पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, यह एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करता है। जांचकर्ताओं को दोनों फोन से कोई कॉल रिकॉर्ड, मैसेज, सोशल मीडिया चैट या इंटरनेट डेटा नहीं मिला। सूत्रों के अनुसार, इसकी वजह यह है कि आतंकी लॉन्ग-रेंज रेडियो कम्युनिकेशन तकनीक का इस्तेमाल कर रहे थे। यह तकनीक मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट पर निर्भर नहीं होती और कई किलोमीटर दूर तक सुरक्षित बातचीत की सुविधा देती है।

ऑपरेशन महादेव में मारे गए थे तीन आतंकी

सुरक्षा बलों ने श्रीनगर के पास दाचीगाम में ऑपरेशन महादेव के दौरान तीन आतंकियों सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिबरान और हमजा अफगानी को मार गिराया था। मुठभेड़ के बाद आतंकियों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए, जो जांच की सबसे अहम कड़ी साबित हुए। पहलगाम हमलावरों के पास शाओमी रेडमी सीरीज के दो फोन थे जिनमें एक रेडमी 9टी जो 2021 में आयात हुआ था और दूसरा रेडमी नोट 12 जो 2023 में लाया गया था। जांचकर्ताओं ने जानकारी दी कि दोनों फोन का लिंक पाकिस्तान से जुड़ा है।

ट्विशा केस: सीबीआई ने 80 किलो की डमी फंदे पर लटकाई

सास-पति के सामने सीन रीक्रिएट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। भोपाल के ट्विशा शर्मा डेथ केस की जांच कर रही सीबीआई टीम सोमवार को सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ को लेकर घटनास्थल पहुंची। टीम ने वहां घटना का रीक्रिएशन कर यह समझने की कोशिश की कि उस दिन क्या हुआ था। इसके लिए सीबीआई ने करीब 80 किलो वजन की डमी को फंदे पर लटकाया और फिर उतारा। डमी का वजन ट्विशा के बराबर करने के लिए उसमें रेत भरी गई और पैरों में लोहे के डंबल बांधे गए। करीब दो घंटे तक चली इस प्रक्रिया में सीबीआई ने अब तक सामने आए तथ्यों को घटनास्थल की परिस्थितियों से मिलाने की कोशिश की। सीबीआई ने उस डॉक्टर को भी पूछताछ के लिए बुलाया है, जिसने ट्विशा को अबॉर्शन कराने की सलाह दी थी। इसके अलावा टीम यह भी पता लगा रही है कि ट्विशा का शव सबसे पहले किसने देखा, उसे फंदे से किसने उतारा और अस्पताल तक कैसे पहुंचाया गया। उधर समर्थ की फरारी को लेकर सीबीआई को पता चला है कि 15 मई को एफआईआर दर्ज होने के बाद समर्थ तत्काल शहर नहीं छोड़ पाया था। करीब तीन दिन भोपाल में ही रहा। इसके बाद वह जबलपुर पहुंचा, जहां उसने करीब पांच दिन तक फरारी काटी।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय का 9वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय का 9वाँ स्थापना दिवस गरिमामय वातावरण में उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर द्वारा विश्वविद्यालय के नामदाता पंडित शंभूनाथ शुक्ला की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। संगीत विभाग द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना, कुलगीत एवं लोकगीतों ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने भारतीय संस्कृति, लोक परंपरा एवं विश्वविद्यालय की गौरवशाली पहचान को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर अपने विस्तृत उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने विश्वविद्यालय की नौ वर्षीय विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय ने अल्प समय में शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास तथा सामाजिक दायित्वों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का साधन न मानकर ज्ञान, चरित्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें। नई शिक्षा नीति के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा आधारित शिक्षा, अनुसंधान संस्कृति तथा तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देकर विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार कर रहा है। कुलगुरु ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ ऐसे संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने में अपनी भूमिका निभा सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही विश्वविद्यालय ने अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है और आने वाले वर्षों में यह संस्था उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित करेगी। कुलसचिव प्रो. प्रमोद पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए स्थापना दिवस को आत्ममंथन, उपलब्धियों के मूल्यांकन तथा नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने का अवसर बताया। कार्यक्रम में परिसर प्रभारी प्रो. प्रवीण शर्मा एवं डॉ. बृजेन्द्र पाण्डेय की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल निर्देशन एवं संचालन डॉ. आदर्श तिवारी द्वारा किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संगीत विभाग के डॉ. संजीव द्विवेदी, शिवांश दुबे, कृष्णा साहू, वर्तिका सेन, साक्षी एवं अन्य विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय की उन्नति, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से वंदे मातर का गायन किया। राष्ट्रभक्ति और विश्वविद्यालय गौरव की भावना से ओतप्रोत वातावरण में समारोह का समापन हुआ। स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने शिक्षा, अनुसंधान, सांस्कृतिक संवर्धन एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराते हुए विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों में 100 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग स्वयं करें। शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, मिनीषा पाण्डेय, एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर अन्तोनिआ एक्का, अर्चना मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय कूडो खेल प्रतियोगिता में 6 खिलाड़ियो ने जीते स्वर्ण पदक

शहडोल (स्वतंत्रमत)। सागर में आयोजित राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में स्कूल शिक्षा विभाग के संभाग से 18 खिलाडी छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें 4 स्वर्ण 2, रजत एवं 06 कास्य पदक जीतकर जिला एवं संभाग का नाम रोशन किया। कूडो खेल प्रतियोगिता के सहभागी रहें खिलाड़ियो को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा प्राप्त पदक विजेता खिलाडियो का मेरिट खेल प्रमाण पत्र संयुक्त संचालक शिक्षा उमेश कुमार धुर्वे द्वारा कोच को प्रदान किया। सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने बताया कि पदक विजेता खिलाडियो को कुडो नेशनल खिलाड़ी श्रेया गुप्ता ने कोचिंग देकर उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप तैयार करने मे योगदान रहा, खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजयओ में सर्वश्री बन्दना, अपूर्वा, चनंब ,अनुराज रजत विजेता अरमान, रुद्र प्रगिति कास्य पदक अबीगेल, अनुष्का, प्रगति, दिव्यानी, आदर्की एवं कर्तव्य आदि खिलाडी शामिल रहें।

कलेक्टर की जनचौपाल से ग्राम दाल की पेयजल समस्या का हुआ समाधान

शहडोल (स्वतंत्रमत)

प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने के उद्देश्य से 31 मई को ब्यौहारी जनपद पंचायत के दूरस्थ गांव दाल में विधायक शरद कोल की उपस्थिति में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में रात्रिकालीन चौपाल का आयोजन किया गया। विधायक शरद कोल ने ग्रामीणों से शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, उचित मूल्य की दुकानों से राशन वितरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लाभ मिलने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिले इसकी जानकारी प्राप्त करने हेतु यह शिविर आयोजित किया गया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अभिभावकों से कहा कि वे अपने बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्र

तथा स्कूल में नाम दर्ज कराएं। तथा नियमित रूप से स्कूल भेजें। आपने गर्भवती माताओं का पंजीयन, कुपोषण की जानकारी, टेक होम राशन का वितरण तथा टीकाकरण के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा पेयजल की समस्या बताई गई। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से 2 हैण्डपंप खनन कराने के निर्देश दिए। विभाग द्वारा हैण्डपंप का खनन करा दिया गया है। जिससे ग्रामीणों की पेयजल समस्या का निराकरण हो गया है। इसके साथ ही ग्रामीणों की मांग पर 01 जून को स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए गए। निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग का दल ग्राम दाल में पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने गांव मे चल रहे निर्माण कार्यों, मजदूरी भुगतान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान सरकार के साथ साथ जनता के सहयोग से संचालित है। सभी लोग अभियान में सहभागी बनकर गांव की जल संरचनाओं कुआं तालाब बावड़ी आदि के जीर्णोद्धार में सहभागी बनें। ग्राम चौपाल में पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों द्वारा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु शासन द्वारा संचालित योजना डॉ अम्बेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर योजना डेयरी प्लस योजना, टीकाकरण कार्यक्रम तथा क्षीर धारा योजना की जानकारी दी। इसी तरह कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्राकृतिक खेती, परंपरागत खेती, खेती में उपकरणों के उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। ग्राम चौपाल में एसडीएम ब्यौहारी भागीरथी लहरे, सीईओ जनपद कल्पना यादव सहित ग्राम पंचायत सरपंच, पंच एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल महिला मण्डल ने शरबत, छाछ तथा फल का किया वितरण

बुढ़ार (स्वतंत्रमत)। पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व पर बस स्टैंड बुढ़ार के समीप स्थित श्री शंकर मन्दिर में अग्रवाल महिला मण्डल बुढार द्वारा भूत-भावन भोलेनाथ की पूजन अर्चन की गई इसके उपरांत वर्तमान गर्मी के तपन में

श्रद्धालुजनों व राहगीरों को शरबत, छाछ, पना, फल, तथा मिष्ठान वितरण किया गया। पुरुषोत्तम मास पर अग्रवाल महिला मण्डल बुढ़ार के इस सार्थक पहल की मुक्त कंठ से नागरिकों ने सराहना की है और इस पुनीत कार्य में ललिता सिंघानिया, श्यामा सिंघानिया, अनीता सराफ, नीलम सिंघानिया, अनीता अग्रवाल, अमिता सिंघल, सीमा तोंदी, सरोज जांलिया, कमला गर्ग, सारिका सिंघानिया तथा महिला मण्डल के सभी सदस्यों की भरपूर सहभागिता रही।

युवा राष्ट्र की ऊर्जा, समाज एवं देश के विकास में अहम योगदान: कलेक्टर

कलेक्टर ने नशा मुक्ति की दिलाई शपथ, किया हस्ताक्षर

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें की थीम पर जागरूकता कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में उपस्थिति अधिकारियो एवं कर्मचारियो को नशा न करने की शपथ दिलाई। कलेक्टर ने शपथ दिलाते हुए कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। देश की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए हम आज नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त कराएँगे क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए। इसलिए आइए हम सब मिलकर अपने ज़िले व राज्य को नशामुक्त कराने का दृढ निश्चय करें। साथ ही कलेक्टर डॉ. केदार सिंह सहित अन्य अधिकारियो ने नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में चलाएं गए हस्ताक्षर अभियान में सहभागिता निभाते हुए हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एंटोनिया एक्का, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग प्रतीक खरे, मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी सहित अन्य अधिकारी ने भी हस्ताक्षर किया।

बुढार रेल्वे स्टेशन के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठे सवाल, संघर्ष समिति ने डीआरएम के नाम सौंपा ज्ञापन

बुढ़ार (स्वतंत्रमत)

सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति बुढार ने रेल्वे स्टेशन बुढार में यात्री सुविधाओं की दृष्टि से करवाये जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुये निर्माण एजेंसी के कार्यों को लेकर डी. आर. एम. रेल्वे बिलासपुर के नामें स्टेशन प्रबंधक को मांगपत्र सौंपा गया। बुढार नगर के अतिमहत्वपूर्ण रेल्वे स्टेशन में विभिन्न निर्माण कार्य इन दिनों रेल्वे द्वारा निर्माण एजेन्सी (ठेकेदार) के माध्यम से करवाया जा रहा है, जो गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगा रहा है, और गुणवत्ता विहीन हो रहे कार्यों का विरोध जताते हुए सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति बुढार-धनपुरी का एक प्रतिनिधि मण्डल सोमवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर

के महाप्रबंधक के नामें दिया गया और करवाये जा रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर कारगर पहल किये जानें की पुरजोर मांग की। सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति ने करवाये जा रहे निर्माण कार्य में उपयुक्त मसाला, सीमेन्ट, रेत तथा स्टोन निर्धारित मानकों के विपरीत का आरोप दिये गये मांगपत्र में लगाया है, वहीं निर्मित कराये गये कार्यों की तराई ना करवाये जानें से कार्य निकट भविष्य में जल्द नष्ट की आशंका भी जताई गई है। डी. आर. एम. रेल्वे के नामें दिये गये मांगपत्र में यह मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है कि - सड़क का निर्माण कार्य आर. ओ. बी. तक करवाया जाये, रेल्वे कालोनी में निर्मित सड़क के मध्य गति नियंत्रित के उद्देश्य से स्पीड ब्रेकर का निर्माण करवाया जाये तथा सड़क के दोनों ओर पानी के निकास हेतु नाली का निर्माण करवाया जाये इसके अलावा रेल्वे के फुट ओवर ब्रिज में लगे कपलर (रबर) के निकल जानें से उत्पन्न दुर्घटना की आशंका को देखते हुये त्वरित लोहे के मध्य लगे रबर कपलर को लगवाया जाये जो वाहनों के हित में अति सहायक होगा। एस. ई. सी. आर. रेल्वे बिलासपुर के वरिष्ठ मण्डल महा प्रबंधक के नामें ज्ञापन सौंपते समय सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति के संयोजक रोहणी प्रसाद गर्ग, अध्यक्ष मनोज कुमार जैन के नेतृत्व में सचिव पवन कुमार सोनी, नुरुल्ला रंगरेज, सौरभ जैन, सनाउल्लाह, अभिषेक पटवारी, प्रशांत जैन, अशोक जगवानी, अशोक एस. जगवानी, दिलीप सोनी, नितिन जैन, अशोक जगवानी, श्रीकांत गुप्ता, हसन अस्करी, बीरनपाल यादव , मो. इस्माईल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

महिला कांग्रेस संगठन सृजन अभियान को मिला बल प्रभारी मंजू मिश्रा ने कार्यकर्ताओं से की वन-टू-वन चर्चा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा महिला कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से प्रदेशभर में संगठन सृजन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में बालाघाट जिले में महिला कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए नियुक्त प्रभारी मंजू मिश्रा का बालाघाट आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंजू मिश्रा ने महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन चर्चा करते हुए संगठन की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों एवं आगामी रणनीति को लेकर सुझाव लिए। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं की समस्याओं और विचारों को गंभीरता से सुना तथा संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय और मजबूत बनाने पर

विशेष जोर दिया। मंजू मिश्रा ने कहा कि महिला कांग्रेस संगठन की रीढ़ है और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संगठन को मजबूत नहीं किया जा सकता। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाले समय में महिला कांग्रेस की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने वाली है। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव पुष्पा बिसेन, संगठन महासचिव शफ़कत खान, जिला उपाध्यक्ष अंजू जायसवाल, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव लक्ष्मी वघाड़े, उषा मिश्रा, शानू राय, जुबैदा अंसारी सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी,जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार जी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बिसेन जी, जिला संघठन महासचिव शफकत खान जी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अंजू जैसवाल जी, श्रीमती मीरा सिघनदुपे जी, श्रीमती ज्योति उमरे जी, सुश्री डाली कावरे जी, श्रीमती चेतना कुराहे जी, श्रीमती रूक्मणी माहुले, श्रीमती सुशीला सरोते,श्रीमती लीसा भगत, श्रीमती शानू राय, श्रीमती जुबेदा अंसारी, श्रीमती लक्ष्मी वघाडे, श्रीमती शीला नगपुरे, पार्षद श्रीमती हेमलता मराठे, श्रीमती लोहिना पंचेश्वर, श्रीमती ऊषा मिश्रा, श्रीमती सविता धुर्वे, श्रीमती गायत्री मराठे, श्रीमती कृष्णा मेडावी, श्रीमती मथुरा मरकाम, सहित महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

खैरलांजी तहसील के किन्ही में अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई, 55 ट्रॉली रेत और ट्रैक्टर जब्त

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार 01 जून 2026 को तहसील खैरलांजी के ग्राम किन्ही में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की। उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने बताया कि संयुक्त दल द्वारा ग्राम किन्ही में खनिज रेत के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम किन्ही स्थित शासकीय भूमि के खसरा क्रमांक 396 में लगभग 55 ट्रॉली खनिज रेत का अवैध भंडारण पाया गया। जांच के दौरान रेत भंडारण संबंधी कोई वैध अनुमति अथवा रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अधिकारियों ने

नियमानुसार रेत को जब्त कर लिया है। जब्त की गई रेत को ग्राम पंचायत किन्ही के कोटवार सुनील धमगाहे की सुपुर्दगी एवं निगरानी में सौंप दिया गया है। कार्रवाई के दौरान ग्राम मोवाड़, तहसील खैरलांजी से ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50-ए-3332 को भी जब्त किया गया। मौके पर वाहन चालक के अनुपस्थित होने के कारण अन्य चालक की सहायता से वाहन को पुलिस थाना खैरलांजी लाकर अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिले में अवैध रेत कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है।

पेट्रोल पंप, वेयरहाउस के लिए जीवंत तालाब पूरने की तैयारी

ग्राम पौड़ी कला का मामला, ग्रामीणों में आक्रोश

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

गोसलपुर के निकटवर्ती ग्राम पौड़ी कला का जीवंत तालाब अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। दरअसल सिहोरा तहसील के अंतर्गत पौड़ी कला गांव एक कस्बा बस्ती है, जहां पर सड़क के किनारे लगभग पांच सौ साल पुराना पंद्रह एकड का निजी स्वामित वाला तालाब स्थित है। अब इस तालाब को पूरकर उसमें निर्माण करने के तैयारी की जा रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि इस तालाब में पानी भरे रहने से पौड़ी कला सहित आसपास गांव के घरेलू बोर व खेतों में स्थित बोर का वाटर लेवल मेंनटेन रहा आता है। इस तालाब के घाट में प्राचीन मंदिर बने हुए हैं और आधा दर्जन बरगद पीपल के पेड लगे है इन्ही की छांव में इसी तालाब की मेढ में बैठकर बुजुर्ग लोग अनेक धार्मिक अनुष्ठान करते हैं।

विरोध के बाद पुराई हुई थी बंद

गत वर्ष इस निजी मालिकाना हक के तालाब का विक्रय भू स्वामी के द्वारा सोनिया सिंह नाम की एक महिला को विक्रय कर दिया गया। सोनिया सिंह का नाम राजस्व अभिलेख में वर्ष 2019 में नाम दर्ज होते ही उन्होंने इस तालाब के एक हिस्से में मुरुम पुराई शुरू कर दी थी। जिसका ग्राम पंचायत पौड़ी कला सहित ग्रामीणजनो ने विरोध किया था तब कहीं जाकर इस तालाब मे मुरुम पुराई का कार्य बंद हुआ था।

कहानी बनकर रह जाएगा तालाब

इस वर्ष पुनः इस तालाब के कुछ हिस्से की भूस्वामी सोनिया सिंह के द्वारा रातो रात हाइवो से मुरुम मंगा कर तालाब की पुराई करवाई जा रही थी। जिसका ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। गौरतलब है की जहां एक और गिरते भूमिगत जल स्तर से लोग परेशान है। पानी की हाहाकार मची हुई है वहीं दूसरी ओर बिना किसी डर भय के तालाबों की भूमि का विक्रय होकर धड़ल्ले से नामांतरण हो रहा है और इन्हें पूरकर कर भू स्वामी व्यावसायिक उपयोग जैसे वेयरहाउस ,पेट्रोल पंप ,कच्ची प्लाटिंग काटने की फिराक मे है। अगर इसी तरह प्राचीन जल स्रोतों को पूरकर उनके असित्तव को नष्ट कर दिया जाएगा तो आने वाली पीढ़ी के लिए नदी ,तालाब, पोखर, कुंआ, नहर एक कहानी बनकर रह जाएंगे।

इन्होंने कहा

पौड़ी कला स्थित तालाब की पुराई के मामले की जानकारी मुझे नहीं मिली आपके द्वारा जानकारी प्रदान हुई है मे स्थल निरीक्षण करूंगा।

आनंद चौकसे, हल्का पटवारी पौड़ीकला

गौरीघाट में नाव के संचालन पर कैमरे से रखें नजर : कलेक्टर

समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से पेयजल आपूर्ति से संबंधित प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। श्री सिंह सोमवार को आयोजित समय सीमा प्रकरणों की साप्ता हिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोतए स्मार्ट सिटी के सीईओ अरविन्द शाह सहित सभी संबंधित जिला अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने बैठक में जिले के ग्रामीण क्षेत्र तथा नगर निगम सहित जिले के सभी नगरीय निकायों से संबंधित पेयजल आपूर्ति की प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की। श्री सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र से हेंडपंपो और नलजल योजनाओं के रखरखाव की प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता से दूर करने की हिदायत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को दी। उन्होंने हेंडपंपो के आसपास हुये अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये। समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में शासन की फ्लेगशिप योजनाओं के क्रियान्वुयन की समीक्षा भी की तथा विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को निराकरण में प्राथमिकता देने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये।

गुटखा की दुकानों को हटाने के आदेश

कलेक्टेर ने बैठक में समर्थन मूल्य पर किसानों से उपार्जित गेहूं के परिवहन एवं भंडारण का ब्योरा लिया। उन्हों ने अधिकारियों को खरीदी केन्द्र परिसर में रखे उपार्जित गेहूं को शीघ्र ही गोदामों के भीतर रखने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने आगामी खरीफ फसल के मद्देनजर किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक की उपलब्धीता सुनिश्चित करने की हिदायत देते हुए कहा कि उर्वरक का वितरण ई विकास पोर्टल के माध्यम से ही किया जाये। कलेक्टर ने बैठक में स्कूलों के सौ मीटर के दायरे के भीतर चिन्हित तम्बाकू, सिगरेट और गुटखा की दुकानों को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिये हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने नर्मदा नदी के घाटों पर नाव संचालन में सेफ्टी जैकेट, क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए गौरीघाट में सीसीटीवी कैमरे लगाकर बिना लाइफ जैकेट पहनाकर और क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर नाव संचालन करने वालों की निगरानी कर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

काव्य पटल का हुआ लोकार्पण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। वर्तिका के मंच पर गूंजे भावों के स्वर, अवसर था वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी का जो नूतन मराठी स्कूल गोल बाजार में मुख्य अतिथि वसंत शर्मा, महामहोपाध्याय आचार्य डॉ हरिशंकर दुबे की अध्यक्षता एवं डॉ अनिल कोरी, विजेंद्र उपाध्याय के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई। जिसमें वरिष्ठ कवि सतीश श्रीवास्तव एवं दीपक तिवारी के काव्य पटल का लोकार्पण हुआ। कभी द्वय को शाल श्रीफल एवं मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष संतोष नेमा ने कहा कि जब कवि समाज की पीड़ा एवं समस्याओं को अपना स्वर देता है तभी शब्द सार्थक होते हैं। विजय नेमा अनुज ने संस्थागत कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता राजेश पाठक प्रवीण ने कहा कि वर्तिका की काव्य पटल की परंपरा साहित्यकारों के जन्मोत्सव पर पिछले 15 वर्षों से लगातार जारी है जो शहीद स्मारक प्रांगण में लगाया जाता है। कार्यक्रम का संचालन सुनील तोमर ने किया सरस्वती वंदना सिद्धेश्वरी सराफ ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नरेश जैन, विवेक गुप्ता आदि ने काव्य रचनाएं प्रस्तुत की।

पुराने विवाद के चलते ठेकेदार को मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रांझी थाने में 38 वर्षीय पुष्पेन्द्र रजक निवासी पुराना शोभापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ठेकेदारी का काम करता है। रात में लखन किराना स्टोर्स के सामने पुराना शोभापुर के पास खड़ा था। उसी समय प्रवीण रजक, पवन रजक एवं देबू अन्ना उसे पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलोज करने लगे, उसने गालियां देने से मना किया तो पवन रजक एवं देबू अन्ना ने उसे पकड़ लिया और प्रवीण रजक ने हत्या करने की नियत से चायना चाकू से हमला करते हुए उसे घायल कर दिए । पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

रादुविवि में दीक्षांत समारोह आयोजन की तैयारियां हुई तेज

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 20-21 जून को प्रस्तावित 36 वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर सोमवार को कुलगुरु कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह को एक गरिमामय अकादमिक समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह के लिए स्वर्ण पदक एवं उपाधि धारक के पंजीयन प्रारंभ हो गए हैं, इसकी अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। विवि के 36 वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक दीक्षांत कार्यक्रम की रूपरेखा और विभिन्न समितियों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों की स्वीकृति की अपेक्षा में तिथि 20-21 जून को प्रस्तावित है।

बैठक में तय किया गया कि स्वर्ण पदकधारी और पीएचडी उपाधि धारकों के लिए ऑनलाइन आवेदन और पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ की गई है जिसकी अंतिम तिथि 15 जून है। बैठक में स्वर्ण पदक पाने वाले मेधावी छात्रों और उपाधियों की सूची तैयार करते हुए उसे अंतिम रूप दिया गया। इस अवसर पर प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. एसके दुबे, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, प्रो. ममता राव, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, प्रो. आशीष शर्मा उपस्थित थे।

राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत गाते हुए पं. जवाहरलाल नेहरू को किया याद

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

कांग्रेस कमेटी के मप्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ट द्वारा सोमवार 1 जून को पूर्व प्रधानमंत्री एंव भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा पं.जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा स्थल नगर निगम के सामने नेहरू गार्डन में सुबह 10 बजे प्रकोष्ट के मनोज नामदेव, राजेन्द्र रज्जु सराफ, नारायण सिंह शर्मा और प्रदेश कार्यकारणी सदस्य राकेश पटेल, प्रिति चौधरी, एड. प्रकाश चंद गोल्छा, केशव प्रसाद चौरसिया, ओम प्रकाश जायसवाल, ओम प्रकाश शर्मा, सत्येन्द्र जैन, अशोक यादव, शिवमंगल यादव, वी हनुमत राव, अरूण राजनेकर सहित बड़ी संख्या में सेनानियों के परिजन वंशजों ने राष्ट्रगीत एंव राष्ट्रगान कर नेहरू को याद किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ की गयी टिप्पणी का विरोध करते हुए नगर निगम चौक से राजीव गांधी चौक तक पदयात्रा कर नारे-बाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

घर में रखी नगदी-जेवर उड़ा ले गए चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझोली थाने मे 39 वर्षीय अरविंद दुबे निवासी नन्हवारा ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि 31 मई कि सुबह वह मां तुलसा बाई चौबे को साथ लेकर ग्राम पटोरी बडी बहन के घर गया था। जहॉं मॉं को छोडकर जबलपुर चला गया था। सोमवार सुबह पड़ोसी ने फोन कर पूछा कि आप लोग घर आ गये तो उसने कहा नहीं आये तो कुलदीप ने बताया कि आपके घर का ताला खुला है। सूचना मिलने पर वह घर पहुंचा तो देखा सामान फैला हुआ था, अलमारी का ताला टूटा था। जिसमे रखे नगद 20 हजार रूपये एवं चांदी के जेवर 300 ग्राम के नहीं थे।

हृदय रोग से पीड़ित 4 दिन के बालक को मिला नया जीवन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला सिहोरा के ग्राम गुनेहरू निवासी 04 दिन के बालक आद्विक लोधी पिता अनंतराम लोधी को जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित पाए जाने पर आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से निःशुल्क उपचार एवं सफल सर्जरी कर नया जीवन प्रदान किया गया। सुभाष शुक्ला, जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप प्रबंधक राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्शिया खान के मार्गदर्शन में ग्राम गुनेहरू में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान

आर.बी.एस.के. टीम की चिकित्सक डॉ. संगीता कश्तवार ने बालक में जन्मजात हृदय रोग के लक्षणों की पहचान की। इसकी सूचना तत्काल जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप प्रबंधक सुभाष शुक्ला को दी गई।श्री शुक्ला द्वारा बालक की जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच कराई गई तथा आवश्यक अनुशंसा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. नवीन कोठारी के माध्यम से की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार डॉ. अमजद खान, जिला नोडल अधिकारी एवं सुभाष शुक्ला द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए बालक का पंजीयन कराया गया तथा परिजनों की सहमति प्राप्त कर उसे उच्च स्तरीय उपचार हेतु नारायणा हृदयालय, मुंबई (महाराष्ट्र) रेफर किया गया।

याद-ए-बशीर बद्र कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा साहित्य परिसर, कचनार सिटी में आयोजित याद-ए-बशीर बद्र कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में नगर के कवियों, शायरों एवं साहित्यकारों ने देश के सुप्रसिद्ध शायर डॉ बशीर बद्र को अपनी गज़लों और संस्मरणों के माध्यम से श्रद्धांजलि काव्यांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार विमलकांत एंडे ने की तथा अध्यक्षता प्रसिद्ध शायर जनाब इरफान झांस्वी ने की। जबकि सारस्वत अतिथि निर्मला तिवारी निर्मल एवं विशिष्ट अतिथि डॉ आज्ञा मिश्रा रही एवं प्रदीप बकोरे, शेख निजामी रहे। डॉ विनीता पांडेय विनीत द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से आयोजन प्रारंभ हुआ।उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि बशीर बद्र की शायरी ने प्रेम, मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं।

नगर के रचनाकारों में सोहन सलिल, डॉ रानू रूही, बसंत शर्मा, मीना भट्ट, डॉ मकबूल अली आदि ने काव्य पाठ करते हुए पद्मश्री डॉ बशीर बद्र को काव्यांजलि अर्पित की। अतिथियो एवं श्रोताओं का आभार प्रदर्शन डॉ विनीता पांडेय विनीत द्वारा किया गया।

जून में मिलेगा सुकून, जल्द आएगा मानसून

हल्की बारिश की संभावना, उमस ने किया हलाकान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में जून महीने की शुरुआत भीषण गर्मी और तीखे तेवरों के साथ हुई है। सोमवार को सप्ताह के पहले ही दिन मौसम का कड़ा रूप देखने को मिला, जिसने काम पर निकले शहरवासियों को दिनभर पसीने से तर-बतर होने पर मजबूर कर दिया। सुबह से ही आसमान साफ रहा और बादलों की लगातार जारी बेरुखी के चलते सूर्यदेव ने जमकर आग उगलाई। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 38.6 वहीं न्यूनतम तापमान 24.7 दर्ज किया गया। झुलसाने वाली तेज धूप और हवा में घुली भारी उमस के बीच ही लोग अपने दफ्तरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और रोजमर्रा के कामों के लिए घरों से बाहर निकले।

ठन्डे खाद्य पदार्थो की बढ़ी डिमांड

सप्ताह की शुरुआत होने के कारण दोपहर की कड़ाके की धूप के बावजूद बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में अच्छी-खासी चहल-पहल दर्ज की गई। कामकाजी व्यस्तता के चलते लोग चेहरे को सूती कपड़ों से ढंककर और छातों का सहारा लेकर रास्तों पर जूझते नजर आए।

इस तपिश और गले को सुखा देने वाली गर्मी से फौरी राहत पाने के लिए शहर के प्रमुख चौराहों पर स्थित ठंडे और तरल पदार्थ बेचने वाली दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गन्ने का रस, लस्सी, शिकंजी, आम का पन्ना और आइसक्रीम पार्लरों में दोपहर से लेकर देर शाम तक ग्राहकों का तांता लगा रहा। राहत की बात यह रही कि दिन ढलने और सूरज अस्त होने के बाद हवाओं में हल्की नरमी आई, जिसके बाद बाजारों में रौनक और बढ़ गई जो देर रात तक जारी रही।

इस हफ्ते से बदल सकता है मौसम

इस बीच, उमस और तपन से बेहाल जबलपुर वासियों के लिए आंचलिक मौसम केंद्र ने राहत का एक नया पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, स्थानीय स्तर पर वायुमंडल के ऊपरी भाग में बन रहे चक्रवाती तंत्र और हवाओं के बदलते रुख के कारण आगामी घंटों में मौसम का मिजाज बदल सकता है। विभाग ने जिले के कुछ शहरी और ग्रामीण इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाने, धूलभरी आंधी चलने और गरज-चमक के साथ पानी की हल्की बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। यदि मौसम विभाग का यह अनुमान सटीक बैठता है, तो पहले ही हफ्ते में शहरवासियों को इस दमघोंटू उमस और रिकॉर्ड तोड़ती गर्मी से बड़ी राहत मिल सकती है। साथ ही मौसम विभाग ने प्रदेश में जल्द मानसून के दस्तक देने की संभावना भी जताई है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
मंगलवार 2 जून 2026

वर्षा पूर्व नालों की सफाई का कार्य युद्धस्तर पर जारी, नगरवासियों से सहयोग की अपील

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा शहर की जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य नालों एवं नालियों की व्यापक सफाई का कार्य निरंतर कराया जा रहा है। नगर पालिका द्वारा पोकलेन, जेसीबी मशीनों एवं सफाई अमले के माध्यम से बड़े नालों से गाद, कचरा एवं अन्य अवरोधों को हटाकर जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 2 एवं वार्ड क्रमांक 06,29 के प्रमुख नालों की सफाई का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि हनुमान चौक क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नालों की सफाई का कार्य जारी है। इसके अलावा शहर के अन्य प्रमुख नालों एवं नालियों की भी चरणबद्ध तरीके से सफाई की जा रही है, ताकि मानसून के दौरान जलभराव जैसी समस्याएं उत्पन्न न हों। नगर पालिका द्वारा यह भी देखा गया है कि कुछ

दिन पूर्व ही वार्ड क्रमांक 3 एवं वार्ड क्रमांक 10 की नालियों की सफाई कराई गई थी, लेकिन पुनः निरीक्षण के दौरान नालियों में बड़ी मात्रा में पॉलिथीन, प्लास्टिक झिल्लियां, पानी की बोतलें, डिस्पोजल सामग्री एवं अन्य ठोस कचरा पाया गया। यही सामग्री नालियों के चोक होने का सबसे बड़ा कारण बनती है। निरीक्षण के दौरान वार्ड नं. 03,04,13 व 23 में यह भी देखने में आया कि अनेक स्थानों पर लोगों द्वारा अपने घरों एवं दुकानों के सामने नालियों को स्थायी रूप से ढंक दिया गया है अथवा उन पर अतिक्रमण कर लिया गया है। ऐसी स्थिति में सफाई कार्य के दौरान कर्मचारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त नगर के प्रमुख मार्गों, विशेषकर गोंदिया रोड एवं गौरवपथ पर यह भी देखा गया है कि कई लोगों ने अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों तक पहुंचने के लिए सड़क स्तर से ऊँचे रैंप, गट्टू अथवा अन्य निर्माण कर लिए हैं। इसके कारण सड़क का पानी नालियों तक नहीं पहुंच पाता तथा कई स्थानों पर घरों से निकलने वाला पानी भी सीधे सड़कों पर बहने लगता है। परिणामस्वरूप जलभराव, कीचड़ एवं गंदगी की समस्या उत्पन्न होती है। इस अवसर पर सभापति संगीता खागेस कावरे, सोहेल खान, पार्षद दीनू बिसेन, रैना धीरज सुराना एवं नर्गिस खान उपस्थित रहे। नगर पालिका अध्यक्ष श्री सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि नगर पालिका परिषद सीमित संसाधनों के बावजूद वर्षा पूर्व सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर करा रही है। किंतु नगरवासियों के सहयोग के बिना स्थायी समाधान संभव नहीं है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि पॉलिथीन एवं डिस्पोजल सामग्री का उपयोग कम करें, कचरा नगर पालिका के स्वच्छता वाहनों को ही दें, नालियों में कचरा न डालें तथा जल निकासी व्यवस्था को बाधित करने वाले निर्माणों से बचें। सभी के सहयोग से ही बालाघाट को स्वच्छ, सुंदर एवं जलभराव मुक्त बनाया जा सकता है।

उमरिया में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती धूमधाम से मनी

विधायक मीना सिंह ने समाज के लोगों और मेधावी छात्राओं को दी बड़ी सौगात

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जिले के सामुदायिक भवन में 31 मई 2026, दिन रविवार को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती समारोह का आयोजन बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मानपुर विधानसभा क्षेत्र की माननीय विधायक सुश्री मीना सिंह जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में अखिल भारतीय पाल महासभा (शहडोल संभाग) के संभागीय अध्यक्ष कमलेंद्र पाल सा, शहडोल जिला अध्यक्ष हीरालाल पाल एवं उमरिया जिला अध्यक्ष संतोष पाल सहित संभाग भर से आए समस्त पाल बंधु मौजूद रहे। सभी ने देवी अहिल्याबाई होलकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

विधायक की बड़ी सौगातें- समारोह को संबोधित करते हुए

मुख्य अतिथि सुश्री मीना सिंह ने पाल समाज और क्षेत्र के विकास के लिए दो बड़ी घोषणाएं कीं-

सामुदायिक भवन हेतु- विधायक निधि से 50 लाख की राशि देने की घोषणा की गई, जिससे भवन का सुदृढ़ीकरण होगा। शिक्षा को बढ़ावा- कक्षा 10वीं और 12वीं में 85% या उससे अधिक अंक लाने वाली समाज की होनहार छात्राओं को 20-20 हजार की प्रोत्साहन राशि देने का ऐलान किया गया। इस भव्य आयोजन में पाल समाज के कई गणमान्य नागरिक और वरिष्ठ जन उपस्थित रहे, जिनमें शिक्षक रामनरेश पाल, सरपंच शेषमणि पाल, राम सजीवन पाल, रामचंद्र पाल, गोकर्ण पाल, राजेश पाल, कृष्ण बिहारी पाल, भैया लाल पाल, समय लाल पाल, रामपाल पाल, मुनेंद्र पाल, मुकेश पाल, छोटू दादा पाल, रामेश्वर पाल और संतोष कुमार वरमइया सहित भारी संख्या में संभाग भर के स्वजातीय बंधु शामिल हुए।

मेहदुली में अवैध रेत भंडारण पर छापामार कार्रवाई, 50 ट्रॉली रेत जब्त

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार 01 जून 2026 को वारासिवनी तहसील के ग्राम मेहदुली में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की है। उप संचालक खनिज फरहत जहां ने बताया कि तहसीलदार वारासिवनी, राजस्व अमले, जिला खनिज विभाग बालाघाट, थाना रामपायली एवं पुलिस बल द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम मेहदुली में खनिज रेत के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम मेहदुली स्थित खसरा क्रमांक 242 की निजी भूमि पर लगभग 50 ट्रॉली खनिज रेत धान के पैरा-पुआल के नीचे छिपाकर रखी हुई पाई गई। उक्त भूमि भू-स्वामी विद्या प्रकाश, ओम प्रकाश, ज्ञान प्रकाश एवं वेद प्रकाश पिता हरिकुमार निवासी मेहदुली की बताई गई है। जांच के दौरान यह रेत ज्ञान प्रकाश उर्फ पप्पू पटेल पिता हरिओम पटेल निवासी मेहदुली द्वारा भंडारित की गई पाई गई। मौके पर रेत भंडारण संबंधी कोई वैधानिक अनुमति अथवा आदेश प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अधिकारियों ने नियमानुसार रेत को जब्त कर लिया। जब्त रेत को ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सुरक्षित रखवाया गया है। खनिज विभाग द्वारा बताया गया कि मामले में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रेत कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

हीट स्ट्रोक और भूख-प्यास से तेंदुआ की हुई मौत

पंचेरा के जंगल में मृत मिला तेंदुआ,पोस्टमार्टम में पुष्टि

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

तहसील के ग्राम पंचेरा स्थित वन क्षेत्र में सोमवार 01 जून 2026 की सुबह एक तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। वन विभाग के बीट गार्ड एवं चौकीदार के नियमित भ्रमण के दौरान सुबह करीब 7 बजे तेंदुए का शव जंगल में देखा गया, जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई। इसके बाद पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार तेंदुए की मृत्यु भूख, प्यास एवं अत्यधिक गर्मी (हीट स्ट्रोक) के कारण होना पाई गई।

वन विभाग से मिली जानकारी अनुसार, वर्तमान में क्षेत्र में भीषण

गर्मी का प्रभाव बना हुआ है, जिसके चलते वन्यजीवों को भोजन और पानी की उपलब्धता में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की शिकार अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम के उपरांत वन विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त उपस्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तेंदुए के शव का अंतिम संस्कार (शवदाह) किया गया। इस दौरान तहसीलदार मंजूला महोबिया सहित वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीवों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है तथा गर्मी के मौसम में वन क्षेत्रों के जलस्रोतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वन्य प्राणियों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

इनका कहना हैं

पंचेरा क्षेत्र में सुबह गस्ती के दौरान एक मृत तेंदुआ पाया गया, जिसकी सीसीएफ की मौजूदगी में डॉक्टरों के द्वारा पोस्टमार्डम किया गया। जिसमें डॉक्टरों के अनुसार तेंदुआ की मृत्यु भूख, प्यास एवं अत्यधिक गर्मी (हीट स्ट्रोक) के कारण होना पाई गई। उनकी उपस्थिती में अतिम संस्कार किया गया।

शिवमपुरी गोस्वामी
वन परिक्षेत्र अधिकारी,
बालाघाट

वन्य प्राणी के शिकार की कोशिश में 5 आरोपी गिरफ्तार

कटंगी(स्वतंत्र मत)। वन परिक्षेत्र कटंगी (सामान्य) के अंतर्गत आने वाले तिरोड़ी वृत्त के हीरापुर बीट में वन्यप्राणियों के शिकार की एक बड़ी साजिश को वन विभाग की टीम ने नाकाम कर दिया है। वन विभाग ने इस मामले में संलिप्त 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हीरापुर बीट के वन कक्ष क्रमांक 771 में आरोपियों द्वारा वन्यप्राणियों का शिकार करने के उद्देश्य से लकड़ी की खूंटियों की सहायता से जाल बिछाया गया था। इस पूरे मामले में राजकुमार पिता उरकुड़ (उम्र 43 वर्ष), मुन्ना पिता ढोलू (उम्र 53 वर्ष), शिशुपाल पिता ओझा (उम्र 24 वर्ष), योगेन्द्र पिता दीनदयाल (उम्र 45 वर्ष), संतोष पिता हरिराम राउत (उम्र 38 वर्ष) सभी निवासी

ग्राम महदुली को गिरफ्तार किया गया था। शिकार की नीयत से जाल बिछाने वाले इन पाँचों आरोपियों को वन विभाग कटंगी की टीम ने मौके से गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 11924/15 पंजीकृत किया गया। इसके पश्चात आरोपियों को माननीय न्यायालय वारासिवनी में पेश किया गया, जहाँ अपराध की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने सभी आरोपियों को उप जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए। यह पूरी कार्रवाई मुख्य वन संरक्षक वन वृत्त बालाघाट गौरव चौधरी के मार्गदर्शन, दक्षिण सामान्य वन मंडल के वनमंडलाधिकारी नित्यानंदम एल और उपवन मंडलाधिकारी कटंगी जितेन्द्र कुमार के निर्देशन में की गई। इस कार्रवाई का नेतृत्व वन परिक्षेत्र अधिकारी कटंगी (सामान्य) बाबूलाल चड़ार ने किया। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में वनपाल श्रीमती शशिकला चन्दवेल, वनपाल श्रीमती कस्तुरा उईके, वनरक्षक दिलीप परिहार, हरिप्रसाद टेकाम, नितेश चेंदरे, गणेश नगरगड़े, होलराम बघेल, निशा चौधरी और एन.डी.शर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

एएसआई ने की आत्महत्या स्वयं को मारी गोली, हुई मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शनिवार 30 मई को जिले में पुलिस लाईन में आर्मोरर शाखा में पदस्थ एएसआई विजय सिंह अज्ञात कारणों के चलते सरकारी 9 एमएम पिस्टल से सिर में गोली मार कर आत्महत्या कर लिए। घटना की जानकारी के बाद पुलिस लाइन समेत पुरे महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही जिले के एसपी, एडिशनल एसपी, एसडीओपी मौके पर पंहुचे। वहीं शहडोल डीआईजी विवेक सिंह भी घटना स्थल पर पहुंच कर मौका मुआयना किए। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब तीन से पांच बजे के बीच

पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर से निकल कर पुलिस लाइन में ही बने तालाब के किनारे जाकर खुद को गोली मार लिये, अपनी कनपटी में गोली मारे जो सिर के हिस्से को उड़ाती हुई चली गई। गौरतलब है मृतक विजय सिंह पुलिस लाईन में एएसआई के पद पर रहने के बाद पदोन्नत होकर एस आई होकर पीटीएस उमरिया स्थानांतरित हो गए थे लेकिन किन्हीं कारणों वश उनने पुलिस मुख्यालय में आवेदन देकर पदोन्नति को अस्वीकार कर वापस एएसआई के पद में पुलिस लाईन तीन माह पूर्व आ गए थे, वहीं पुलिसकर्मियों ने बताया कि अभी खुशी पूर्वक अपने छोटें बेटे का विवाह 15 दिन पूर्व किए थे और बहुत खुश थे लेकिन अचानक ऐसी क्या स्थिति बनी जिसके चलते उनको आत्मघाती कदम उठाना पड़ा. यह तो सभी पहलुओं की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

विश्व साइकिल दिवस पर 3 जून को होगा 'उमरिया साइक्लोथॉन-2026'

उमरिया स्वतंत्रमत। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 3 जून 2026 को उमरिया जिले में 'उमरिया साइक्लोथॉन-2026' का आयोजन किया जाएगा। मेरा युवा भारत (माई भारत), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यह 5 किलोमीटर का गैर-प्रतिस्पर्धी साइक्लोथॉन कार्यक्रम मेरा युवा भारत केंद्र, उमरिया के तत्वावधान में तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उमरिया के सहयोग से संपन्न होगा।यह आयोजन मुख्य रूप से 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, हालांकि इसमें सभी आयु वर्ग के साइकिल प्रेमी भाग ले सकेंगे।कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन के प्रति जागरूकता फैलाना तथा जनसामान्य को फिटनेस के प्रति प्रेरित करना है।कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि साइक्लोथॉन का शुभारंभ 3 जून को सुबह 6 बजे स्थानीय स्टेडियम से किया जाएगा।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के इंदवार थाना क्षेत्र की अमरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम बकेली में एक 21 वर्षीय विवाहिता का शव पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान संगीता सिंह, पति जयकरण सिंह, निवासी जमुनिया थाना बड़वारा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार संगीता सिंह तीन दिन पहले अपने मायके बकेली आई हुई थी। सोमवार को

उसका शव पेड़ से लटका मिला, जिसकी सूचना ग्रामीणों ने अमरपुर चौकी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अभिलाष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। घटनास्थल पर नायब तहसीलदार टी.आर. पानिका की मौजूदगी में शव को फंदे से उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की गई तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतका की डेढ़ साल की एक बेटी भी है। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों का कहना है कि युवती मानसिक रूप से परेशान रहती थी। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही आत्महत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

जनगणना कार्य में बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले में जनगणना के अंतर्गत मकानसूचीकरण कार्य निर्धारित समय से पूर्व सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर सोमवार 1 जून को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने जनगणना कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चार्ज अधिकारियों एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण, टीम भावना और सक्रिय सहयोग के कारण मकानसूचीकरण का कार्य तय समय से पहले पूरा किया जा सका। उन्होंने जनगणना को शासन की महत्वपूर्ण एवं आधारभूत प्रक्रिया बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उमरिया जिले की यह उपलब्धि पूरी टीम की मेहनत और समन्वय का परिणाम है। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने बताया कि मकानसूचीकरण कार्य के लिए जिले में 12 चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी। इस कार्य में 1203 प्रगणकों और 204 सुपरवाइजरों की सेवाएं ली

गईं, जिनके माध्यम से 1412 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) का कार्य पूर्ण किया गया। उन्होंने चार्ज अधिकारियों, मास्टर ट्रेनरों, पटवारियों तथा शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया। सम्मान समारोह के दौरान कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर एवं जिला जनगणना नोडल अधिकारी प्रत्यूष श्रीवास्तव, अजय सिंह रजावत पर्यवेक्षक जनगणना जिला उमरिया सहित विभिन्न चार्ज अधिकारियों एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

जनसुनवाई या केवल औपचारिकता..?

गंगा खनिज प्राइवेट लिमिटेड की पर्यावरणीय सुनवाई पर उठने लगे सवाल..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के बिरसिंहपुर पाली तहसील अंतर्गत घुनघुटी के ग्राम अर्जुनी, मझगवां, धौरई एवं पतनार खुर्द में मंगलवार 26 मई को आयोजित गंगा खनिज प्राइवेट लिमिटेड की पर्यावरणीय जनसुनवाई को लेकर अब क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएँ और सवाल सामने आने लगे हैं। जिस जनसुनवाई को कंपनी और प्रशासनिक पक्ष सफल आयोजन बता रहा है, क्या वास्तव में वहां स्थानीय जनता की वास्तविक आवाज सुनी गई, या फिर सब कुछ पहले से तय प्रारूप के अनुसार आगे बढ़ाया गया कृ यह अब चर्चा का विषय बनता जा रहा है.! जनसुनवाई के दौरान कंपनी की ओर से रोजगार, अस्पताल, शिक्षा, पेयजल, प्रदूषण नियंत्रण और सोलर बिजली जैसी कई बड़ी घोषणाएँ की गईं, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि क्या इन घोषणाओं का कोई लिखित रोडमैप, समयसीमा या कानूनी जवाबदेही भी तय की गई है, या केवल आश्वासनों के आधार पर लोगों को संतुष्ट करने का प्रयास किया गया? सबसे बड़ा प्रश्न रोजगार को लेकर उठ रहा है। कंपनी द्वारा

कहा गया कि स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन क्या इसके लिए कोई बाध्यकारी नीति प्रस्तुत की गई? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पूर्व में भी कई परियोजनाओं में स्थानीय रोजगार के वादे किए गए थे, लेकिन बाद में अधिकांश तकनीकी और स्थायी पद बाहरी लोगों को ही मिलते रहे। जलस्तर और पर्यावरण को लेकर भी कई सवाल बने हुए हैं। कंपनी ने दावा किया कि भूमिगत खदान से जलस्तर प्रभावित नहीं होगा और तालाबों का जीर्णोद्धार किया जाएगा, लेकिन क्या इस संबंध में कोई स्वतंत्र वैज्ञानिक अध्ययन सार्वजनिक किया गया? क्या भविष्य में भूजल गिरने या प्रदूषण बढ़ने की स्थिति में कंपनी की जवाबदेही तय होगी? जनसुनवाई में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर अस्पताल और निःशुल्क उपचार की बात कही गई, लेकिन क्या यह सुविधा परियोजना शुरू होने के बाद ही मिलेगी, या अभी से क्षेत्र को उसका लाभ मिलेगा? ग्रामीणों के बीच यह भी चर्चा रही कि जिन क्षेत्रों में पहले से खनन चल रहा है, वहां स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति क्या है कृ इसकी भी तुलना होनी चाहिए। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि जनसुनवाई में वास्तविक प्रभावित ग्रामीणों की तुलना में कंपनी समर्थक और कुछ चुनिंदा लोगों की उपस्थिति अधिक दिखाई दी। कई ग्रामीणों का दावा है कि मंच तक हर व्यक्ति की बात समान रूप से नहीं पहुंच पाई। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या जनसुनवाई वास्तव में जन की सुनवाई थी, या केवल पर्यावरणीय अनुमति की प्रक्रिया पूरी करने की औपचारिकता? क्षेत्र के जागरूक नागरिक अब यह मांग उठा रहे हैं कि कंपनी द्वारा किए गए सभी वादों को लिखित सार्वजनिक दस्तावेज के रूप में जारी किया जाए, ताकि आने वाले वर्षों में उनके पालन की वास्तविक समीक्षा हो सके। क्योंकि खनन परियोजनाएं केवल रोजगार ही नहीं लातीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन और सामाजिक संरचना पर भी दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ती हैं।अब देखने वाली बात यह होगी कि यह जनसुनवाई भविष्य के विकास का आधार बनती है या फिर क्षेत्र में उठ रहे सवाल आने वाले समय में एक बड़े विवाद का रूप लेगा.!

स्वतंत्र मत
जबलपुर
मंगलवार 2 जून 2026

पर्यावरण दिवस पर चला स्वच्छता अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर एवं नगर पालिका परिषद की संयुक्त टीम द्वारा नर्मदा नदी के महिष्मति घाट तथा नेहरू पार्क में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी विशेष अभियान चलाया अभियान के अंतर्गत घाट पर व्यापक साफ-सफाई की गई तथा नदी प्रदूषण की रोकथाम एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से नागरिकों को कपड़े के थैले एवं पर्यावरण संबंधी पंपलेट वितरित किए गए। इसके साथ ही नेहरू पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया अभियान के दौरान आमजन को प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग न करने तथा पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बाजार जाते समय कपड़े के थैले का उपयोग करें तथा घरों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को पृथक-पृथक कर नगर पालिका के कचरा वाहन में ही प्रदान करें। उन्होंने नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने तथा पूजा-पाठ से निकली निर्माल्य सामग्री को माँ नर्मदा के जल में विसर्जित न करने का आग्रह भी किया कार्यक्रम में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रयोगशाला सहायक अनिल तिवारी, स्वच्छता प्रभारी संजय कुमार पटेल, एससी चौधरी तथा वार्ड सुपरवाइजर सुनील लाहोरिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्र के नाम कार्यक्रम सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। हम फाउंडेशन भारत की जिला शाखा द्वारा प्रतिमाह की भांति आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रगान कार्यक्रम दो मिनट राष्ट्र के नाम का आयोजन प्रात: 9 बजे गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन प्रांगण माहिष्मति घाट में संपन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनके साहू डिस्ट्रिक्ट कमांडेन्ट होम गार्ड्स रहे कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों समाज सेवियों एवं बुद्धिजीवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एनके साहू जिलाध्यक्ष एचपी झरिया एवं अध्यक्ष पुहुप सिंह भारत द्वारा भारत माता के तैल्यचित्र पर तिलक वंदन एवं पुष्पहार अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात सभी उपस्थितजनों ने राष्ट्रगान का सामूहिक गायन कर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया।

पंजाब जीत पर मनाया जश्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शहर के हृदय स्थल उदय चौक पर आम आदमी पार्टी द्वारा पंजाब में मिली प्रचंड जीत की खुशी में ढोल बजाकर एवं जनता को मिठाई खिलाकर उत्साह मनाया गया आम आदमी पार्टी पंजाब को 4 साल सरकार चलाने के बाद जो ये इतनी प्रचंड जीत मिली है। ये दर्शाता है कि जनता आम आदमी पार्टी के कामों से खुश है। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष पंकज सोनी, जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी, जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष हितेंद्र सिंह,जिला सहसचिव संजय शाह मरावी, जिलाध्यक्ष बौद्धिक प्रकोष्ठ अशोक पांडे, जिला संगठन मंत्री एससी विंग नितिन झारिया, जिला मीडिया प्रभारी आशीष वैष्णव, जिलाध्यक्ष एजुकेशन विंग महेंद्र सोनी राजेश महोबिया, अभिषेक ठाकुर, श्रीमती रश्मि मिश्रा, सतीश यादव, दीपेश ठाकुर, अर्पित नंदा, बिज्जू, मनोज, रोहित एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी का समारोह

मण्डला/मवई। संकुल क्षेत्र भीमड़ोगरी अंतर्गत प्राथमिक शाला नेवसा के प्रधान पाठक टीकू सिंह मरकाम एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमड़ोंगरी के चपरासी जेडी उइके के सेवानिवृत्त होने पर भावपूर्ण एवं गरिमा मय विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कलेक्टर साहब बैठक से कुछ नहीं होने वाला, मैदान में उतरकर देखना होगा किस तरह संघर्ष कर रहे लोग

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मंडला नगरीय क्षेत्र को विकास की गति कब मिलेगी यह नगर की जनता का सवाल वर्षो से चला आ रहा है बैठके दिशा निर्देश समीक्षा कार्य योजना इन पर तो हमेशा काम होते रहते है लेकिन ठोस और सटीक निर्णय अब तक नही हो पाये हैं नगर के 24 वार्डो में विगत 20 वर्षो में करोड़ो रूपए और बड़ी योजना मिलाकर अरबों रूपए पानी की तरह बहा दिया गया है। लेकिन आज भी मूलभूत सुविधाओं से स्थानीय नागरिक जूझ रहे हैं। मुख्य मार्ग में लगे बिजली के खंबे और लटकते तार विकास की गाथा कहते हैं तो वहीं मुख्य सड़कों में सीना तान के खड़े ट्रांसफार्मर मौंत का आमंत्रण भी देते रहते हैं। यहीं नही छोटे बड़े नाले नालियों की बदबू और कचड़े का ढेर सफाई व्यवस्था की सटीक कहानी को बयां कर देते हैं निचले स्तर में तो पानी जैसे तैसे पहुंच ही रहा है लेकिन ऊचांईयों में बसीं बस्तियों में सरकारी नल दम तोड़ रहे हैं। गली कूचों की सड़कों की मरम्मत और नवनिर्माण में घोर लापरवाही दिखाई दे रही है नगर के अंदर अतिक्रमणकारियों का जलवा दिखाई देता है लोग जहां तहां जैसे तैसे अतिक्रमण कर ही लेते हैं अतिक्रमण दल कभी कभार गरीब कमजोर पर कार्यवाही कर फोटो आदि मीडिया को भेजता रहता है। वहीं लोगों का कहना है कि अरबों करोड़ो की राशि खर्च करने की बाद भी नगर न तो सुंदर बन सका और न ही स्वच्छ हो सका आखिर यह पैसा जाता कहां हैं घटिया निर्माण के लिए नगर पालिका की पहचान किसी से छिपी नही है भारी कमिशन के चलने वाले कार्यालय में चिन्हित ठेकेदारों का खास दबाव दिखाई देता है और इन्ही ठेकेदारों को काम मिलता रहता है। हालाकि मंडला कलेक्टर ने एक पहल तो की है लेकिन इस पहल के परिणाम आ जाए ये बहुत बड़ी बात है उन्होंने बीते दिनों कलेक्टर की अध्यक्षता में नगर के विकास के संबंध में और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगर के सुनियोजित विकास यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और नागरिकों की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तृत मास्टर प्लान पर गहन चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में कलेक्टर ने नगर के नजरी नक्शा का बारीकी से अवलोकन किया और वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शहर के मुख्य मार्गों और यातायात को सुचारू बनाने के लिए कलेक्टर ने विभिन्न बाजारों को व्यवस्थित ढंग से शिफ्ट करने के निर्देश दिए।

बैठक में महाराजपुर के फुटकर सब्जी विक्रेताओं, थोक सब्जी विक्रेताओं, मटन मार्केट और मछली मार्केट को योजनाबद्ध तरीके से शिफ्ट किया जाएगा। शहर के भीतर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर और कृषि मंडी के बेहतर प्रबंधन व संचालन पर चर्चा हुई। नर्मदा तट के प्रमुख घाटों की मरम्मत, साफ-सफाई और उनके सौंदर्यीकरण के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। शहर के कायाकल्प के अंतर्गत प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण, आधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण, व्यवस्थित बस स्टैंड और सीवरेज लाइन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही वेंडर्स के लिए हॉकर जोन विकसित करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने नगर के सभी घरों में 2737 ड्रिंकिंग वॉटर सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर एवं पीओ डूडा संस्कार बावरिया, सीएमओ नगरपालिका गजानंद नाफड़े सहित इंजीनियर उपस्थित थे लेकिन लोगों का कहना है कि इस तरह की बैठके पूर्व के कलेक्टर भी कर चुकें है लेकिन कोई खास परिणाम नही आए हैं लोगों का कहना है कि नगर के अंदर नियमित सफाई तक नही हो पा रही है नाले नालियां कचरों से पट चुकें हैं तो वहीं मुख्य मार्ग में धूल के गुब्बारें संक्रमण को निमंत्रण दे रहे हैं वहीं नगर की खाईयों की बदबू से स्थानीय व्यापारी ही नही राहगीर भी परेशान हैं नगर के अंदर बिजली व्यवस्था ऐसी है जैसे मानो कोई दिया जल रहा हो यही नही वाटर कूलर गर्म पानी फेंक रहे हैं तो वहीं कचरा अड्डा में कचरे का ढेर लगा है सफाई कर्मचारी और अमला पूरा गायब है पूरा काम कागजों में चल रहा है लोगों का आरोप है कि वीईपी रहवासी आवास और कार्यालयों के आसपास तो रोजना सफाई गैंग दिखाई देती है लेकिन अन्य क्षेत्रों से यह गैंग महीनों गायब रहती है हर तरफ पन्नी कचरा के डिब्बे गंदगी कपड़े दिखाई देते हैं जिससे लोगों में आक्रोश है लेकिन उनकी कोई सुनवाई नही हो रही हैं। कलेक्टर की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज सभाकक्ष में नगरीय निकायों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शहरों के व्यवस्थित विकास के लिए एक विजन और नगर प्लान तैयार किया जाएं, ताकि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बुनियादी ढांचा विकसित हो सके समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि जिले में अवैध कॉलोनियों को तत्काल चिह्नित करें और उनके खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि शहर में सीवरेज निर्माण कार्य के कारण जो भी सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, उनका मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए ताकि आमजन को आवागमन में कोई असुविधा न हो।

चटुका में संवाद के बाद सीमांकन प्रारंभ

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। चुटका परियोजना के अंतर्गत ग्राम मानेगांव में प्रस्तावित कॉलोनी निर्माण हेतु चिन्हित भूमि के सीमांकन कार्य के दौरान रविवार को ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर मामले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाया प्राप्त जानकारी के अनुसार चुटका परियोजना एवं राजस्व विभाग की टीम भूमि सीमांकन के लिए ग्राम मानेगांव पहुंची थी।

सीमांकन कार्य प्रारंभ होने से पहले ही ग्रामीणों ने उग्र विरोध जताते हुए कार्य रुकवा दिया। सूचना मिलते ही एसडीएम हरि सिंह धुर्वे तथा थाना टिकरिया प्रभारी प्रदीप पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने ग्रामीणों को ग्राम पंचायत मानेगांव में एकत्रित कर उनकी समस्याएं एवं आपत्तियां सुनीं। अधिकारी द्वारा ग्रामीणों की शिकायतों एवं मांगों के संबंध में आवेदन प्राप्त किए गए तथा समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

प्रशासन द्वारा समझाइश और संवाद के बाद ग्रामीण शांत हुए जिसके पश्चात भूमि सीमांकन का कार्य पुन: प्रारंभ कराया गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग की सक्रिय भूमिका से स्थिति नियंत्रण में रही और किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई ग्रामीणों एवं प्रशासन के बीच सकारात्मक चर्चा के बाद सीमांकन कार्य शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया गया।

मप्र शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। रानी अवंती बाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। जिसमें जबलपुर सहित जिले के विभिन्न विकासखंडो व तहसीलों से संघ के पदाधिकारी सम्मिलित हुए बैठक के दौरान टेट परीक्षा के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए एकमत से प्रस्ताव पारित किया गया कि शिक्षकों के लिए अनिवार्य की गई टीचर्स एंट्रेंस परीक्षा को पूर्ण रूप से निरस्त किया जावे। इस हेतु पूरे देश में एक अभियान के रूप में रणनीति बनाकर राज्य और केंद्र सरकार से आग्रह किया जावे की वह न्यायालय के समक्ष पुन: अध्यादेश लाकर उक्त आदेश में परिवर्तन करने का आवश्यक कार्य करें।

जन सुनवाई से भी नहीं मिली राहत

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले का प्रमुख धार्मिक एवं आस्था का केंद्र त्रिवेणी संगम महाराजपुर इन दिनों बदहाली की तस्वीर पेश कर रहा है इसी समस्या को लेकर संगम घाट में से मिट्टी को हटवाने के लिए मां नर्मदा सार्वजनिक महाआरती सेवा समिति महाराजपुर के सदस्यों ने विगत कई बार प्रशासन एवं नगरपालिका सीएमओ के नाम ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में सम्पूर्ण घाट में से मिट्टी हटाने की बात कही गई थी लेकिन प्राशासनिक उदासीनता के कारण आज तक कोई भी कार्यवाही नहीं हुई। समिति ने अब इसे श्रद्धालुओं एवं जनमानस की प्रमुख मांग मानते हुए इसे आंदोलन के रूप में ले लिया है । समिति के सदस्य रोहित दुबे ने बताया कि सामाजिक कुंभ के समय इन तटों का निर्माण

किया गया था जो प्रशासनिक देखरेख के आभाव एवं विगत 10 वर्षो से बाढ़ में इकट्ठी हुई मिट्टी के कारण समस्या बढ गई हैं समिति की सदस्य श्रीमती कंचन कसार के अनुसार त्रिवेणी संगम केवल जिले से ही नहीं बल्कि बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा सहित आसपास के जिलों तथा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए रोजाना आते हैं। इतनी बड़ी भीड़ को देखते हुए संगम घाटों से मिट्टी को तुरंत हटाने की मांग की है कभी भी कोई हादसा होता है तो प्रसाशन इसका दोषी हो सकता है समिति सदस्य नीरज कांड्रा ने बताया कि संगम स्थल के प्रति पौराणिक एवं धार्मिक महत्व के लिये श्रद्धालुओं कीआस्था है सुविधा के लिए पक्के घाट एवं सीढ़ियों का निर्माण महाकुंभ के दौरान किया गया था, लेकिन लंबे समय से मिट्टी न हटाने के कारण ये घाट पूरी तरह दबे हुए हैं।

चंद घंटों में बहाल हुआ पेयजल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंडला-डिंडौरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क निर्माण के दौरान अचानक क्षतिग्रस्त हुई पाइपलाइन के कारण ग्राम रसैयादौना पंचायत खुड़िया में बाधित हुई पेयजल आपूर्ति को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने तत्परता दिखाते हुए बहाल कर दिया है। प्रशासन और विभाग की त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई से ग्रामीणों की समस्या का उसी दिन 1 जून कुछ ही घंटों के भीतर सफलतापूर्वक निराकरण कर दिया गया शासन की नल-जल योजना के तहत ग्राम रसैयादौना में ग्रामीणों को नियमित रूप से पेयजल मिल रहा था। लेकिन एनएच पीडब्ल्यूडी द्वारा किए जा रहे सड़क निर्माण कार्य के दौरान अचानक मुख्य पाइपलाइन टूट गई। इससे सुबह के समय गांव की जल आपूर्ति ठप हो गई और असुविधा के कारण नाराज ग्रामीणों ने मंडला-डिंडौरी मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया जैसे ही मामले की सूचना जिला प्रशासन और पीएचई विभाग को मिली अधिकारी-कर्मचारी बिना समय गंवाए राहत दल के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचे कार्यपालन यंत्री मनोज भास्कर और सहायक यंत्री विनेश उइके के कुशल नेतृत्व में तकनीकी टीम ने क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर शुरू किया अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें जल्द से जल्द पानी सप्लाई शुरू करने का भरोसा दिलाया ।

राशि को मिली पीएचडी उपाधि

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सुभाष वार्ड निवासी राशि पमनानी ने स्वास्थ्य ओम मंत्र डाइट प्लान एवं थैरेपीस के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है उन्होंने जोरोएस्ट्रियन कॉलेज मुंबई से सत्र 2025-26 में पीएचडी का पाठ्यक्रम पूर्ण किया मुंबई में आयोजित कॉलेज के दीक्षांत समारोह में राशि पमनानी को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन डॉ. चन्द्राकृष्ण मूर्ति प्रेसीडेंट मास्टर मेहर मूस सहित कॉलेज प्रबंधन के वरिष्ठ सदस्य

उपस्थित रहे राशि पमनानी ने बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्हें शारीरिक बीमारियों एवं स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा इसी अनुभव ने उन्हें स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनाया और उन्होंने डाइट प्लान फॉर हेल्थ विषय पर शोध कार्य करते हुए पीएचडी पूर्ण की उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करने मेडिसिन फ्री लाइफ जीने एवं बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का कार्य करेंगी। राशि पमनानी नगर के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी रितेश पमनानी की पत्नि हैं उनकी इस उपलब्धि पर इष्ट जनों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

युवक से अंग्रेजी शराब जप्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के समस्त थाना चौकी प्रभारियो को अवैध शराब परिवहन एवं विक्रय पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बीजाडांडी के द्वारा थाना बीजाडांडी में 1 जून की दरम्यानी रात करीबन 12.30 बजे विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर जबलपुर मंडला रोड पर मोटरसाइकिल के चालक हिमांशु मार्को के कब्जे से अवैध रूप से अंग्रेजी शराब 72क्वार्टर को जब्त किया गया है।

अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे पेंशनर्स

बैठक में समस्याओं पर विमर्श के बाद निर्णय

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसियेशन तहसील शाखा नैनपुर की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मध्य प्रदेश शासन के पेंशनरों के प्रति उपेक्षा पूर्ण निर्णयों के विरोध में तहसील,जिला ओर प्रांतीय स्तर पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपे जाने का निर्णय लिया गया। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन करने का निर्णय प्रांतीय अध्यक्ष के आह्वान पर 10 जून बुधवार को तहसील स्तर पर, 30 जून को जिला स्तरीय एवं प्रांतीय स्तर पर 22 जुलाई को प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है। साथ ही संगठन को विभागों की परामर्शदात्री बैठकों में शामिल किए जाने हेतु एस. डी.एम को जिलाधीश के आदेश के परिपालन में आदेशित करने का अनुरोध किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य समस्याओं पर विचार करते हुए निर्णय लिया गया।इस अवसर पर ए एस राजपूत संभागीय उपाध्यक्ष, जी पी कार्तिकेय,संरक्षक, जे पी साहू उपाध्यक्ष आर पी तिवारी,एस बी यादव कोषाध्यक्ष,अमरसिंह ठाकुर सचिव, ए के अग्रवाल, डी एम शर्मा ,नागेश कुमार शुक्ला,आनंद ठाकुर,अनिल ठाकुर, जी पी हरदाहा, के एल मरकाम,दौलत राम पटले सुरेंद्र श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, बी आर शिव,श्रीमती माया हरदाहा, सुश्री शकुन झरिया की उपस्थिति दर्ज हुई,कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन अध्यक्ष आर जी पटले ने किया।

ग्राम पिंडरई के गोदाम में भीषण आग

नरवाई जलाने के दौरान हादसा; कृषि यंत्र और सिंचाई पाइप जलकर खाक

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर विकासखंड के ग्राम पिंडरई की एक गोदाम में आग लगने से लाखो का नुकसान हो गया। बताया जा रहा है कि खेत में नरवाई जलाने के दौरान आग फैलकर पास स्थित शेख कुर्बानी सिद्दीकी के गोदाम तक पहुंच गई, जिससे गोदाम में रखा कृषि उपकरण और सिंचाई कार्य में उपयोग होने वाले पाइप आग की चपेट में आ गए।आग लगते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया । वहीं सूचना मिलने पर ग्राम के पानी का टैंकर वाहन भी मौके पर पहुंचा। काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। इस घटना में गोदाम में रखे कृषि यंत्र, पाइप और अन्य सामग्री जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण खेत में नरवाई जलाना बताया जा रहा है। वहीं आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

संपादकीय

किधर है शांति की राह

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 'अच्छी खबर' तो दे नहीं सके और न ही ईरान के साथ समझौता कर पाए, लेकिन उनके लड़ाकू विमानों ने ईरान के नौसेना बेस पर तीन हमले जरूर कर दिए। इस तरह ट्रंप ने युद्धविराम तुड़वा दिया। अमरीकी सेना ने ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर हमले कर ईरानी स्पीड नौकाओं को समंदर में डुबो दिया। मिसाइल लॉन्च साइट्स पर भी हवाई हमले कर उन्हें नष्ट कर दिया गया। अमरीकी सेना की दलील है कि ईरानी नौकाएं समंदर में बारूदी सुरंगें बिछा रही थीं, लिहाजा आत्मरक्षा में अमरीका को हमले करने पड़े। इन हमलों और धमाकों में ईरानी आईआरजीसी के 4 जवान हताहत हुए और कुछ घायल भी हुए हैं। ईरान ने इसे युद्धविराम का 'साक्षात उल्लंघन' करार दिया है और अमरीका को 'महान शैतान' माना है। ईरान बेहद गुस्से में है। ईरान किसी संभावित युद्ध के दोबारा आगाज के मद्देनजर खामोश है, लेकिन उसने हमलों की पुष्टि की है। युद्धविराम के दौरान अमरीका ने ऐसे हमले किए हैं, लिहाजा युद्धविराम टूट चुका है। सवाल है कि क्या हज के बाद युद्ध नए सिरे से छिड़ेगा? यह बेहद गंभीर, संवेदनशील, मानवीय सवाल है, क्योंकि पूरा विश्व इससे प्रभावित हुआ है। हाहाकार मचा है। ऊर्जा के अलावा खाद्य संकट, उर्वरक संकट, माल के आयात-निर्यात का संकट और अंततः भुखमरी का संकट इस युद्ध के नतीजतन ही है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और विश्व बैंक 'महामंदी' की चेतावनी दे रहे हैं, लेकिन अमरीका और ईरान वैश्विक तबाही को आमादा हैं। अमरीका ने आदतन फिर दोगला प्रहार किया है। एक ओर कतर की राजधानी दोहा में कथित मध्यस्थ देश शांति-समझौते की रूपरेखा पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर अमरीकी सेना ने ईरानी पक्ष पर हमले किए हैं? यह किस किस्म की कूटनीति या शांति-संवाद हैं? राष्ट्रपति ट्रंप दावा करते रहे हैं कि ईरान के साथ अमरीका की 95 फीसदी सहमति बन चुकी है। शेष 5 फीसदी पर बातचीत जारी है, लेकिन साथ में यह धमकी भी देते रहे हैं कि यदि ईरान ने करार नहीं किया, तो पहले से भी भयंकर हमले किए जाएंगे। ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावों, सहमतियों और सवंर्धित यूरेनियम संबंधी बयानों को सिरे से खंडित किया है। अब हमलों के बाद और बकरीद के मौके पर ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का संदेश टीवी पर पढ़ा गया है, जिसमें उन्होंने ट्रंप को चेतावनी दी है कि अब खाड़ी देश अमरीकी सैन्य ठिकानों की 'ढाल' नहीं बनेंगे। अब खाड़ी का यह इलाका अमरीका के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' नहीं रहा है। खामेनेई ने मुस्लिम देशों को एकजुट होने और नई विश्व-व्यवस्था बनाने की अपील भी की है। हमलों के बाद ईरान ने पलटवार कर अमरीका के एम.क्यू.-9 ड्रोन और आर.क्यू.-4 हॉक ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। अमरीका के बेशकीमती एफ-35 फाइटर जेट पर भी मिसाइल से हमला किया गया है। इससे ईरान और सुप्रीम लीडर के मजबूत और आक्रामक मंसूबों को पढ़ा जा सकता है। रक्षा विशेषज्ञों के आकलन हैं कि हज के बाद, यानी आगामी 72 घंटों में, ईरान युद्ध नए सिरे से शुरू हो सकता है। यह भी आकलन है कि 3-4 महीने युद्धविराम का नाटक करने के बाद अमरीका सितंबर-नवंबर के दरमियान फिर हमला कर सकता है। तब तक राष्ट्रपति ट्रंप पर घरेलू दबाव, मध्यावधि चुनावों का तनाव और अमरीका की आर्थिक स्थिति के मद्देनजर जन-विरोध उतना नहीं रहेगा, जितना अब है। दोनों देशों के बीच समझौते के आसार बहुत कम हैं, क्योंकि यूरेनियम, ईरान की जब्त संपत्तियों, पाबंदियों, हमले की क्षतिपूर्ति, होर्मुज जलमार्ग आदि अहम मुद्दे यथावत अनसुलझे रहे हैं।

अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं।

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पायें हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन ही रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं हैं। क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी नालें तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। यहां तक कि इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा ही करते रह गए हैं। जनवरी फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च अप्रेल में गर्मी का असर देखा गया। बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेसियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समयपर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। खैर यह विषयांतर होगा पर कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

तेलंगाना : कल, आज और कल

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

2 का अंक तेलंगाना का शुभांक है। शुभ इस नाते कि आज से बारह साल पहले दो जून को वर्तमान तेलंगाना अस्तित्व में आया था। यूं तो तेलंगाना पहले भी था, अलबत्ता उसके पृथक प्रांत के तौर पर मानचित्र में उभरने के पीछे रक्त और स्वेद की लंबी लोमहर्षक गाथा छिपी है। तेलंगाना का इतिहास प्राचीन है, मगर वर्तमान स्वरुप अर्वाचीन। यहां की धरती उर्वरा है और रत्नगर्भा भी। उसने कोहेनूर समेत नायाब हीरों की नेमते दी हैं। कोल और लौह अयस्क सौंपे हैं और खूब गुल खिलाये हैं। निजाम और अन्य राजवंशों की शानोशौकत अब इतिहास के पन्नों की कथावस्तु है। वह स्थापत्य में प्रतिबिंबित है। हैदराबाद सुच्चे मोतियों का बड़ा बाजार है। यूं तो तेलंगाना तेलुगुभाषी है, लेकिन ठेठ दक्खनी का ठाठ वहां देखने को मिलता है। हैदराबादी तहजीब बाजार जैसी फिल्मों में उभरती है। निजाम-दर-निजाम, राजा किशन परसाद, बद्री विशाल पित्ती और मख्दूम जैसी शख्सियतें, वारंगल फोर्ट, चारमीनार, रामप्पा मंदिर, ताज फलकनुमा होटल, सालारजंग म्यूजियम, साइबर सिटी यानि साइबराबाद और अनेक मध्ययुगीन व आधुनिक संरचनाएं इसके सौंदर्य और वैभव में चार चांद लगाती हैं। यहां के दस्तर-ख्वान की तो बात ही क्या? वह आस्वाद से आह्लाद और तृप्ति तक का मनभावन फलसफा है।

तेलंगाना की धरती जरखेज है। तेलंगाना यूं ही नहीं लुभाता। यहां से जुड़े नामों की एक चमकीली फेहरिस्त है। हँसते हुये नूरानी चेहरों, तालीम, चिकित्सा, क्रीड़ा और मनोरंजन का मरकज है हैदराबाद। सीके नायडू, नायडू, गुलाम अहमद, अब्बास अली बेग, आबिद अली, शिवलाल यादव, अरशद अयूब, वी. राजू, नोएल डेविड, पीवी सिंधु, साइना नेहवाल, फुलेला गोपीचंद, निखत जरीन, एशा सिंह, गगन नारंग, मोहम्मद अजहरुद्दीन, वीवीएस लक्ष्मण, मिताली राज, मो. सिराज, तिलक वर्मा, सानिया मिर्जा आदि का ताल्लुक यहां से है। विवेक ओबेराय, तब्बू, सुष्मिता सेन, दीया मिर्जा, अजीत, अमजद खान जैसे सितारे यहां जनमें या जुड़े रहे। तेलुगु सिनेमा यानि टालीवुड की वैश्विक सिनेमा में अलग प्रतिष्ठा है। अल्लू अर्जुन यहां के चहेते सितारा हैं; पुष्पा 2 के लिये प्रशंसित स्टार। तेलुगु फिल्मों के लिये सिनेमाघरों में भीड़ उमड़ती है। रामोजी फिल्म सिटी सिने उद्योग का बड़ा केन्द्र है और आमोद स्थल भी। यहां की लोगां की बातां मार्का जुबान का जवाब नहीं वह लुभाती है और बरबस दिल में उतर जाती है। हैदराबाद नमस्कारम् करता है और आदाब और सलाम भी।

तेलंगाना का इतिहास आरोह-अवरोह और घुमावों से भरा है। निजाम की कंजूसी के किस्से हैं और उदारता के प्रसंग भी। आचार्य विनोबा के भूदान यज्ञ से चर्चा और सुर्खियों में आया पोचमपल्ली इसी तेलंगाना में है। पारंपरिक पोचमपल्ली इकत साड़ियों और हथकरघा बुनाई के लिये वह जग विख्यात है। यह दुर्भाग्य की बात है कि स्वराजयन के डेक्कन के इस महत्वपूर्ण और जरखेज सूबे के बारे में ज्यादा नहीं जानता। उसे रजाकारों और किसान आंदोलन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं। सन 1946 से 1951 के दरम्यान पुचलपल्ली सुंदरैया के नेतृत्व में सामंतों और कुलको के विरुद्ध विद्रोह का भारत के कृषक आंदोलन में महत्वपूर्ण स्थान है। आज कितनों की स्मृति में प्रो. कोटपल्ली जयशंकर और मल्लू स्वराजयम जीवित हैं? त्याग-बलिदान, सेवा और संघर्ष अभिलेखन मांगते हैं। तेलंगाना के अस्तित्व में आने की लोमहर्षक गाथा भी क्रमवार और प्रामाणिक डाक्यूमेंटेशन की मोहताज है।

तेलंगाना ने मुल्क की सियासत को नायाब सितारे दिये हैं। इनमें अग्रणी नाम है पामूलपर्ती वेंकट नरसिंहराव का है। वह विषम काल में भारत में प्रधानमंत्री रहे और बहुभाषिकता, विद्धता और आर्थिक सुधारों के लिये जाने गये। बीआरएस के के. चंद्रशेखर राव के दस वर्षीय शासन के बाद अनुमुला रेवंत रेड्डी तेलंगाना के द्वितीय मुख्यमंत्री हैं। राजनीति में वह पेशकदेमी और प्रत्युत्पन्नमति के लिये जाने जाते हैं। सात दिसंबर, सन 2023 को मुख्यमंत्री बने 56 वर्षीय रेवंत मल्काजगिरि से सांसद भी रह चुके हैं। वह कोडंगल से अनेकशः निर्वाचित होकर असेंबली में पहुंचे हैं। उन्होंने पहलेपहल सन 2007 में स्थानीय निकाय का चुनाव लड़ा था और सीढ़ी-दर-सीढ़ी इस प्रतिष्ठा पद तक पहुंचे। जून 2021 में प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अनहोनी को होनी में बदल दिया। सीएम पद की शपथ लेने के दस दिनों के भीतर उन्होंने दो गारंटियां लागू कर अपना वचन निमाया। ये गारटियां थीं महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस सेवा और आरोग्यश्री स्कीम का दस लाख तक विस्तार। उनकी प्रजापालन योजना में एक करोड़ से अधिक अर्जियां आईं। तदंतर जुलाई में उन्होंने किसानों की कर्ज माफी के लिये रू. 31,000 करोड़ का फंड रिलीज किया। इससे करीब 40 लाख किसान लाभान्वित हुये। दो साल पहले स्थापना का दशक समारोह मनाने के बाद रेवंत दिल्ली गये और नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, अमित शाह और जेपी नड्डा से मिले ताकि तेलंगाना के विकास को गति मिले। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिले और श्रवणापल्ली कोयला खदान सिंगारेनी कंपनी को देने की प्रार्थना की। प्रगति के रथ के पहियों को गति के प्रयोजन से वह अमेरिका के दौरे पर भी गये और एक हद तक निवेश लाने में सफल रहे। रेवंत रेड्डी दक्खिन भारत में कांग्रेस के पुरुषार्थी नायक माने जाते हैं। वह राहुल और सोनिया के लाड़ले नेता हैं। कांग्रेस को जहां अपने इस योद्धा से अनेक उम्मीदें हैं, वहीं तेलंगाना की जनता उनसे प्रदेश के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा रखती है। हर कोई जानता है कि आज का समवेत उपक्रम तेलंगाना के बेहतर कल का हेतु बनेगा।

हमारे भीतर भी ब्रह्मांड रहता है, सूत्र- ज्ञान की लौ को जीवित रखिए

कार्ल सेगन

जब हम रात में तारों को टिमटिमाते देखते हैं, तो लगता है कि हम उनसे अलग हैं, पृथ्वी पर रहने वाले छोटे, सीमित और क्षणभंगुर जीव। लेकिन विज्ञान ने हमें एक अत्यंत विनम्र और साथ ही सबसे महान सत्य बताया है और वह यह कि हम उससे अलग नहीं हैं। हम उसी ब्रह्मांड की संतान हैं, जिसे हम देख रहे हैं। हमारे शरीर का हर परमाणु कभी किसी तारे के भीतर ही जन्मा था। हमारे रक्त का लौह, हड्डियों का कैल्शियम, हमारे मस्तिष्क के भीतर बहती बिजली की तरंगें ये सब उन तारों की अग्नि में बनी थीं, जिनका जन्म अरबों साल पहले विस्फोटों में हुआ था।

इस अर्थ में, मनुष्य केवल पृथ्वी का प्राणी नहीं है, वह तारों की धूल है, जिसने सोचने की क्षमता प्राप्त कर ली। और यही वह क्षण है, जहां ब्रह्मांड एक अद्भुत मोड़ लेता है। अरबों वर्षों तक आकाशगंगाएं घूमती रहीं। तारे जन्म लेते और मरते रहे। लेकिन कहीं कोई ऐसा नहीं था, जो कुदरत के इस विराट नाटक को देख सके, उससे प्रश्न पूछ सके। फिर एक छोटे से ग्रह पृथ्वी पर जीवन उत्पन्न हुआ। धीरे-धीरे उस जीवन ने आंखें विकसित कीं, ताकि वह प्रकाश को देख सके। उसने मस्तिष्क विकसित किया, ताकि स्मृति बना सके, कल्पना कर सके व अंततः प्रश्न पूछ सके। और जब पहली बार किसी मानव ने पूछा होगा कि ये तारे क्या हैं? उसी क्षण ब्रह्मांड ने स्वयं को जानने की प्रक्रिया आरंभ कर दी।

ब्रह्मांड के महासागर में पृथ्वी एक धूल-कण से ज्यादा कुछ नहीं है और मनुष्य उस धूल-कण पर कुछ क्षणों के लिए प्रकट होने वाली चेतना की चमक मात्र है। एक पुस्तकालय की कल्पना कीजिए, जो असंख्य पुस्तकों से भरा हो। अधिकांश पुस्तकें कभी पढ़ी नहीं गईं, लेकिन अचानक एक दिन उन पुस्तकों के भीतर से ही कुछ अक्षर जीवित हो जाएं और पढ़ना शुरू कर दें। यही हम हैं। जब कोई खगोलशास्त्री दूरस्थ आकाशगंगाओं की छवियां देखता है, तब यह उस अद्भुत तथ्य को स्वीकार करने की भी यात्रा है कि ब्रह्मांड ने स्वयं के भीतर ऐसी चेतना उत्पन्न की, जो उससे प्रश्न पूछ सकती है।

यदि हम वास्तव में ब्रह्मांड की वह चेतना हैं, जो स्वयं को समझना चाहती है, तो हमें अपनी इस दुर्लभ क्षमता की रक्षा करनी चाहिए। हमें अज्ञान, कट्टरता व हिंसा से ऊपर उठना होगा। हमारा अस्तित्व अत्यंत दुर्लभ हो सकता है। हो सकता है कि इस विशाल ब्रह्मांड में अनगिनत तारे हों, लेकिन चेतना बहुत कम जगहों पर जन्म लेती हो। यदि ऐसा है, तो हर विचारशील मन ब्रह्मांड की सबसे मूल्यवान उपलब्धियों में से एक है। इसलिए जब अगली बार आप रात के आकाश को देखें, तो स्वयं को अकेला मत समझिए। आप उसी कहानी का हिस्सा हैं, जिसे तारे अरबों वर्षों से लिख रहे हैं। आप केवल ब्रह्मांड में नहीं रहते। ब्रह्मांड भी आपके भीतर रहता है। और जब आप प्रश्न पूछते हैं, प्रेम करते हैं, खोजते हैं, तब यह विराट ब्रह्मांड पहली बार, अपनी ही आंखों में देखना शुरू करता है।

आप तारों को निहारने वाला एक साधारण जीव नहीं, बल्कि उन्हीं तारों की धूल से बनी वह चेतना हैं, जिसने स्वयं ब्रह्मांड को समझने का साहस पाया है; इसलिए अपने भीतर जिज्ञासा, करुणा, प्रेम और ज्ञान की लौ को जीवित रखिए। जब आप प्रश्न पूछते हैं, सत्य की खोज करते हैं, सपने देखते हैं, तो मानवता को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं।

घपलों की गंगा में तहसीलदारों ने भी हाथ धो लिए तो क्या गुनाह कर दिया...

एक खबर आई है प्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर से कि वर्ष 2023 और 2024 के सात नामांतरण निरस्त कर दिये गये क्योंकि इन आदेशों के पीछे तहसीलदार महोदय की मनमानी और लापरवाही पाई गयी है। बड़ी ही हैरानी की बात है कि राजस्व विभाग की फाइलों के समुद्र में कलेक्टर साब को डुबकी लगाने के बाद सिर्फ सात मोती मिले अगर वे ईमानदारी से जरा गहराई तक गोता लगायें तो उनके हाथ मोतियों का खजाना लग सकता है। वैसे तो जनता की याददाश्त बेहद कमजोर होती हैं फिर भी शायद लोगों को याद हो सकता है कि कुछ बरस पहले उस वक्त के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि 1 अप्रैल 2014 से नामांतरण की प्रक्रिया ऑनलाइन हो जायेगी और जैसे ही कोई जमीन मकान या कृषि भूमि का विक्रय होगा, भूमिस्वामी के पक्ष में उसी समय नामांतरण दर्शा दिया जायेगा। इधर पूरे प्रदेश की जनता के चेहरों पर खुशी छा गयी लेकिन तहसीलदारों के चेहरे उतर गये सुना जाता है कि तहसीलदारों ने सरकार से बड़ी मिन्नतें की कि उनके पेट पे लात न मारी जाये। अगर नामांतरण ही ऑटोमेटिक होने लगेगा तो वे क्या दफ्तर में मक्खियाँ मारेंगे? फिर उनके बीवी बच्चों का क्या होगा जिन्हें मुफ्त की मलाई खाने की बुरी आदत पड़ चुकी है। सरकार तो बहुत संवेदनशील होती है, उसने इन गरीब और बेचारगी से भरे आंसू बहाते तहसीलदारों की व्यथा सुनकर ऑटोमेटिक नामांतरण मामला ही खत्म कर दिया। मामा जी के प्रस्ताव की फाइल ऐसी गायब हुई कि उसका चर्चा होना ही बन्द हो गया। दरअसल सारे गड़बड़ घोटाले की शुरुआत शासन के एक पुराने तुगलकी आदेश से हुई जिसमें किसी भी प्रॉपर्टी के क्रय विक्रय के साथ उस प्रॉपर्टी का नामांतरण अनिवार्य कर दिया गया था। इसके पालन के लिये कोई मोहलत नहीं दी गई और इसे तत्काल लागू कर दिया गया। सरकार की मंशा ठीक थी लेकिन आदेश का तत्काल लागू किया जाना तहसीलदारों के लिये लॉटरी साबित हुआ। किसी के बाप दादों ने पचासों साल पहले जमीनें खरीदी थीं जिनके बेचने वाले और खरीदने वाले सब स्वर्ग सिधार चुके थे। पट्टे के अलावा कोई कागजात ही नहीं थे क्योंकि लोग यही सोचते थे कि तीन चार पीढ़ी से रह रहे हैं तो कागजों की क्या फ़िक्र। मगर जब बेचने की बारी आयी तो नामांतरण के लिये तहसीलदारों ने ऐसे ऐसे सबूत मांगे कि लोगों को चक्कर आने लगे यंहा तक की स्वर्ग में बैठे उनके पुरखे तक बेचैन हो गए बस, उसके बाद से पटवारियों और तहसीलदारों के दोनों हाथों में लड्डू आ गए नामांतरण के नाम पर लूट मच गयी। अब इस अफरा तफरी में बेचारे तहसीलदारों से थोड़ी बहुत गलती हो गयी तो क्या मुश्किल है। इतने बड़े देश में जब चारों तरफ घपले घोटाले हो रहे हैं फिर तहसीलदारों ने भी बहती गंगा में हाथ धो लिये तो ऐसा कौन सा पाप कर दिया अपना मानना तो ये है कि इस बेहद छोटी सी लापरवाही के लिये बेचारे तहसीलदारों पर कार्रवाई करना एकदम नाजायज़ है।

सारे ही डिप्टी सीएम बना दो

सुना है कि हाल ही में कर्नाटक में सिद्धारमैया जी की जगह डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बना दिया गया है बड़े कशमकश के बाद ये मामला सेटल हो पाया, कहा तो यह भी गया था कि दोनों को ढाई ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया जाएगा लेकिन सत्ता की कुर्सी में जो अदृश्य फेविकोल रहता है वह उसे बैठने वाला को इतना कस के जकड़ लेता है कि ना तो वो उठना चाहता है और ना ही वो फेविकोल उसे उस कुर्सी से उठने की इजाजत देता है। बेचारे शिवकुमार लगातार कांग्रेस की हाई कमान से गुजारिश कर रहे थे कि उनको भी तो मौका दिया जाए, खैर जब समय आता है तभी काम होता है सो उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया गया, सिद्धारमैया जी को दिल्ली बुलाने की पूरी स्कीम कांग्रेस की बना ली थी कि उन्हें राज्यसभा भेज दिया जाएगा लेकिन वे भी पुराने खिलाड़ी हैं राजनीति के, तो इस स्कीम को फेल कर हाई कमान से साफ साफ कह दिया नहीं मैं तो यही रहूंगा यानी शिवकुमार जी को चैन से बैठने नहीं दूंगा। पता लगा है कि चार-चार उपमुख्यमंत्री कर्नाटक में बनाए जाने वाले हैं वैसे तो उपमुख्यमंत्री का कोई पद संवैधानिक रूप से होता नहीं है लेकिन राजनीति में लोगों को एडजस्ट करना भी तो बड़ा कठिन काम है जो मुख्यमंत्री के दौड़ में शामिल होता है और नहीं बन पाता उसको उपमुख्यमंत्री बना दिया जाता है अभी तक तो अपने को ये पता था कि जो ज्यादा दमदार होता है और मुख्यमंत्री को अलसेट देने में सक्षम होता है उसको उपमुख्यमंत्री का पद देकर शांत करने की कोशिश की जाती है एक या दो उपमुख्यमंत्री बना दिया जाते हैं लेकिन कर्नाटक तो चार-चार उपमुख्यमंत्री बनाने के लिए तैयार बैठ गया है।अपने को तो लगता है की कुछ समय बाद मंत्रियों की पोस्ट ही खत्म हो जाएगी और सारे मंत्री उपमुख्यमंत्री कहलाने लगेंगे क्योंकि यदि आपने चार बनाए तो चार और भी तो हैं जो कभी भी दम दे सकते हैं हो सकता है जैसे उन चार को भी एडजस्ट किया जा रहा हो और ऐसे चार-चार करके पता लगा चालीस की फौज खड़ी हो गई भले ही अधिकार मंत्री जैसा ही हो लेकिन कहने को तो रहेगा कि हम उपमुख्यमंत्री हैं ये कोई कम बात है क्या ? देखना ये है कि कर्नाटक की देखादेखी अब दूसरे प्रदेशों में भी चार, छह, या आठ उप मुख्यमंत्री ना बनाए जाने लगें

किसी में चैन नहीं

ये इंसान भी बड़ा विचित्र जीव है उसे किसी भी चीज में चैन नहीं है, अब देखो गर्मी आई है तो मौसम के हिसाब से गर्मी तो पड़ेगी ना, लेकिन नहीं, गर्मी से परेशान हैं,हाय कितनी गर्मी है, ये साला तापमान कहां जा रहा है, 45 डिग्री में आदमी करे तो करें क्या, जैसे जुमले आप किसी के भी मुंह से सुन लो । अरे भैया जब प्रकृति ने तीन मौसम बनाए हैं गर्मी, सर्दी, बरसात तो गर्मी में गर्मी नहीं तो क्या ठंड पड़ेगी? ऐसा ही हाल ठंड में होता है जब ठंड पड़ती है तो गर्मी की याद आ जाती है बाप रे कितनी ठंड पड़ रही है यार, हाथ पैर अकड़ गए हैं,रजाई पर रजाईओढ़े पड़ा है इंसान, ये ठंड कब खत्म होगी, भारी परेशान हो गए हैं इस ठंड से और जब बरसात हुई तो उसमें भी चैन नहीं। इस बरसात ने तो कहीं आना-जाना मुहाल कर दिया है, जगह-जगह गड्ढों में पानी भरा है, कीचड़ से जूते सन रहे हैं, कहीं आने-जाने में कितनी परेशानी हो रही है। यानी कि ना उसे गर्मी में चैन है ,ना बरसात में ,ना ठंड में ।दरअसल उसकी फितरत ही ऐसी है जो उसके सामने है उससे उसको परेशानी है और जो नहीं है उसको लेकर सुखद यादों में खोया हुआ है और जब वही सुखद यादें सामने आती हैं तो फिर पुराने अतीत में लौट जाता है भगवान भी कहता है कि तुम बेचैन ही रहो ,चैन से रहोगे तो कुछ ना कुछ उल्टा सीधा जरूर करोगे बेचैन रहोगे तो उसी में अपना समय लगाते रहो इसी बेचैनी में अपना समय काट दोगे वैसे इन बेचैन आत्माओं को एक ढाढस बंधा देते हैं कि कुछ समय रुक जाओ इस गर्मी से निजात मिलने वाली है बरसात आने वाली है लेकिन फिर वही बात इधर बरसात शुरू हुई और इधर इंसानों का रोना शुरू।

तीसरे विश्वयुद्ध का काउंटडाउन शुरू? अमेरिका ने ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों को बमों से उड़ाया, दहल उठा कुवैत

नई दिल्ली

मध्य पूर्व में कई हफ्तों से लागू नाजुक युद्धविराम के बीच एक बार फिर बारूद की गूंज सुनाई दी है। अमेरिकी सेना ने सोमवार को जानकारी दी कि सप्ताहांत में ईरान द्वारा एक अमेरिकी एमक्यू-1 प्रीडेटर ड्रोन को मार गिराए जाने के जवाब में अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान के रडार और ड्रोन नियंत्रण केंद्रों पर भारी बमबारी की है। इस हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी सैन्य कार्रवाई की बात स्वीकार की है। वहीं, पड़ोसी देश कुवैत ने भी सोमवार तड़के खुद पर ड्रोन और मिसाइल हमले होने का दावा किया है, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस बीच कुवैत ने कहा कि उस पर ड्रोन एवं मिसाइल हमले किए गए जिन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचने से रोकने के लिए उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने कार्रवाई शुरू कर दी। ये हमले ईरान युद्ध में कई सप्ताह से लागू युद्धविराम की नाजुक स्थिति को दर्शाते हैं।

अमेरिकी और ईरानी अधिकारी इस युद्धविराम की अवधि को बढ़ाने के लिए समझौते पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद हमले लगातार जारी हैं। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ बनाए हुए है जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है। कभी फारस की खाड़ी के इस संकरे मुहाने से तेल और प्राकृतिक गैस के वैश्विक कारोबार का पांचवां हिस्सा गुजरता था। इस बीच, स्थिति लगातार और चिंताजनक हो रही है।

इजराइल ने लेबनान में लितानी नदी से आगे भी कब्जा कर लिया है, जबकि उग्रवादी समूह हिजबुल्ला इजराइल में ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। अमेरिकी सेना की 'सेंट्रल कमांड' ने कहा कि उसने शनिवार और रविवार को ईरान में गेरुक शहर और केशम द्वीप के आसपास हमले किए। 'सेंट्रल कमांड' ने कहा, ''सीमित और सोच-समझकर किए गए ये हमले ईरान की आक्रामक कार्रवाइयों के जवाब में किए गए जिनमें अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहे 'अमेरिकी एमक्यू-1' ड्रोन को मार गिराना शामिल है।'

उसने कहा, ''अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, एक जमीनी नियंत्रण केंद्र और दो ऐसे ड्रोन को नष्ट कर दिया जो क्षेत्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहे पोतों के लिए स्पष्ट खतरा पैदा कर रहे थे।'' प्रीडेटर ड्रोन को अमेरिकी वायुसेना सेवा से हटा चुकी है और अब वह 'एमक्यू-9 रीपर' ड्रोन का इस्तेमाल करती है लेकिन अमेरिकी थल सेना अब भी प्रीडेटर ड्रोन का उपयोग करती है। अमेरिकी सेना ने कहा कि इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं हुआ। इस बीच कुवैत ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने ड्रोन और मिसाइल हमलों को रोकने के लिए सोमवार तड़के कार्रवाई शुरू कर दी। ईरान के सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए की खबर के अनुसार, ईरानी अर्द्धसैन्य बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने एक बयान में बताया कि अमेरिकी बलों ने एक द्वीप पर दूरसंचार टावर को निशाना बनाया। 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने कहा कि उसने जवाबी हमला किया लेकिन यह नहीं बताया कि हमला कहां किया गया। इससे पहले, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सलाहकारों से शुक्रवार को मुलाकात की थी लेकिन उन्होंने अभी यह तय नहीं किया है कि युद्धविराम की अवधि बढ़ाने और जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के समझौते पर आगे बढ़ना है या नहीं। ईरान ने कहा है कि समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। ट्रंप ने सोमवार तड़के अपने 'ट्रुथ सोशल' मंच पर एक पोस्ट में लिखा, ''ईरान सचमुच समझौता करना चाहता है और यह अमेरिका एवं हमारे साथ खड़े देशों के लिए अच्छा समझौता होगा।

कुवैत की वायु रक्षा प्रणाली ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोका

कुवैत, (वार्ता)

कुवैत की वायु सेना ने देश को लक्ष्य बनाकर दागी गयी ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों को रोक दिया है। यह घटनाक्रम सप्ताहांत में ईरानी सैन्य ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है कुवैती सेना के जनरल स्टाफ ने यह जानकारी दी है।

जनरल स्टाफ ने सोमवार को एक बयान में कहा, फिलहाल, कुवैती वायु रक्षा प्रणालियाँ दुश्मन की मिसाइलों और ड्रोन हमलों को रोक रही हैं। जनरल स्टाफ ने निवासियों से सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। यह घोषणा तब की गयी जब अमेरिका ने कहा कि उसने आत्मरक्षा और क्षेत्रीय शिपिंग मार्गों की सुरक्षा का हवाला देते हुए गोरुक और केशम द्वीप पर स्थित ईरानी रडार और ड्रोन कमांड-एंड-कंट्रोल सुविधाओं पर हमला किया है। गौरतलब है कि कुवैत में अमेरिका का एक बड़ा सैन्य अड्डा स्थित है।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने जवाबी कार्रवाई करते हुए एक अमेरिकी अड्डे को निशाना बनाया है। आरोप है कि इस अड्डे का इस्तेमाल होर्मोज़गान प्रांत में ईरान के सीरिक द्वीप पर हमले करने के लिए किया गया था। आईआरजीसी ने कहा कि उसने पहले से तय किए गए उन ठिकानों पर हमला किया है, जिनका संबंध सीरिक द्वीप पर स्थित एक दूरसंचार टावर पर हुए अमेरिकी हमले से था। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस कार्रवाई के ज़रिए उसके सभी निर्धारित लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिए गए हैं। इस बल ने चेतावनी दी कि अमेरिका द्वारा की जाने वाली किसी भी और सैन्य कार्रवाई का जवाब पूरी तरह से अलग तरीके से दिया जाएगा।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने तेहरान की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को उन क्षेत्रीय ठिकानों और संपत्तियों पर जवाबी हमले करने का पूरा अधिकार है, जिनका इस्तेमाल उसके देश पर हमले करने के लिए किया जाता है।

श्री बघाई सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी देशों का यह एक स्थापित कानूनी दायित्व है कि वे अपने क्षेत्र या संपत्तियों का इस्तेमाल किसी अन्य देश पर आक्रमण करने के लिए न होने दें। उन्होंने यूरोपीय संघ पर चुनिंदा नैतिक आक्रोश दिखाने का आरोप लगाते हुए, ईरान की कार्रवाई की आलोचना को पाखंडपूर्ण और गैर-ज़िम्मेदाराना करार दिया। इससे पहले, यूरोपीय संघ ने कुवैत पर हुए कथित ईरानी हमलों की निंदा करते हुए कहा था कि ये हमले कुवैत की संप्रभुता का उल्लंघन हैं और इनसे क्षेत्रीय सुरक्षा तथा स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

भाजपा की नीतियों से खेती घाटे का सौदा बनी : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, (वार्ता)

हरियाणा में सिरसा सीट से सांसद कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों के कारण खेती किसानों के लिए घाटे का सौदा बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरा नहीं हुआ, जबकि खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और कृषि उपकरणों की कीमतों में लगातार वृद्धि से खेती की लागत बढ़ी है।

कुमारी सैलजा ने यहां एक बयान में कहा कि हाल ही में एनपीके और पोटाश जैसे उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी से किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उनके अनुसार, खेती के लिए आवश्यक संसाधनों के महंगे होने से किसानों की परेशानियां बढ़ी हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों को राहत देने के लिए कृषि आदानों की कीमतों पर नियंत्रण, डीजल पर राहत तथा फसलों के लिए लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने केंद्र सरकार से उर्वरकों की बढ़ी हुई कीमतें वापस लेने और किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने की मांग की। वह कांग्रेस किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाती रही हैं और आगे भी किसानों के अधिकारों के लिए आवाज उठाती रहेंगी।

तीन तलाक बोलने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पति के खिलाफ मुकदमा

हरिद्वार, (वार्ता)। उत्तराखंड में हरिद्वार के सिडकुल थाना पुलिस ने सोमवार को एक मुस्लिम महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ तीन तलाक बोलने, गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ज्वालापुर क्षेत्र के मोहल्ला कस्साबान निवासी एक महिला ने 30 मई को कोतवाली सिडकुल में शिकायत दर्ज कराई। महिला का आरोप है कि उसके पति शमशाद पुत्र जहूर हसन निवासी मोहल्ला झोझगान, थाना पुरकाजी, जनपद मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) ने उसका रास्ता रोककर अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि पति ने उसके सामने तीन बार तलाक शब्द का उच्चारण किया।

शिकायत के आधार पर कोतवाली सिडकुल पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना महिला उपनिरीक्षक मनीषा नेगी द्वारा की जा रही है। जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सीबीएसई विवाद में प्रधान इस्तीफा दें या उन्हें तत्काल पद से हटाएं मोदी :कांग्रेस

नयी दिल्ली, (वार्ता)

कांग्रेस ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली की खामियों को देश के शिक्षा इतिहास की सबसे बड़ी संस्थागत विफलता बताते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इसके लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए अन्यथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन्हें तत्काल हटा देना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के शासन में देश की शिक्षा व्यवस्था लगातार कमजोर हुई है। सीबीएसई, नीट, यूजीसी-नेट और सीयूईटी जैसे मामलों ने देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्री खेड़ा ने यह भी आरोप लगाया कि सीबीएसई ने डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली लागू करने से पहले शिक्षकों और विशेषज्ञों की गंभीर चेतावनियों को नजरअंदाज किया। उनके अनुसार परीक्षण के दौरान दर्जनों तकनीकी कमियां सामने आई थीं, लेकिन इसके बावजूद प्रणाली को जल्दबाजी में लागू कर दिया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि हजारों छात्रों को धुंधली, अधूरी अथवा गलत तरीके से स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं मिलीं और बड़ी संख्या में उत्तर पुस्तिकाओं को दोबारा स्कैन तथा मैनुअल मूल्यांकन के लिए भेजना पड़ा।

उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया के दौरान तकनीकी मानकों, स्कैनिंग गुणवत्ता और पात्रता संबंधी नियमों को कमजोर किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए हैं। उनका कहना था कि डिजिटल प्रणाली में सुरक्षा संबंधी गंभीर खामियां भी सामने आईं, जिनसे छात्रों के डेटा और परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है।

उन्होंने कहा कि यह संकट केवल सीबीएसई तक सीमित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में नीट, यूजीसी-नेट, सीएसआईआर-नेट, नीट-पीजी, सीयूईटी, जेईई मेन तथा अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, तकनीकी गड़बड़ियों और प्रशासनिक विफलताओं के कारण करोड़ों छात्र प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार छात्रों की आवाज उठा रहे हैं और परीक्षा प्रणाली से जुड़े मामलों में जवाबदेही की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार छात्रों की चिंता का समाधान करने के बजाय अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रही है।

जनसमस्याओं का समयसीमा में निपटारा करें, देरी पर तय हो जवाबदेही : योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनदर्शन में प्रदेशभर से आए लोगों की शिकायतें सुनीं और समयसीमा में निस्तारण के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राजस्व और पुलिस से जुड़ी शिकायतों का निपटारा निर्धारित अवधि में हो, और बिना वजह देरी होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए।

जनदर्शन में मुख्यमंत्री ने राजस्व और पुलिस मामलों के आवेदन संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए कहा कि लंबित राजस्व मामलों का निपटारा तय समय में हो। छह महीने से अधिक समय से लंबित मामलों की समीक्षा कर बिना उचित कारण देरी पाए जाने पर कार्रवाई की जाए।

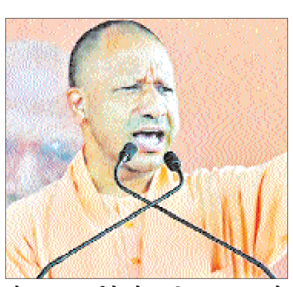

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि जरूरतमंद को समय पर मदद और समाधान मिले। अधिकारियों को संवेदनशीलता से काम करने, बिना भेदभाव न्याय दिलाने, पात्रों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने और जरूरतमंदों को उचित इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। कुछ बच्चों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने को कहा। हापुड़ की कक्षा 7 की एक छात्रा ने परिवार की आर्थिक दिक्कत और पढ़ाई जारी रखने में चुनौती बताई तो मुख्यमंत्री ने कहा, बेटी, तुम बस पढ़ाई पर ध्यान दो, बाकी हम पर छोड़ दो। उन्होंने अभिभावक से कहा कि शिक्षित बच्चा मजबूत भारत की नींव है और अधिकारियों से संपर्क कर बच्चों की पढ़ाई जारी रखने में मदद करने को कहा।

जॉर्जिया में लोगों के लिए खोला गया जोसेफ स्टालिन का तहखाना

नई दिल्ली

तिबिलिसी की सड़कों के बहुत नीचे, भारी दरवाजों और सालों की खामोशी के पीछे एक ऐसा संग्रह मौजूद है जिसे बहुत कम लोगों ने देखा है। धूल से ढकी बोतलें। धुंधले लेबल। पत्थर की छतों से लटकते जाले और एक ऐसी कहानी जो 20वीं सदी की सबसे विवादित हस्तियों में से एक से जुड़ी है। दशकों तक सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन से जुड़ा वाइन का एक विशाल संग्रह आम लोगों की नजरों से काफी हद तक छिपा रहा। अब जॉर्जियाई सरकार ने पहली बार इस तहखाने को खोला है, जिसमें दुर्लभ फ्रेंच और जॉर्जियाई वाइन की लगभग 40,000 बोतलें सामने आई हैं।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से कुछ बोतलें कथित तौर पर 200 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। इस कदम ने संग्रहकर्ताओं, इतिहासकारों और वाइन के शौकीनों सभी के बीच दिलचस्पी जगा दी है। इसको लेकर एक दिलचस्प सवाल भी खड़ा होता है कि आखिर उस तहखाने के अंदर ठीक-ठीक क्या छिपा है, जिसे एक ऐसे व्यक्ति ने तैयार किया था जिसका नाम आज भी दुनिया के बड़े हिस्से में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा करता है? इस हफ्ते इस अंडरग्राउंड तहखाने में प्रवेश करने वाले आगंतुकों का स्वागत एक ऐसे दृश्य ने किया जिस पर आधुनिक जीवन का कोई असर नहीं दिखता। पुरानी बोतलें दूर तक फैली हुई हैं। कई बोतलों के लेबल धूल से ढके हैं, जिनमें से कुछ तो मुश्किल से ही पढ़े जा सकते हैं।कहा जाता है कि वहां की हवा में एक मीठी और मिट्टी जैसी महक घुली हुई है जो अक्सर पुराने वाइन तहखानों से जुड़ी होती है। माना जाता है कि इस संग्रह में सोवियत संघ के दौर में जमा की गई कुछ बेहतरीन वाइन शामिल हैं। फ्रेंच विंटेज वाइन जॉर्जियाई वाइन के साथ रखी है जो शाही पसंद और स्टालिन के अपनी मातृभूमि से गहरे जुड़ाव, दोनों को दर्शाती है।

जॉर्जिया लंबे समय से खुद को वाइन की जन्मभूमि के तौर पर बढ़ावा देता रहा है। पुरातत्विक सबूतों से पता चलता है कि इस इलाके के लोग करीब 8,000 सालों से वाइन बना रहे हैं। यह इतिहास इस खोज में एक और दिलचस्प पहलू जोड़ता है। यह तहखाना खुद किसी म्यूजियम के उस नमूने जैसा लगता है, जो गलती से कई पीढ़ियों तक बंद पड़ा रहा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस वाइन कलेक्शन के पीछे की कहानी शाही रूस के जमाने से जुड़ी है। इस तहखाने का कुछ हिस्सा असल में रोमानोव राजवंश का था। फ्रांस की मशहूर वाइन एस्टेट्स से वाइन जार अलेक्जेंडर ने जमा की थीं और बाद में उनके बेटे निकोलस ने 1917 की रूसी क्रांति के बाद सब कुछ बदल गया। शाही कलेक्शन को सोवियत सरकार ने जब्त कर लिया। समय के साथ यह स्टालिन की देखरेख में आ गया। इतिहासकारों का मानना है कि सोवियत नेता को वाइन में खुद दिलचस्पी थी और उन्होंने धीरे-धीरे इस तहखाने को जॉर्जिया की वाइन से भर दिया। यहीं 1878 में उनका जन्म हुआ था।

स्टालिन ने 1924 से लेकर 1953 में अपनी मौत तक सोवियत संघ की बागडोर संभाली। उनके शासन ने देश को पूरी तरह बदल दिया, लेकिन साथ ही यह दमन, सफाया अभियानों और बड़े पैमाने पर लोगों की तकलीफों से भी जुड़ गया।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

स्वरों की मधुर साधिका सुमन कल्याणपुर : छह दशक तक संगीत प्रेमियों के दिलों पर किया राज

हिंदी फिल्म संगीत के स्वर्णिम दौर की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर ने अपनी मधुर, कोमल और भावपूर्ण आवाज से भारतीय संगीत जगत में विशिष्ट पहचान बनाई है। लगभग छह दशक लंबे अपने संगीत सफर में उन्होंने हजारों गीतों को स्वर देकर श्रोताओं के दिलों में अमिट स्थान बनाया।सुमन कल्याणपुर का जन्म 28 जनवरी 1937 को तत्कालीन ब्रिटिश भारत के ढाका में हुआ था, जो अब बांग्लादेश में स्थित है। उनका जन्म नाम सुमन हेम्माडी था। उनके पिता शंकर राव हेम्माडी कर्नाटक के उडुपी जिले के कुंडापुर तालुक स्थित हेम्माडी गांव के एक सारस्वत ब्राह्मण परिवार से थे। वे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में उच्च पद पर कार्यरत थे और लंबे समय तक ढाका में पदस्थ रहे।उनकी माता सीता हेम्माडी थीं। परिवार में कुल पाँच बहनें और एक भाई था, जिनमें सुमन सबसे बड़ी थीं। वर्ष 1943 में उनका परिवार मुंबई आ गया, जहाँ उनकी शिक्षा और संगीत प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। सुमन को बचपन से ही चित्रकला और संगीत में गहरी रुचि थी। उन्होंने मुंबई के प्रसिद्ध सेंट कोलंबा हाई स्कूल से शिक्षा प्राप्त की और आगे चलकर प्रतिष्ठित सर जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स में चित्रकला की पढ़ाई के लिए प्रवेश लिया। इसी दौरान उन्होंने पुणे के प्रभात फिल्म्स के संगीत निर्देशक और पारिवारिक मित्र पंडित केशवराव भोले से शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने उस्ताद अब्दुल रहमान खान और गुरु मास्टर नवरंग से भी संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनकी छोटी बहन श्यामा हेम्माडी भी एक गायिका थीं।

सुमन कल्याणपुर ने वर्ष 1952 में ऑल इंडिया रेडियो पर पहली बार सार्वजनिक गायन किया। इसके बाद वर्ष 1953 में उन्हें मराठी फिल्म शुक्राची चांदणी में गीत गाने का अवसर मिला।हिंदी फिल्मों में उनकी शुरुआत वर्ष 1954 में फिल्म मंगू से मानी जाती है, जिसमें उनका गीत कोई पुकारे धीरे से तुझे शामिल था। इसी वर्ष उन्होंने फिल्म दरवाजा में संगीतकार नौशाद के निर्देशन में कई गीत गाए, जिसे उनकी शुरुआती हिंदी फिल्मों में प्रमुख माना जाता है।उनका पहला युगल गीत महान गायक तलत महमूद के साथ फिल्म दरवाजा में रिकॉर्ड किया गया था, जिसने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में पहचान दिलाई। कहा जाता है कि एक संगीत समारोह में तलत महमूद उनकी गायकी से अत्यंत प्रभावित हुए थे और उन्होंने ही उन्हें फिल्मी दुनिया में अवसर दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उस समय हिंदी फिल्म संगीत पर लता मंगेशकर , आशा भोसले और अन्य दिग्गज गायिकाओं का दबदबा था, लेकिन सुमन कल्याणपुर ने अपनी अलग पहचान बनाई। सुमन कल्याणपुर की आवाज़ की तुलना अक्सर प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर से की जाती रही है, क्योंकि उनकी गायकी की शैली और स्वर-गुण काफी हद तक लता मंगेशकर की तरह ही मानी जाती थी। उनके कई गीत इतने समान स्वर-शैली में थे कि श्रोता उन्हें लता मंगेशकर के गीत समझ लेते थे। हालांकि स्वयं सुमन कल्याणपुर इस

तुलना को लेकर कई बार असहज भी रहीं। उन्होंने एक बार कहा था कि वे लता मंगेशकर से बहुत प्रभावित थीं और कॉलेज के दिनों में उन्हीं के गीत गाया करती थीं। उनके अनुसार उनकी आवाज़ स्वभाव से कोमल और पतली थी, और उस समय रेडियो प्रसारणों में कलाकारों के नाम भी अक्सर घोषित नहीं किए जाते थे, जिससे और अधिक भ्रम पैदा होता था। सुमन कल्याणपुर ने महान गायिका लता मंगेशकर के साथ युगल गीत कभी आज, कभी कल, कभी परसों गाया, जिसका संगीत निर्देशन हेमंत कुमार ने किया था। उन्होंने कई प्रसिद्ध पुरुष गायकों के साथ भी यादगार युगल गीत रिकॉर्ड किए, जिनमें किशोर कुमार , मोहम्मद रफ़ी , मन्ना डे , मुकेश , तलत महमूद और हेमंत कुमार शामिल हैं।उनके मोहम्मद रफी के साथ गाए गए प्रमुख युगल गीतों में आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे, ना ना करते प्यार, तुमसे ओ हसीना, रहें ना रहें हम, परबतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है, अजहूं न आए बालमा, तुमने पुकारा और हम चले आए, बहुत मुदत के ये घड़ी आई, मुझे यह भूल ना, दिल ने फिर याद किया, तुझको दिलबरी की कसम और चांद तकता है इधर शामिल हैं। मन्ना डे के साथ उन्होंने संगीतकार दत्ताराम के निर्देशन में लोकप्रिय गीत ना जाने कहाँ हम थे गाया। वहीं मुकेश के साथ उनके कई लोकप्रिय युगल गीत रहे, जैसे ये किसने गीत छेड़ा, अखियों का नूर है तू, मेरा प्यार भी तू है, दिल ने फिर याद किया और शमा से कोई कह दे।इसके अलावा सुमन कल्याणपुर ने शास्त्रीय आधार वाले कई यादगार गीत भी गाए, जिनमें मनमोहन मन में हो तुम्हीं, मेरे संग गा गुनगुना और गिर गई रे मोरे माथे की बिंदिया शामिल हैं। वर्ष 1958 में सुमन कल्याणपुर का विवाह मुंबई के व्यवसायी रमणंद कल्याणपुर से हुआ। विवाह के बाद उनका नाम सुमन हेम्माडी से बदलकर सुमन कल्याणपुर हो गया। विवाह के बाद भी उन्होंने अपने संगीत करियर को जारी रखा और परिवार व कला के बीच संतुलन बनाए रखा।उनकी एक पुत्री चारु अग्नी हैं, जो अमेरिका में रहती है। सुमन कल्याणपुर को उनके योगदान के लिए महाराष्ट्र सरकार का लता मंगेशकर पुरस्कार और कई सम्मान प्राप्त हुए। वर्ष 2023 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया।अपने करियर में 740 से अधिक फिल्मी गीत और हजारों गैर-फिल्मी गीत गाकर सुमन कल्याणपुर ने भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उनकी आवाज की मिठास, शास्त्रीय आधार और भावपूर्ण गायकी ने उन्हें भारतीय फिल्म संगीत इतिहास में अमर स्थान दिलाया।आज भी उनके गीत रेडियो, टेलीविजन और डिजिटल मंचों पर समान रूप से लोकप्रिय हैं और उनकी संगीत यात्रा भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर मानी जाती है। सुमन कल्याणपुर का निधन 31 मई 2026 को मुंबई, महाराष्ट्र में 89 वर्ष की आयु में हुआ। वे लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। उनके निधन की खबर से पूरे संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

शक्ति शालिनी में अपने किरदार के लिए वज़न बढ़ा रहे हैं विशाल जेठवा!

अभिनेता विशाल जेठवा इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट के लिए एक बड़े शारीरिक बदलाव पर काम कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग वह फिलहाल कर रहे हैं। इस तैयारी के तहत वह नियमित वर्कआउट, संतुलित डाइट और अनुशासित जीवनशैली का पालन कर रहे हैं।विशाल जेठवा के करीबी सूत्रों के अनुसार, विशाल अपने किरदार के लिए लगातार ट्रेनिंग कर रहे हैं और शरीर को अधिक मज़बूत व भारी बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार , यह तैयारी फिल्म शक्ति शालिनी के लिए है, जिसमें उनके किरदार के लिए वज़न बढ़ाना और मस्कुलर लुक अपनाना ज़रूरी है। पिछले कुछ महीनों में उनका यह बदलाव साफ तौर पर नज़र आने लगा है, जो उनकी मेहनत और समर्पण को दर्शाता है। फिटनेस और अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए विशाल ने कहा, बेहतरीन फिटनेस हासिल करना कभी आसान नहीं होता। लोग अक्सर सिर्फ शारीरिक बदलाव देखते हैं, लेकिन इसके पीछे बहुत अनुशासन, मानसिक मज़बूती और भावनात्मक समर्पण होता है। मैं 'नो पेन, नो गेन' में विश्वास करता हूं, क्योंकि बदलाव तभी आता है जब आप हर दिन खुद को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हों, चाहे दिन कितना भी मुश्किल क्यों न हो। उन्होंने कहा, मेरे लिए फिटनेस सिर्फ दिखावे तक सीमित नहीं है। यह मानसिक मज़बूती और निरंतरता विकसित करने का भी एक तरीका है। जब आप किसी खास चीज़ की तैयारी कर रहे होते हैं, तो आपकी दिनचर्या का हर हिस्सा महत्वपूर्ण होता है – वर्कआउट, डाइट, आराम और आपकी सोच। मैं नियमित रूप से ट्रेनिंग कर रहा हूं और पूरी तरह अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किए हुए हूं।

ग्राम पंचायत की मनमानी से विवादित स्थान पर निरंतर हो रहा निर्माण

करेली (स्वतंत्र मत)।

ग्राम पंचायत गरह में सामुदायिक भवन निर्माण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज कराई थी, वहीं दो बार निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाने से अब ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और सचिव जिला अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी करते हुए मनमाने ढंग से कार्य कर रहे हैं।

विरोध पर रुकवाया था काम

जानकारी के अनुसार 24 मार्च को ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सामुदायिक भवन का निर्माण अस्पताल के पास कराने का विरोध किया था। इसके बाद जनपद स्तर से निर्माण कार्य को बिना जांच रोका गया था। जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा 27 अप्रैल को सामुदायिक भवन का स्थान परिवर्तन करने के लिए विभागीय पत्राचार भी किया गया था। इसके बावजूद करीब दो माह बाद फिर उसी विवादित स्थान पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित स्थल के आसपास उप स्वास्थ्य केंद्र है, जिससे भविष्य में बच्चों की सुविधाएं प्रभावित होंगी। च्सामुदायिक कार्यक्रमों से प्रदूषण एवं शोर-शराबा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।ज् वहीं निर्माण एजेंसी ने पंचायत क्षेत्र में सरकारी कब्जा क्रमांक 249/1 एवं 249/2 में निर्माण की अनुमति होने की बात कही है, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थान उपयुक्त नहीं है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर सामुदायिक भवन को किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है। उनका कहना है कि वर्तमान स्थान पर भवन बनने से अस्पताल के संचालन में दिक्कतें आएंगी।

मरीजों की सुविधाएं प्रभावित होंगी

ग्रामीणों के अनुसार अस्पताल के पास सामुदायिक भवन बनने से मरीजों को परेशानी होगी। कार्यक्रमों के दौरान भीड़भाड़ और ध्वनि प्रदूषण बढ़ेगा, जिससे इलाज प्रभावित हो सकता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में जल्दबाजी के चलते कई अनियमितताएं हुई हैं। निर्माण सामग्री एवं मापदंडों को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

आपत्ति के बावजूद नहीं रोका गया कार्य

ग्राम सचिव का कहना है कि आपत्ति के बावजूद निर्माण कार्य रोका नहीं गया, क्योंकि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी हैं। वहीं जनपद पंचायत के अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य पंचायत के प्रस्ताव के आधार पर किया जा रहा है। ग्राम के पंच संजीव कोरी, जीवन काछी, अल्ताफ शिक्षक सहित ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत से विरोध जताते हुए कहा कि अस्पताल के समीप सामुदायिक भवन निर्माण उचित नहीं है। उनका कहना है कि गांव में अन्य उपयुक्त स्थान उपलब्ध हैं। विवादित जगह सामुदायिक भवन निर्माण को लेकर लगातार ज्ञापन व शिकायत है विभागीय पत्राचार किया जा रहा है, जिसके बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना कैंप आज

करेली (स्वतंत्र मत)।

असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से नगर पालिका करेली द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना के तहत विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप आज 2 जून मंगलवार को पंडित महादेव प्रसाद तिवारी भवन, राम वार्ड में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। इस योजना का लाभ असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को दिया जाएगा। इसमें रेहड़ी-पटरी पर दुकान लगाने वाले, रिक्शा चालक, फेरीवाले, स्वयं का छोटा व्यवसाय करने वाले और अन्य असंगठित कामगार शामिल हो सकते हैं। इच्छुक पात्र व्यक्ति कैंप में पहुंचकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। योजना के तहत 18 से 40 वर्ष आयु के व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। पंजीयन के बाद लाभार्थी द्वारा 60 वर्ष की आयु तक अंशदान जमा किया जाएगा, जिसके बाद 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर प्रतिमाह 3000 रुपये पेंशन प्राप्त होगी। यदि पेंशनधारक की मृत्यु हो जाती है तो उसके पति या पत्नी को पेंशन का 50 प्रतिशत पारिवारिक पेंशन के रूप में दिया जाएगा। योजना की पात्रता शर्तें में आयु 18 से 40 वर्ष के बीच हो, मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम हो, आधार कार्ड अनिवार्य हो, बैंक में बचत खाता होना जरूरी हो। योजना हेतु बैंक पासबुक, आधार कार्ड, समग्र आईडी, ई-श्रम कार्ड दस्तावेज लाना होंगे। नगर पालिका ने पात्र असंगठित कामगारों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर कैंप में पहुंचकर योजना का लाभ लेने के लिए अपना पंजीयन कराएं।

करेली में 3 जून को दिव्यांगजन सहायता शिविर

निशुल्क मिलेंगे कृत्रिम हाथ-पैर एवं कैलिपर्स

करेली। एस.आर. ट्रस्ट एलिमको के माध्यम से नि:शुल्क दिव्यांगजन सहायता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन 03 जून 2026, बुधवार को पंडित महादेव प्रसाद तिवारी भवन, राम वार्ड, करेली में किया जाएगा। शिविर में दिव्यांगजनों का चिन्हांकन कर उन्हें आवश्यकता अनुसार ऑन द स्पॉट कृत्रिम हाथ-पैर एवं कैलिपर्स नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे। शिविर का समय प्रात: 10 बजे से सायंकाल 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। आयोजन का उद्देश्य ऐसे दिव्यांगजनों को सहायता प्रदान करना है जिनके हाथ या पैर का कोई हिस्सा कट गया हो अथवा जिन्हें पोलियो या अन्य बीमारी से चलने-फिरने में कठिनाई होती हो। पात्र हितग्राहियों को आवश्यक परीक्षण के बाद सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों को अपने साथ दिव्यांगता प्रमाण पत्र (40 प्रतिशत या अधिक) अथवा यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड की छायाप्रति, दो पासपोर्ट आकार के फोटो, बीपीएल/राशन कार्ड अथवा आय प्रमाण पत्र तथा समग्र आईडी की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में गिरदावरी का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करने का लक्ष्य

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में गिरदावरी का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करने का लक्ष?य रखा गया है। जिससे मूंग एवं उड़द फसल के लिए किसानों का पंजीयन सुचारू रूप से किया जा सके। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में वर्तमान में जायद सीजन (वर्ष 2026-27) के लिए गिरदावरी का कार्य 21 मई 2026 से प्रारंभ हो चुका है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने समीक्षा कर सभी एसडीएम को गिरदावरी का कार्य एक सप्?ताह पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक 49 हजार 878 खसरों का क्षेत्रफल 45,827.941 हेक?टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण हो चुका है। सभी एसडीएम/ तहसीदार को गिरदावरी के कार्य की समीक्षा प्रतिदिन करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अमले को निर्देश दिए कि वे मैदानी स्तर पर मुस्तैदी से कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत गिरदावरी का कार्य सुनिश्चित करें, ताकि उपार्जन के लिए पंजीयन कराने में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पटवारी और राजस्व निरीक्षक खेतों में पहुंचकर सर्वे का कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि जिले में मूंग एवं उड़द फसलों के उपार्जन के लिए पंजीयन का कार्य 25 मई 2026 से प्रारंभ हो चुका है। इस पंजीयन प्रक्रिया में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े, इसी उद्देश्य से गिरदावरी के कार्य को समय में पूरा किया जा रहा है। गिरदावरी समय पर होने से पात्र किसानों का डेटा पोर्टल पर तुरंत अपडेट होगा और पंजीयन कार्य पूरी तरह सुचारू रहेगा।

मंत्री उदय प्रताप सिंह की पहल से साईखेड़ा को मिली बड़ी सौगात

4 नए डीपी ट्रांसफार्मर एवं केबल सुधारीकरण कार्य शुरू

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर की विद्युत व्यवस्था को मजबूत एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की पहल पर महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ किया गया है। नगर के वार्ड क्रमांक 1, 5, 8 एवं 15 में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए 4 नए डीपी ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही विद्युत केबल सुधारीकरण के लिए स्वीकृत 10 लाख रुपये की राशि से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। रविवार को वार्ड स्थित खिरका मोहल्ला में नई हैवी विद्युत केबल लाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। लंबे समय से इस क्षेत्र के नागरिक बिजली के जर्जर तारों के कारण परेशान थे। आए दिन तार टूटने की घटनाएं होने से न केवल विद्युत आपूर्ति बाधित होती थी, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता था। क्षेत्रवासियों द्वारा इस समस्या की शिकायत नगर परिषद एवं विद्युत विभाग से लगातार की जा रही थी।

माननीय मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के प्रयासों से स्वीकृत इस कार्य के शुरू होने पर नागरिकों ने राहत की सांस ली है। नए डीपी ट्रांसफार्मरों की स्थापना से संबंधित वार्डों में ओवरलोडिंग की समस्या समाप्त होगी, जिससे बार-बार होने वाले विद्युत व्यवधानों में कमी आएगी। वहीं नई हैवी केबल लाइन से विद्युत

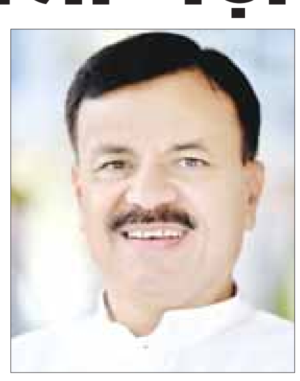

व्यवस्था अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनेगी। जानकारी के अनुसार नगर के मुख्य मार्गों एवं आवश्यकता वाले क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से नवीन केवलीकरण का कार्य विद्युत विभाग द्वारा किया जाएगा, जिससे पूरे नगर की विद्युत व्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री सचिन अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री कीरत सिंह पटेल, नगर परिषद सभापति एवं पार्षद श्री ओमप्रकाश पटेल तथा भाजपा कार्यकर्ता श्री मनजीत पटेल उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आगे भी विकास कार्यों की गति बनी रहेगी।

क्षेत्र के नागरिकों ने माननीय मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी तत्परता एवं जनहितैषी सोच के कारण नगर की वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव हो रहा है। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों के माध्यम से नगर को नई सौगातें मिलती रहेंगी।

केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में बंदियों को आध्यात्मिक ज्ञान और योग प्रशिक्षण दिया गया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में 22 मई से 29 मई तक आर्ट ऑफ लिविंग संस्था नरसिंहपुर के योग प्रशिक्षक श्री अरविंद कुमार शर्मा के द्वारा बंदियों को आध्यात्मिक ज्ञान और योग प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें 30 बंदी नामांकित होकर आध्यात्मिक ज्ञान और योग प्रशिक्षण से लाभांवित हुए। जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक साधनों के माध्यम से जेल में निरूद्ध बंदियों को अपराध से मुक्ति, उनकी आत्मिक अवधारणाओं, अंतर्मुखी विकास, शांति को अनुभव करने, तनाव को कम करने और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन को प्रोत्साहित करना है। योग गुरू द्वारा बंदियों को योग के महत्व को समझाते हुए बताया गया कि मानव मस्तिष्क को प्रफुल्लित होना, मानव तन को स्वस्थ रखने तथा सभी क्रियाओं पर नियंत्रण करने के लिए आध्यात्मिक योग अति महत्वपूर्ण एवं लाभकारी है। जीवन में योग को उचित स्थान देते हुए प्रतिदिन योगाभ्यास करना चाहिए। उक्त कार्यक्रम में जेल अधीक्षक श्री अजमेरसिंह ठाकुर, उप जेल अधीक्षक श्री नरेन्द्र कुमार व्यास, सहायक जेल अधीक्षक श्री आशीष खरे, श्री एडवर्ड स्वामी, श्री देवेन्द्र मांझी, शिक्षक श्री बंशपति पटेल, श्री अजीत धुर्वे सहित जेल स्टाफ मौजूद था।

कानूनगो 2 जून को जिले का भ्रमण कर बैठक लेंगे

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली के माननीय सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो 02 जून 2026 को जिले के भ्रमण पर रहेंगे। आप दोपहर 03ञ्30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक लेंगे। इस निर्धारित भ्रमण का उद्देश्य मानवाधिकार और समावेशी विकास से संबंधित प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में क्रियान्वयन की स्थिति और जमीनी हकीकतों की व्यापक समीक्षा करना है।

गोटेगांव में कृत्रिम हाथ-पैर के लिए चिन्हांकन/ नि:शुल्क वितरण शिविर का आयोजन हुआ

शिविर में 42 दिव्यांगजन हुए लाभांवित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में एस.आर. ट्रस्ट एल्मिकों के माध्यम से एडिप योजना के अंतर्गत जिले के ऐसे दिव्यांगजन, जिनके हाथ या पैर नहीं है, उन्हें ऑन द स्पॉट एवं कृत्रिम हाथ-पैर (उन्नत तकनीकी से तैयार) का चिन्हांकन/ निन्शुल्क वितरण

शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में एस.आर. ट्रस्ट और एल्मिकों के माध्यम से एडिप योजनांतर्गत दिव्यांगजनों को निन्शुल्क कृत्रिम हाथ-पैर का वितरण किया गया। यह कृत्रिम हाथ-पैर उन्नत तकनीकी से तैयार किए गए हैं। इस शिविर के माध्यम से गोटेगांव क्षेत्र के 42 दिव्यांगजन लाभांवित हुए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर युवाओं का उन्मुखीकरण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश वॉलेंटरी हेल्थ एसोसिएशन के सहयोग से सेतु संस्था नरसिंहपुर द्वारा ठाकुर निरंजन सिंह आई टी आई संस्थान में युवाओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सेतु संस्था सचिव सुमित दुबे ने तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों को प्रभावी रूप से लागू करने के बारे में बताया।उन्होंने कहा इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम नोकोटिन और तंबाकू की

लत के दुष्चक्र को तोड़ना रखी गई है। तंबाकू नियंत्रण केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व है। तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयास में युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होना होगा तभी हम समाज को तंबाकू मुक्त बना सकते है। आई टी आई संचालक राकेश राजपूत ने कहा जैसा कि महात्मा गांधी कहते थे, वास्तविक धन स्वास्थ्य है, न कि सोना-चांदी।

आइए हम अपने स्वास्थ्य को सर्वोपरि प्राथमिकता दें और तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में कार्य करें।अगले सत्र में मध्यप्रदेश वॉलेंटरी हेल्थ एसोसिएशन द्वारा निर्मित आई ई सी सामग्री का वितरण कर उस पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में संस्था स्टाफ व युवा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान और नर्मदा समृद्धि योजना के कार्यों की समीक्षा की

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान एवं नर्मदा समृद्धि योजना के अंतर्गत पौधरोपण कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने नर्मदा पथ पर हरित पट्टी निर्माण करने के लिए नर्मदा तट पर स्थित ग्रामों के शासकीय भू-खंडों और निजी खातेदारों की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि नर्मदा तट के जिन स्थानों पर पौधरोपण करने में कठिनाई हो, उन स्थानों पर सीड बाल द्वारा पौधरोपण किया जाएगा। आयोजित बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आयोजित बैठक में लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को प्रदाय की जाने वाली सेवाओं को समय-सीमा में प्रदाय करना सुनिश्चित करें। बैठक में जिले के किसानों के लिए खाद एवं उर्वरक की उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की गई। उन्होंने किसानों को नियमित रूप से खाद एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि अवैध खनिज का उत्खनन, परिवहन

एवं भंडारण करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। जिले में किसी भी प्रकार से खनिज का अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आयोजित बैठक में सी.एम. हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि सी.एम. हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण लेवल- 1 एवं लेवल- 2 पर ही हो जाना चाहिए। प्रकरणों का निपटारा करने के लिए लगातार शिकायतकर्ताओं से सम्पर्क कर शिकायत का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने शासन की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित करने और स्थानीय समस्याओं का निराकरण के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए। उक्त शिविर प्रत्येक जनपदों तक लगाए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों के आधार संबंधी समस्याओं का निराकरण करने के लिए नियमित रूप से आधार कैम्प लगाने के निर्देश दिए हैं। जिससे नागरिकों की आधार से संबंधित समस्याओं का निराकरण स्थानीय स्तर पर ही हो सके। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आयोजित बैठक में संबल योजनांतर्गत अनुग्रह सहायता प्रदान और संबल श्रमिकों के ई-केवायसी प्रकरणों की समीक्षा की।

उन्होंने आयोजित बैठक में एन.टी.पी.सी. के स्वीकृत कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक में इसी प्रकार से विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की।

प्रशासनिक इकाईयों के सुदृढ़ीकरण एवं जनोन्मुखीसुशासन पर अध्ययन के लिए आईआईपीए टीम ने किया नरसिंहपुर जिले का भ्रमण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मध्य प्रदेश प्रशासन इकाई पुनर्गठन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आई.आई.पी.ए.) की टीम ने नरसिंहपुर जिले में कलेक्टर कार्यालय सहित तहसील नरसिंहपुर, करेली एवं गाडरवारा के विभिन्न विकासखंडों का भ्रमण किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य प्रशासकीय इकाइयों की भौगोलिक परिस्थितियों का अध्ययन करते हुए जन अपेक्षाओं के अनुरूप जनोन्मुखी एवं सुलभ सुशासन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी प्राप्त करना था।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के साथ सोमवार को कलेक्टर चैम्बर में आई.आई.पी.ए. की टीम के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की प्रशासनिक इकाइयों की भौगोलिक परिस्थितियों, चुनौतियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती देवंती परते, संबंधित एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद करेली, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

(Main Road, Kareli Phone : 07793-270046 Email : cmokareli@mpurban.gov.in)

पत्र क्र. 1160 / ई-टेण्डर / 2026-27

निविदा सूचना

करेली दिनांक 29/5/2026

कार्यालय नगर पालिका परिषद, करेली द्वारा द्विलेखा प्रणाली के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये निकाय के लेखाओ की द्विलेखा प्रविष्ठी व अन्य संबंधित कार्य हेतू निविदा सूचना में वर्णित सूची अनुसार C&AG से पंजीकृत इच्छुक फर्म/सी.ए. से निविदा प्रपत्र-स अन्तर्गत ऑनलाईन दरें आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	निविदा सूचना आमंत्रण क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविद की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1.	प्रथम आमंत्रण	2026_UAD_511022_1 30/5/2026	Request for Proposal from Reputed Firms of Chartered Accountants for Accrual Based Double Entry Accounting and Preparation of Annual Financial Statements, and other related works for the Nagar Palika Parishad, Kareli	12 माह 500000.00	2000.00 50000.00	16/6/2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद करेली

सिंहस्थ महापर्व-2028 के लिए कटनी पुलिस की तैयारियां शुरू

डीआईजी जबलपुर रेंज अतुल सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)

वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ महापर्व को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार कटनी पुलिस द्वारा अभी से व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में 01 जून को जिला मुख्यालय कटनी में पुलिस बल के लिए 6 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप पुलिस महानिरीक्षक, जबलपुर रेंज अतुल सिंह एवं पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डीआईजी अतुल सिंह ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिंहस्थ महापर्व विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है, जहां देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु, संत-महात्मा एवं पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे विशाल आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में पुलिस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षण को गंभीरता से ग्रहण कर व्यवहारिक दक्षता विकसित करने पर बल दिया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को सिंहस्थ महापर्व के दौरान आने वाली चुनौतियों एवं व्यवस्थाओं के लिए पहले से तैयार करना है, ताकि बाहर से आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को पुलिस की ओर से सम्मानजनक व्यवहार, त्वरित सहायता एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। यह संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम टी.ओ.टी. मॉडल पर आधारित है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मास्टर ट्रेनर्स आगामी समय में जिले के समस्त पुलिस बल को निर्धारित 6 दिवसीय प्रशिक्षण मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षित करेंगे। इसके लिए विस्तृत प्रशिक्षण कैलेंडर, शिक्षण कौशल मॉडल एवं दिशा-निर्देश तैयार किए जा चुके हैं।

यातायात, आवासीय प्रबंधन एवं सॉफ्ट स्किल्स पर विशेष फोकस

प्रशिक्षण शिविर के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, आवासीय एवं लॉजिस्टिक प्रबंधन, आपदा एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया, श्रद्धालुओं से संवाद कौशल, सॉफ्ट स्किल्स, जनसंपर्क तथा सेवा भाव आधारित पुलिसिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया, यातायात प्रभारी निरीक्षक अनुप सिंह, रक्षित निरीक्षक संध्या राजपूत, निरीक्षक अखिलेश दाहिया सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारी प्रशिक्षण सत्रों के दौरान मार्गदर्शन एवं मॉनिटरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कटनी पुलिस अब होगी और अधिक हाईटेक विवेचना अधिकारियों को मिले आधुनिक टैबलेट

डिजिटल साक्ष्यों के संकलन, ई-विवेचना एवं अनुसंधान कार्यों में आएगी और अधिक गति एवं पारदर्शिता

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को आधुनिक, प्रभावी एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कटनी पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त टैबलेट जिले के विभिन्न थानों में पदस्थ विवेचना अधिकारियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे अनुसंधान कार्यों में तेजी, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। इसी क्रम में 01 जून 2026 को उप पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर रेंज अतुल सिंह द्वारा जिला कटनी के विवेचना अधिकारियों को टैबलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि पूर्व में प्राप्त 10 तथा नवीन प्राप्त 210 टैबलेट सहित कुल 220 टैबलेट कटनी पुलिस को प्राप्त हुए हैं, जिन्हें जिले के सभी थानों के विवेचना अधिकारियों को प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन आधुनिक उपकरणों का प्रभावी उपयोग करते हुए डिजिटल एवं अन्य प्रकार के साक्ष्यों का बेहतर संकलन, सुरक्षित संरक्षण एवं प्रबंधन सुनिश्चित करें तथा ई-विवेचना ऐप के माध्यम से अनुसंधान कार्यों को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं प्रभावी ढंग से संपादित करें। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को ऑनलाइन अनुसंधान, केस डायरी संधारण, डिजिटल साक्ष्यों के संरक्षण, साइबर अपराधों की विवेचना संबंधी तकनीकों एवं अन्य तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही गुणवत्तापूर्ण एवं वैज्ञानिक विवेचना के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष बल दिया गया। कटनी पुलिस द्वारा भविष्य में भी पुलिस बल को तकनीकी रूप से सक्षम, प्रशिक्षित एवं दक्ष बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे, जिससे आमजन को बेहतर एवं त्वरित पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

37 वर्ष की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत हुए प्राचार्य

कटनी (स्वतंत्रमत)

पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैलवाराकला प्राचार्य नरेंद्र प्रसाद गुप्ता के सेवानिवृत्ति के अवसर पर सेवा सम्मान समारोह का आयोजन विद्यालय प्रांगण में बड़े ही धूमधाम से आयोजित हुआ खुशी और गम के सममिश्रित वातावरण को आती गौरवशाली बनाने में विद्यालय के छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति व स्नेहिल उपस्थिति ने विशेष आकर्षण माहौल बनाया समारोह में मुख्य अतिथि सत्यनारायण अग्रहरी समाजसेवी, राजेंद्र प्रसाद असाटी व्याख्याता डाइट कटनी, मुकेश द्विवेदी डीपीसी दमोह, गुप्ता के परिवारजन संकुल क्षेत्र के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक जन शिक्षक शिक्षक शिक्षिकाओं के अनुभव व हार्दिक उदगार ने अपने प्राचार्य की सेवा पूर्णता की यात्रा को अति गौरवशाली व प्रेरणादाई बताया। विद्यालय परिवार ने व्यक्तित्व के विविध पक्षों एवं उपलब्धियों पर पर सकारात्मक प्रकाश डाला। व प्रत्यक्ष मार्गदर्शन के वियोग पर गहरी चिंता व्यक्त की। पूरे कार्यक्रम में अधिकारियों कर्मचारियों विद्यार्थियों सम्माननीय जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों व अभिभावकों की गरिमामय उपस्थित ने विद्यालय प्रांगण को भीषण गर्मी व तपन के बीच जीवटता का स्वरूप दिया। कार्यक्रम के मंच संचालन का सफल निर्वहन तबस्सुम कुरैशी मैडम द्वारा किया गया अभिनंदन पत्र का वाचन एवं भेंट विनोद गौतम, रामसहाय बर्मन एवं मेहरून निशा अंसारी द्वारा किया गया समारोह की रूपरेखा में मनमोहन बैरागी, अरुण पाल विनोद पंजवानी, की सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम में ललित कुमार दुबे, संदीप पुरवार, राकेश रंजन परौहा, देव सिंह मरावी, मधु पटेल, अंजू पटेल, संगीता ठाकुर, राधा गायके, किरण छीपा, श्रुतिका चौरावार, रीनू, मुन्नी पटेल, सिमरन प्रसाद, रोहित पटेल, धर्मदास गर्ग, सुनील सिंह, इंद्रभान पटेल, गीता पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक संवर्ग एवं परिजनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सुखद समापन पर प्रभारी प्राचार्य यशवंत सिंह नेगी द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन कर गुप्ता को सहर्ष गौरवपूर्ण विदाई दी गई।

प्रथम जीएच रायसोनी मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय फिडे रैपिड रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट सम्पन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी जिला शतरंज संघ, जी.एच. रायसोनी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रथम जी.एच. रायसोनी मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय फिडे रैपिड रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट का भव्य आयोजन होटल द अरिंदम कटनी में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ मुख्य अतिथि डॉ. एस.के. खम्परिया (पैट्रन, कटनी जिला शतरंज संघ) विशिष्ट अतिथि एस.एस. सोमन (ऑर्गेनाइजिंग कमेटी सदस्य), एवं भूषण श्रीवास (ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री एवं सचिव, कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन) विकास साहू ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी तथा कटनी जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष इंजी. जे.पी. निषाद की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। डॉ. एस.के. खम्परिया एवं एस.एस. सोमन द्वारा मुख्य बोर्ड पर प्रथम चाल चलकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए 278 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के खिलाड़ियों की उपस्थिति ने आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। मुख्य वर्ग (ओपन कैटेगरी) में झारखंड के 1796 रेटिंग प्राप्त खिलाड़ी अंकित कुमार सिंह ने 8.5 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा 31,000 की पुरस्कार राशि हासिल की। मध्य प्रदेश के मुरारीलाल कोरी ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 25,000 की पुरस्कार राशि प्राप्त की। वैभव तोमर तृतीय स्थान पर रहे और उन्हें 20,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। वैभव नेमा ने चतुर्थ स्थान प्राप्त कर 15,000 तथा हर्षित सराफ ने पंचम स्थान प्राप्त कर 10,000 की पुरस्कार राशि अर्जित की। षष्ठम स्थान पर रहे हरीश फुलवानी को 8000, सप्तम स्थान प्राप्त करने वाले शौर्य अंबुलकर को 7000, अष्टम स्थान प्राप्त करने वाले शुभम पारेता को 6000, नवम स्थान प्राप्त करने वाले विकास निषाद को 5000 तथा दशम स्थान प्राप्त करने वाले दीपक ग्रेवाल को 4000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। एकादश स्थान पर रहे केविन कपूर, द्वादश स्थान प्राप्त करने वाले नारायण राय, त्रयोदश स्थान प्राप्त करने वाले स्पर्श यादव, चतुर्दश स्थान प्राप्त करने वाले शेख जहां तथा पंद्रहवां स्थान प्राप्त करने वाले स्वराज मिश्रा को 3000-3000 की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य वर्ग के अतिरिक्त विभिन्न आयु वर्गों, रेटिंग वर्गों, वेटरन वर्ग एवं अन्य विशेष श्रेणियों में भी खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं ट्रॉफियां प्रदान की गईं। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस.के. खम्परिया एवं महापौर प्रीति संजीव सूरी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में टूर्नामेंट डायरेक्टर एडवोकेट मौसिफ अहमद बिट्टू, पार्षद रमेश सोनी, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री विकास साहू, दीपिका पांडे, डॉ. अक्षय गुप्ता, डॉ. निकिता गुप्ता, ईश्वरदास पुरवार तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में चीफ आर्बिटर हरि नारापुरम, डिप्टी चीफ आर्बिटर कंचना चौधरी तथा आर्बिटर के रूप में वंदना गेलानी, हर्षित श्रीवास्तव, नमन श्रीवास्तव, विवेक विश्वकर्मा, अंकित यादव, ओम सेठी एवं शिखा पलटा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन वंदना गेलानी द्वारा किया गया।

जिले में 2.18 लाख किसानों की बनी फार्मर आईडी

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और त्वरित रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फार्मर आईडी बनाने का अभियान तेजी से जारी है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत अब तक जिले के 2 लाख 18 हजार 984 किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की जा चुकी है। कलेक्टर ने शेष किसानों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने क्षेत्र के पटवारी, एमपी ऑनलाइन या सीएससी केंद्र से संपर्क कर अपनी यूनिक फार्मर आईडी बनवाएं, ताकि शासकीय योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त किया जा सके। जिले में फार्मर आईडी निर्माण का कार्य सभी तहसीलों में जारी है। अब तक विजयराघवगढ़ में 36,443, ढीमरखेड़ा में 32,490, बहोरीबंद में 30,571, रीठी में 27,403, बड़वारा में 22,040, बरही में 21,676, स्लीमनाबाद में 20,823, मुरवारा/कटनी में 15,024 तथा कटनी नगर क्षेत्र में 12,514 किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। फार्मर आईडी 12 अंकों की एक विशिष्ट डिजिटल पहचान संख्या है, जो किसान की भूमि रिकॉर्ड (खसरा-खतौनी), आधार नंबर और मोबाइल नंबर को एक ही डिजिटल सिस्टम से जोड़ती है। इससे किसानों को अलग-अलग दस्तावेज बारबार जमा करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना और फसल बीमा जैसी योजनाओं का लाभ सीधे और तेज गति से बैंक खातों में पहुंच सकेगा। साथ ही कृषि ऋण, फसल पंजीयन और सरकारी उपार्जन प्रक्रिया भी पूरी तरह ऑनलाइन और सरल हो जाएगी। अधिकारियों के अनुसार इस प्रणाली से किसानों के नाम पर होने वाले फर्जी पंजीयन और गलत लाभ लेने की संभावनाओं पर भी रोक लगेगी, क्योंकि प्रत्येक किसान का डेटा एकीकृत और सत्यापित डिजिटल पहचान से जुड़ा रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि फार्मर आईडी व्यवस्था किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है।

घर से लापता हुए मासूम भाई-बहन

कटनी (स्वतंत्रमत)। अपने दोनों मासूम बच्चों के अचानक लापता हो जाने के कारण बदहवास मां की हालत देख कोतवाली पुलिस की कार्रवाई के कारण दो घंटे से लापता मासूम भाई बहन सकुशल मिल गए। बच्चों के अचानक गायब होने से परिजनों में हड़कंप मच गया था और मां का रो रोकर बुरा हाल था। बच्चों के सुरक्षित मिलने पर परिवार ने कोतवाली पुलिस का आभार व्यक्त किया। दोनों बच्चों के वापस लौटने पर पूछताछ में जो बात सामने आई उसने और भी अधिक हैरान कर दिया। बच्चों ने बताया कि वे मां-बाप से छिपकर घर से दूर एक खाली कमरे में मोबाइल में गेम खेल रहे थे। गेम खेलते-खेलते वे सो गए थे। अपने दोनों जिगर के टुकड़ों को जब सुरक्षित अपने सामने देखा तो मां बिलख पड़ी और रुंधे हुए गले से पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस के मुताबिक 28 मई को तिलक राष्ट्रीय स्कूल के पास महात्मा गांधी वार्ड निवासी राकेश सोनकर कोतवाली पहुंचे और बताया कि उनका 8 वर्षीय पुत्र मोहित सोनकर एवं 6 वर्षीय पुत्री आलिया सोनकर घर के पास खेलते-खेलते लापता हो गए हैं।

सलैया स्टेशन में नहीं रूक रही महत्वपूर्ण ट्रेनें

उपेक्षा को लेकर पनप रहा आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

कटनी (स्वतंत्रमत)

सलैया रेलवे स्टेशन केवल एक स्टेशन नहीं, बल्कि आसपास के सैकड़ों गांवों की जीवन रेखा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और दैनिक आवागमन के लिए 300 से अधिक गांवों के लोग इसी स्टेशन पर निर्भर हैं। इसके बावजूद रेलवे की उपेक्षा नागरिकों के लिए आर्थिक, सामाजिक और मानसिक परेशानी का कारण बनती जा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब अन्य छोटे स्टेशनों पर लंबी दूरी की ट्रेनों का स्टापेज दिया जा रहा है तो फिर सलैया जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन को इस सुविधा से वंचित क्यों रखा जा रहा है। गोंडवाना एक्सप्रेस और रेवांचल एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों के स्टापेज नहीं होने से छात्रों, मरीजों, मजदूरों, व्यापारियों और यात्रियों को मजबूरन कटनी, दमोह या सागर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे न केवल समय की बर्बादी होती है बल्कि अतिरिक्त किराया और आवागमन व्यय के रूप में आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता है। इस समस्या को लेकर नागरिकों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की है। नागरिकों ने विधायक प्रणय प्रभात पाण्डेय को ज्ञापन सौंपकर सलैया स्टेशन पर गोंडवाना एवं रेवांचल एक्सप्रेस के नियमित स्टापेज की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह मांग किसी विशेष वर्ग की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जनभावनाओं और जनहित से जुड़ी है। लोगों का कहना है कि वर्षों से केवल आश्वासन मिलते रहे लेकिन समस्या जस की तस बनी है। अब जनता अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी है और सुविधाओं के लिए प्रतीक्षा करने की बजाय संगठित होकर संघर्ष का रास्ता अपनाने के लिए तैयार है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि फिलहाल वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग शासन और रेलवे प्रशासन तक पहुंचा रहे हैं। लेकिन यदि जनहित की इस जायज मांग की लगातार अनदेखी की गई तो क्षेत्रव्यापी जनआंदोलन खड़ा हो सकता है।

लोगों ने कहा : अपना हक लेकर रहेंगे

लोगों का कहना है कि हम अपना हक प्रेम और निवेदन से मांग रहे हैं लेकिन यदि हमारी बात नहीं सुनी गई तो अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेंगे। जनप्रतिनिधियों और रेलवे प्रशासन के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक सैकड़ों गांवों की आबादी को मूलभूत रेल सुविधा से वंचित रखा जाएगा। क्षेत्र के लोगों ने सांसद, विधायक, रेल मंत्री, प्रभारी मंत्री एवं कलेक्टर का ध्यान इस ओर दिलाते हुए ट्रेनों के स्टापेज की मांग की है।

50 वाहनों से 60 लाख वसूला जुर्माना

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में अवैध खनन, परिवहन और ओवरलोडिंग के विरुद्ध प्रशासन ने कड़ी कार्यवाही की है। कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दलों द्वारा अवैध खनिज खनन और परिवहनकर्ताओं पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 50 से अधिक अवैध खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 60 लाख रुपये से अधिक की जुर्माना राशि शासकीय खजाने में जमा कराई जा चुकी है। बताया जाता है कि पिछले वित्तीय वर्ष में जिले में 125 प्रकरण दर्ज कर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का अर्थदंड वसूला गया था। इसी कड़ी में इस वर्ष भी कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। अब केवल मैन्युअल जांच ही नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से भी अवैध परिवहन पर नजर रखी जा रही है। जिले में संचालित हाई टेक ई-चेक गेट अवैध परिवहन करने वालों के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ई-चेक गेट से बिना रॉयल्टी एवं नियमों का उल्लंघन कर परिवहन करने वाले 4 वाहनों को चिन्हित किया गया, जिन पर 6 लाख 21 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित कर नोटिस जारी किए गए हैं। कलेक्टर ने परिवहन विभाग और खनिज विभाग को संयुक्त रूप से प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी है कि बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ने वाले वाहन सीधे तौर पर संदिग्ध माने जाएंगे और ऐसे वाहनों को तत्काल प्रभाव से जप्त किया जाए और विधिसम्मत कार्यवाही की जाय। कलेक्टर ने अधिकारियो को निर्देशित किया है कि जिले की खनिज संपदा का अवैध दोहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को आईसीसी की मंजूरी

अहमदाबाद (वार्ता)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट मैचों पर खराब रोशनी के असर को कम करने के प्रयास के तहत लाल की जगह गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के ट्रायल को मंजूरी दे दी है। यह बदलाव दोनों टीमों की पहले से बनी सहमति पर निर्भर करेगा। यह फैसला चीफ एग्जीक्यूटिव कमेटी की कई सिफारिशों में से एक था, जिसे रविवार को अहमदाबाद में हुई एक बैठक में आईसीसी बोर्ड ने मंजूरी दी। अब तक गुलाबी गेंदों का इस्तेमाल केवल दिन-रात्रि टेस्ट मैचों में होता था, जो अधिकतर ऑस्ट्रेलिया में खेले जाते हैं और कहीं और नहीं। लेकिन, दिन में खेले जाने वाले टेस्ट मैच के दौरान लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद का इस्तेमाल करने का यह ट्रायल इसलिए किया जा रहा है ताकि रोशनी कम होने पर भी खेल जारी रह सके और खराब रोशनी की वजह से बर्बाद होने वाले समय और ओवरों को कम से कम किया जा सके। ऐसा माना जा रहा है कि खेल के नियमों में यह बदलाव चार जून से इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के

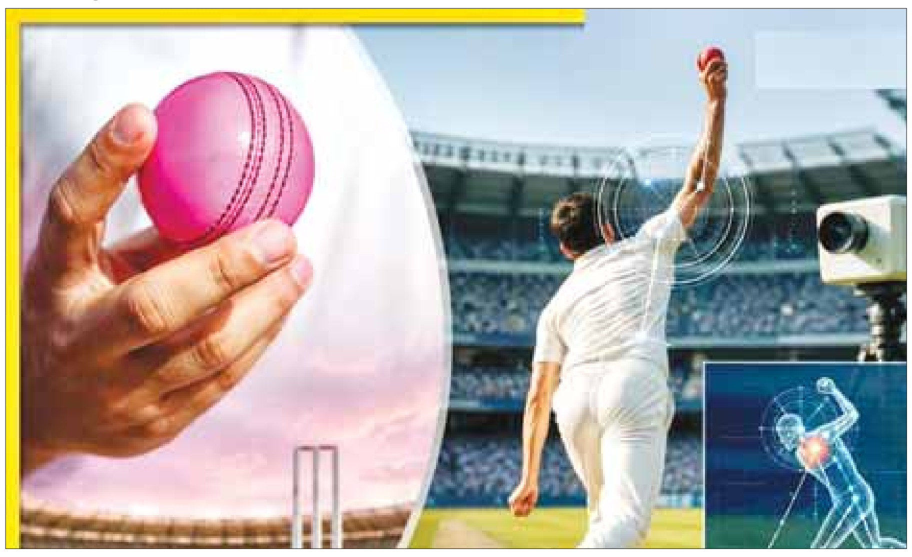

बीच शुरू होने वाली सीरीज तक लागू नहीं हो पाएगा। आईसीसी ने यह भी कहा कि वह मैच अधिकारियों और स्टेडियमों के लिए लाइटिंग टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करेगा, ताकि खराब रोशनी की वजह से खेल में होने वाली रुकावटों को कम किया जा सके। इस रिसर्च और डेवलपमेंट (आर एंड डी) प्रोजेक्ट में आईसीसी, मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के साथ मिलकर फंड देगा।

एक और सिफारिश को दी मंजूरी

इसके अलावा बैठक में एक और सिफारिश को मंजूरी दी है। इसके तहत, एकदिवसीय और टी-20 मैचों में मुख्य कोच - या उनके द्वारा नियुक्त स्टाफ़ - तय ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान में जाकर अपने खिलाड़ियों से बात कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक इसकी इजाज़त नहीं थी - संदेश सिर्फ़ ड्रिंक्स लेकर मैदान में आने वाले खिलाड़ियों के ज़रिए ही भेजे जा सकते थे - लेकिन आईपीएल जैसी फ़्रैंचाइजी टी-20 लीग में यह नियम पहले से ही लागू है, जहाँ कोच स्ट्रेटेजिक टाइमआउट के दौरान अपने खिलाड़ियों से बातचीत करते हैं। अब टी-20 मैचों के लिए दोनों पारियों के बीच 15 मिनट का ब्रेक होगा, और बल्लेबाज़ों को खेल दोबारा शुरू होने पर तैयार रहना होगा।

मैदान पर गाइड लाइन्स बनाई जाएंगी

2025 में, आईसीस ने वाइड गेंदों के फ़ैसले के मामले में गेंदबाजो को लेग साइड की ओर थोड़ी ज़्यादा छूट देने के लिए ट्रायल शुरू किए थे। अब आईसीसी ने इस नियम को हमेशा के लिए लागू करने का फ़ैसला किया है। इसके तहत, अंपायरों को लेग साइड की तरफ़ पड़ने वाली वाइड गेंदों का सही फ़ैसला लेने में मदद करने के लिए मैदान पर गाइड लाइन्स बनाई जाएंगी। यह नियम तब और भी ज़्यादा मददगार साबित होगा, जब कोई बल्लेबाज़ अपनी क्रीज़ पर इधर-उधर घूम रहा हो। इसके अलावा, अगर किसी गेंदबाज के गेंद फेंकने के तरीके पर शक होता है, तो आईसीसी ने कहा है कि वह मैच अधिकारियों को हॉक-आई डेटा उपलब्ध कराने में मदद करेगा। इस डेटा की मदद से अधिकारी यह तय कर पाएंगे कि उन्हें किसी गेंदबाज के खिलाफ रिपोर्ट करनी है या नहीं।

मोदी ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 19 पदक जीतने पर भारतीय दल को दी बधाई

नयी दिल्ली (वार्ता)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण सहित कुल 19 पदक जीतने पर भारतीय दल को हार्दिक बधाई दी है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संदेश पोस्ट करते हुए कहा, यह शानदार प्रदर्शन भारत के युवा खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता का प्रतीक है। उनकी यह उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। आशा है कि उनकी सफलता आने वाले वर्षों में और अधिक युवा भारतीयों को खेलों को अपनाने तथा उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि एशियाई अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रविवार को भारतीय महिलाओं की 4गुना400 मीटर रिले टीम ने स्वर्ण पदक जीता। भारतीय दल ने चैंपियनशिप के अंतिम दिन तीन और स्वर्ण पदक जीते, जिससे कुल स्वर्ण पदकों की संख्या10 हो गयी। भारतीय दल कुल 19 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय टीम ने 10 स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक जीत के साथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना लौहा मनवाया। चीन इस चैंपियनशिप में 14 स्वर्ण, नौ रजत और दो कांस्य पदकों के साथ कुल 25 पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा और जापान कुल 18 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

सात्विक-चिराग और पीवी सिंधु इंडोनेशिया ओपन में लय बरकरार रखने उतरेंगे

जकार्ता (वार्ता)। सिंगापुर में शानदार प्रदर्शन के बाद, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी और पीवी सिंधु मंगलवार से शुरू हो रहे इंडोनेशिया ओपन 2026 में अपनी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन, 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का तीसरा सुपर 1000 टूर्नामेंट मे एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के खिताब के लिए चले आ रहे अपने दो साल के सूखे को खत्म करने के बाद जकार्ता जा रहे हैं। दुनिया की पूर्व नंबर 1 बैडमिंटन जोड़ी ने पिछले हफ़्ते सिंगापुर बैडमिंटन ओपन का पुरुष युगल खिताब जीता, जो दो साल पहले थाईलैंड ओपन जीतने के बाद उनका पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब था। पीवी सिंधु ने भी सिंगापुर में अपनी पुरानी लय में लौटने के संकेत दिए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता ने क्वार्टर फ़ाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग से हारने से पहले, इंडोनेशिया की दुनिया की नंबर 6 खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वर्दानी और जापान की रिको गुंजी पर शानदार जीत दर्ज की थी। दुनिया की नंबर 12 खिलाड़ी सिंधु का जकार्ता में दूसरे दौर में फिर से एन से-यंग से मुकाबला हो सकता है। सिंगापुर में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे लक्ष्य सेन और पिछले हफ्ते शुरुआती दौर में इंडोनेशिया के दुनिया के नंबर 5 खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को हराने वाले एचएस प्रणॉय, पुरुष एकल वर्ग में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे।

भारत की पुरुषों के अंडर-18 एशिया कप में कोरिया पर 4-1 से शानदार जीत

काकामिगाहारा, (जापान) (वार्ता)। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने सोमवार को अपने तीसरे अंडर-18 एशिया कप 2026 पूल ए मैच में कोरिया के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए कप्तान केतन कुशवाहा ने (तीसरे, 36वें), वरिंदर सिंह ने (पांचवें) और शाहरुख अली ने (54वें) मिनट में गोल किए, जबकि कोरियाई कप्तान यून जेह्योक ने (21वें) मिनट में अपनी टीम का एकमात्र गोल किया। भारत ने पहले क्वार्टर की शुरुआत मजबूती से की और शुरुआती दो गोल की बढ़त बना ली। तीसरे मिनट में, भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला और उसने उसे सफलतापूर्वक पहले गोल में बदल दिया। राहुल यादव ने कप्तान कुशवाहा ने (तीसरे) मिनट में एक शानदार पास दिया, और हालाँकि उनका शुरुआती शॉट कोरियाई गोलकीपर ने बचा लिया

था, लेकिन गेंद उनके पास ही वापस आ गई और उन्होंने उसे नेट में डाल दिया। भारत ने अपनी लय बनाए रखी और पांचवें मिनट में दूसरा गोल कर दिया। गाज़ी खान ने बेहतरीन सूझबूझ दिखाते हुए वरिंदर ने (पांचवें) मिनट में गोल में डालकर भारत की बढ़त बढ़ा दी। दूसरे क्वार्टर में दोनों तरफ से जोरदार खेल देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम सर्कल के अंदर कोई ठोस मौका नहीं बना पाई। 21वें मिनट में, कोरिया को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे कप्तान जेह्योक (21) ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर पहले हाफ में गोलों का अंतर कम कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत आक्रामक अंदाज़ में की और 36वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। हालाँकि कोरियाई डिफेंस ने गोल पर किए गए शुरुआती शॉट को रोक लिया था, लेकिन वे समय पर गेंद को बाहर नहीं निकाल पाए और कुशवाहा (36) ने इस मौके का फायदा उठाते हुए शाम का अपना दूसरा गोल कर दिया। तीसरे क्वार्टर के आखिर में दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन कोई भी टीम उन्हें गोल में नहीं बदल पाई। 53वें मिनट में, कोरिया गोल करने के बेहद करीब पहुंच गया था, जब किम डोयुन ने गेंद को गोल की तरफ डिफ्लेक्ट किया, लेकिन भारतीय गोलकीपर आयुष रजक ने अपनी स्टिक से शानदार बचाव किया। ठीक अगले ही मिनट, भारत ने शाहरुख (54) की बदौलत चौथा गोल करके जवाब दिया; उन्होंने एक ज़ोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया और अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ ही भारत, कोरिया और जापान के साथ 6 अंकों पर बराबरी पर आ गया है। दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें सेमी-फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। भारत का अगला मुकाबला 3 जून को अपने पूल ए के आखिरी मैच में चीनी ताइपे से होगा।

रुपया 34 पैसे कमजोर

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार को 34 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.19 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा पिछले दो कारोबारी दिवस पर मजबूती के साथ बंद हुई थी। पिछले सप्ताहांत यह 73 पैसे चढ़कर 94.85 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये की शुरुआत आज आठ पैसे की गिरावट में 94.93 रुपये प्रति डॉलर पर हुई। हालांकि कुछ ही देर में यह 94.73 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ लेकिन बाद में फिर टूट गया। कारोबार की समाप्ति तक यह 95.19 रुपये तक उतरकर अंत में उसी स्तर पर बंद हुआ। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के सूचकांक में डॉलर सूचकांक के 0.5 प्रतिशत तक मजबूत होने से भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा।

जीएसटी संग्रह मई में बढ़कर 1.94 लाख करोड़ पर

नयी दिल्ली (वार्ता)। आयात पर प्राप्त कर राजस्व में 19 प्रतिशत के जबरदस्त उछाल के कारण इस साल मई में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.94 लाख करोड़ के पार दर्ज किया गया। वित्त मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि मई में कुल जीएसटी संग्रह 1,94,184 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल मई के मुकाबले 3.2 प्रतिशत अधिक है। इसमें घरेलू जीएसटी संग्रह 2.6 प्रतिशत घटकर 1,34,530 करोड़ रुपये रह गया जबकि आयातित वस्तुओं पर संकलित जीएसटी की राशि 19.1 प्रतिशत बढ़कर 59,654 करोड़ रुपये दर्ज की गयी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आयातित वस्तुओं, विशेषकर कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेज उछाल के

कारण उन पर जीएसटी की राशि भी उसी अनुपात में बढ़ी है। सरकार ने कुल 27,281 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड दिया जो सालाना आधार पर 2.6 प्रतिशत अधिक है। इसमें घरेलू रिफंड 4.3 फीसदी कम होकर 17,030 करोड़ रुपये और निर्यातकों को दिया गया रिफंड 16.6 प्रतिशत बढ़कर 10,250 करोड़ रुपये रहा। सकल जीएसटी संग्रह में से रिफंड को घटाकर शुद्ध जीएसटी राजस्व 1,66,904 करोड़ रुपये रहा। यह मई 2025 के मुकाबले 3.3 प्रतिशत अधिक है। शुद्ध घरेलू जीएसटी संग्रह 1,17,500 करोड़ रुपये रहा। यह सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत कम है। वहीं, शुद्ध सीमा शुल्क राजस्व 19.7 प्रतिशत बढ़कर 49,403 करोड़ रुपये हो गया।

विनिर्माण गतिविधियों की रफ्तार मई में और मजबूत

मुंबई (वार्ता)। घरेलू मांग आने और तैयार माल का भंडार बढ़ाने की कंपनियों की रणनीति के कारण मई में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी देखी गयी। माह-दर-माह आंकड़ों की तुलना के आधार पर एचएसबीसी द्वारा जारी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल के 54.7 से बढ़कर मई में 55.0 पर पहुंच गया। यह मार्च में 54.3 रहा था। सूचकांक 50 से जितना ऊपर होता है वह गतिविधियों में उतनी ही तेजी दर्शाता है जबकि 50 से यह जितना नीचे रहता है गतिविधियों में उतनी ही बड़ी गिरावट का संकेत होता है। वहीं, 50 का स्तर स्थिरता दिखाता है। समय और कच्चे माल के भंडार जैसे कारकों का विश्लेषण किया जाता है।

तोशिबा ने पावरग्रिड को 132 केवी सिस्टम की डिलीवरी की

नयी दिल्ली (वार्ता)। तोशिबा ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम्स (इंडिया) (टीटीडीआई) ने सोमवार को पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) को अपने स्वदेशी रूप से विकसित 132 केवी एम-जीआईएस सिस्टम की सफल डिलीवरी की घोषणा की। भारत में स्वदेशी मोबाइल उच्च-वोल्टेज समाधानों के पोर्टफोलियो को और विस्तृत करने के टीटीडीआई के निरंतर प्रयासों में 132 केवी एम-जीआईएस सिस्टम का विकास और डिलीवरी एक और बड़ी उपलब्धि है।

पावरग्रिड की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की गयी यह आपूर्ति ग्रिड आधुनिकीकरण, सुदृढ़ता और स्वदेशीकरण की दिशा में जारी देश की यात्रा को भी

नयी गति देती है। टीटीडीआई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हिरोशी फुरुता ने कहा, ञ्हमें पावरग्रिड को स्वदेशी 132 केवी एम-जीआईएस सिस्टम की डिलीवरी के साथ अपने एम-जीआईएस पोर्टफोलियो का और विस्तार करते देख बेहद खुशी हो रही है। कुछ महीने पहले भारत के पहले स्वदेशी 220 केवी एम-जीआईएस सिस्टम की सफल डिलीवरी के तुरंत बाद यह अगला कदम उठाया गया है। यह कॉम्पैक्ट और अत्यधिक गतिशील समाधान पूरी तरह देश में ही विकसित और इंजीनियर किया गया है।

फॉक्सवैगन ब्रांड श्रीलंका पहुंचा

पुणे में बनी कारें होंगी निर्यात

नयी दिल्ली (वार्ता)। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने सोमवार को श्रीलंका में फॉक्सवैगन ब्रांड के प्रवेश की घोषणा की। पड़ोसी देश में वितरण के लिए उसने कॉन्टिनेंटल कार्स एंड कमर्शियल्स लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। शुरुआती चरण में कंपनी श्रीलंका में फॉक्सवैगन टाइगुन और वर्टस सेडान उतारेगी। ये मॉडल यूरोपीय गुणवत्ता वाले और मजबूत सुरक्षा मानकों से लैस हैं। दोनों मॉडलों का निर्माण पुणे स्थित अत्याधुनिक चाकन प्लांट में किया जाता है, जहां से इन्हें दुनिया भर के बाजारों में निर्यात किया जाता है। यह कंपनी की भारत और दुनिया के लिए भारत में निर्माण रणनीति की मजबूती को दर्शाता है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन

इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पियूष अरोड़ा ने कहा, श्रीलंका ऐसा बाजार है जहां ऑटोमोबाइल के प्रति गहरी रुचि है और गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग को सराहा जाता है। यह विस्तार हमारी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसमें हम भारत से बाहर भी टिकाऊ विकास करेंगे। श्रीलंका के प्रीमियम ऑटोमोबाइल सेक्टर में वर्षों से काम करने वाली कॉन्टिनेंटल कार्स एंड कमर्शियल्स ने कोलंबो के श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे के सबसे प्रतिष्ठित आवासीय क्षेत्रों में लगभग 18,713 वर्ग फुट बिल्डअप एरिया और एक एकड़ भूमि और 20 से अधिक सर्विस बे के साथ नया फॉक्सवैगन शो-रूम तैयार किया है। इसमें ग्राहकों को एक ही छत के नीचे बिक्री, सर्विस और स्पेयर्स का संपूर्ण अनुभव मिल सकेगा।

कच्चे तेल में तेजी से लुढ़के शेयर बाजार

सेंसेक्स आठ सप्ताह के निचले स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ने से घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह के पहले दिन शुरुआती तेजी के बाद गिरावट देखी गयी और बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स आठ सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की शुरुआत 427 अंक की तेजी में हुई थी, लेकिन दोपहर बाद यह लाल निशान में चला गया। कारोबार की समाप्ति पर यह 508.40 अंक (0.68 प्रतिशत) लुढ़ककर 74,267.34 अंक पर बंद हुआ। यह 06 अप्रैल के बाद का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी बढ़त में खुलने के बाद 165.15 अंक यानी 0.70 फीसदी उतरकर 23,382.60 अंक पर रहा जो 12 मई के बाद इसका सबसे कम बंद स्तर है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से निवेश धारणा प्रभावित हुई है। कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा आज ढाई प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 93.5 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। वृहत बाजार में बिकवाली और ज्यादा रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.21 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.88 प्रतिशत टूट गया। आईटी, मीडिया और धातु को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में बिकवाली हावी रही। आईटी समूह का सूचकांक 2.66 फीसदी चढ़ा। इस सेक्टर में पिछले कुछ समय से लिवाली चल रही है। एफएमसीजी, बैंकिंग, वित्त, ऑटो, रियलटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों में ज्यादा गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,452 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,202 के शेयर

गिरावट में और 1,150 के बढ़त में रहे। अन्य 100 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर लाल निशान रहे। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 2.83 प्रतिशत लुढ़क गया। आईटीसी में 2.53 फीसदी, एनटीपीसी में 2.15 और महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.10 प्रतिशत की गिरावट रही।

कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 1.95 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.87, बजाज फाइनेंस और ट्रेंट दोनों के 1.74, एलएंडटी का 1.65, एशियन पेंट्स का 1.53, बजाज फिनसर्व का 1.45, मारुति सुजुकी का 1.35, आईसीआईसीआई बैंक का 1.31, पावरग्रिड और टाइटन दोनों का 1.21, अडानी पोर्ट्स का 1.19, इटरनल 1.14, भारती एयरटेल का 1.05, भारतीय स्टेट बैंक का 1.04 और एक्सिस बैंक का 0.97 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। बीईएल में भी गिरावट रही। आईटी कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर 4.08 प्रतिशत और इंफोसिस का 3.70 प्रतिशत चढ़ा। टीसीएस में 1.95 फीसदी और इंडिगो में 1.04 फीसदी की तेजी रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा स्टील के शेयर भी ऊपर बंद हुए।

वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.91 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.86 प्रतिशत ऊपर रहा। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.27 फीसदी की गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.33 प्रतिशत नीचे है जबकि जर्मनी के डैक्स में 0.45 प्रतिशत की बढ़त चल रही है।

महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए बेहतर कार्य को प्रोत्साहन और लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई करें : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक जन भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। महिलाओं और बच्चों के कल्याण से संबंधित योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार हो। बच्चों और महिलाओं में पोषण स्तर को बेहतर करने के लिए संचालित गतिविधियों में स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित निजी अस्पतालों और संस्थाओं को भी जोड़ा जाए। इस दिशा में अन्य राज्यों और प्रदेश के जिलों में हो रहे सफल नवाचारों को अपनाने के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाए। साथ ही मैदानी स्तर पर बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करें और लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश सोमवार को मंत्रालय में हुई महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीपीपी मोड पर हॉस्टल निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाए- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन औद्योगिक इकाइयों में महिला कर्मियों की संख्या अधिक है, उन इकाइयों में कामकाजी महिलाओं के लिए पीपीपी मोड पर हॉस्टल निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में बताया गया कि देवास, नर्मदापुरम, झाबुआ और सिंगरौली में वर्किंग वुमेन हॉस्टल का निर्माण प्रारंभ हो गया है। प्रताड़ित महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने के लिए पांढुर्णा, मऊगंज, मैहर, पेटलावद-झाबुआ, इंदौर के लसूड़िया और सांवेर एवं धार के मनावर और पीथमपुर में वन स्टॉप सेन्टर स्वीकृत किए गए हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन अंतर्गत 51 जिला स्तरीय और 01 राज्य स्तरीय हेल्प सेंटर के माध्यम से 66 हजार से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई गई। जोखिम ग्रस्त बच्चों की मैपिंग के लिए 13 जिलों में प्रक्रिया जारी है।

बच्चों के लिए आयोजित किया गया विद्यारंभ समारोह- बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 5 से 6 आयु वर्ग के 9 लाख 28 हजार बच्चों के लिए विद्यारंभ आयोजित कर उन्हें विद्यारंभ प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया और बच्चों का शाला में सुगम प्रवेश सुनिश्चित किया गया। प्रदेश के इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष सराहना मिली है। बाल देखरेख संस्थाओं द्वारा मुख्यमंत्री खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव के आयोजन की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है।

सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी- बैठक में बताया गया कि सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन के अंतर्गत प्रदेश में एक साथ 12 हजार 670 मिनी केंद्रों को मुख्य आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत कर मध्यप्रदेश देश में अग्रणी बना है। इस प्रकार की पहल में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में जनवरी 2024 से मई 2026 तक प्रदेश की 01 करोड़ 25 लाख से अधिक पात्र बहनों को 47 हजार 775 करोड़ रुपये से अधिक की मासिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत मई 2026 तक 15 लाख 84 हजार बालिकाओं का पंजीयन कर 537 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की गई।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन में देश में अव्वल म.प्र.- बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में दर्ज 15 लाख 51 हजार गर्भवती महिलाओं को 798 करोड़ 68 लाख रूपये से अधिक का भुगतान किया गया। इस योजना के क्रियान्वयन में पिछले ढाई साल से मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बीमा योजना से लाभान्वित किया गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में पोषण स्तर में सुधार के लिए किये जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। बैठक में सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती जी.वी. रश्मि सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपना जन्म दिवस बच्चों के साथ मनाया

लोक भवन मंदिर में प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपना जन्म दिवस सोमवार को लोक भवन में बच्चों के साथ मनाया। राज्यपाल श्री पटेल को लोक भवन मंदिर में एकत्रित बच्चों ने उत्साहपूर्वक सामूहिक रुप से लयबद्ध ताली बजा और शुभकामना गीत गाकर जन्म दिवस की बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल ने बच्चों को उपहार और शुभाशीष प्रदान किया। राज्यपाल श्री पटेल ने जन्म दिवस के अवसर पर लोक भवन मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना की। उन्होंने ईश्वर से प्रदेश की खुशहाली, शांति, समृद्धि और सर्वांगीण विकास की कामना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्मदिवस की दीं शुभकामनाएं- राज्यपाल मंगुभाई पटेल के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकभवन पहुंचकर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्पगुच्छ, अंग वस्त्रम और बाबा महाकाल की प्रतिकृति भेंट कर उनका अभिवादन किया। साथ ही उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना की।

महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति रहें सजग- राज्यपाल ने कहा है कि स्वस्थ समाज एवं परिवार के लिए महिलाओं का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है।

मध्यप्रदेश में वरिष्ठजनों के सम्मान सुरक्षा और अधिकारों की सुदृढ़ व्यवस्था

कानूनी संरक्षण: अधिकारों की मजबूत नींव

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को नई दिशा और गति प्रदान की गई है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित योजनाएं इसका प्रमाण हैं कि सरकार उनके सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा एवं अधिकारों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। बदलते सामाजिक परिवेश में जहां पारिवारिक संरचना में निरंतर परिवर्तन हो रहा है, वहीं वरिष्ठजनों की देखभाल और उनके अधिकारों की रक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। इस दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकार दिलाने के लिए माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। यह अधिनियम वरिष्ठजनों को यह अधिकार देता है कि यदि वे स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं हैं, तो वे अपने बच्चों या संबंधितों से भरण-पोषण प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश में इस अधिनियम के तहत प्रत्येक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय को भरण-पोषण अधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय को अपील अधिकरण घोषित किया गया है। इससे वरिष्ठ नागरिकों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त, सामाजिक न्याय विभाग के जिला अधिकारियों को भरण-पोषण अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जो इस व्यवस्था को प्रभावी रूप से संचालित करते हैं। अधिनियम के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा या परित्याग को दंडनीय अपराध माना गया है, जिससे समाज में उनके प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ किया गया है। साथ ही, भरण-पोषण हेतु मासिक राशि निर्धारित करने का प्रावधान भी वरिष्ठजनों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है।

संस्थागत व्यवस्था: आश्रय और देखभाल- प्रदेश में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आश्रय और देखभाल की सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। विभिन्न संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों के माध्यम से संचालित वरिष्ठ आश्रमों में जरूरतमंद वरिष्ठजनों को आश्रय, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं एवं मनोरंजन की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी कड़ी में भोपाल में विकसित संध्या छाया वरिष्ठजन निवास एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त आवासीय परिसर वरिष्ठजनों को सुरक्षित, आरामदायक एवं गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करता है। यहां वातानुकूलित कक्ष, लाइब्रेरी, फिजियोथेरेपी, चिकित्सा सुविधाएं एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराए गए हैं। यह पहल दर्शाती है कि राज्य शासन वरिष्ठजनों को केवल आश्रय ही नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाबू को चाकू मारने वाला आरोपी गिरफ्तार

दमोह (स्वतंत्र मत)। बड़ा पुरा में बीते दिन हुई चाकू बाजी की घटना के आरोपी अरविंद कोरी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली टीआई मनीष कुमार ने बताया है कि देवेंद्र राज ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी शराब के लिए अरविंद कोरी ने 500 रूपये मांग की थी न देने पर अरविंद ने उसे चाकू मार कर घायल कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में निरीक्षक मनीष कुमार थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा चंद घण्टों में ही आरोपी अरविन्द कोरी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के नाम निरी. मनीष कुमार, सउनि राकेश पाठक, प्रआर महेश यादव, आर. नरेन्द्र पटैरिया, आर. विक्रम राठौर रहे।

ग्रीष्मकालीन काव्य गोष्ठी संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)

मप्र लेखक संघ दमोह के तत्वाधान में गत दिवस एमएलबी स्कूल दमोह के सभा कक्ष में ग्रीष्म काव्य गोष्ठी संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता डॉ रघुनंदन चिले ने की। मुख्य अतिथि डॉ. केदारनाथ शर्मा और विशिष्ट अतिथि डॉ. आलोक सोनवलकर रहे। कविकुल अधिष्ठात्री माता हंसवाहिनी के स्तवन के उपरांत मुख्य अतिथि डॉ. केदारनाथ शर्मा ने दमोह नगर के साहित्य साधकों की प्रशंसा करते हुए कहा की यही साहित्यकार प्रदेश और राष्ट्र में अपना नाम रोशन करके हमारे नगर का नाम ऊंचा कर रहे हैं। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु पर एक कविता भी पड़ी। प्रसिद्ध चिकित्सक एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रघुनंदन चिले ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा की कलम साधकों का समर्पण राष्ट्रीय चेतना को जागृत रखता है। खुशी की बात है कि नगर के यह साधक राष्ट्र चेतना को जागृत रखने में अपना योगदान दे रहे हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ आलोक सोनवलकर ने दमोह नगर के साहित्य एवं कला के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान देने वाले रचनाकारों को याद करते हुए कहा कि की मप्र लेखक संघ दमोह द्वारा वर्तमान में रचना धर्मिता को आगे बढ़ने का जो कार्य किया जा रहा है वह बंदिनीय है।

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा निगरानी गुंडा बदमाशों की कराई परेड

दमोह (स्वतंत्र मत)। अपराधों को रोकने के लिए कोतवाली पुलिस ने निगरानी शुदा गुंडा बदमाशों को बुलाकर समझाइस दी गई कि किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बताया गया है कि पुलिस अधीक्षक द्वारा दमोह शहर में शांति व्यवस्था कायम रखने हेतु थाना कोतवाली क्षेत्र के निगरानी गुंडा बदमाशों की परेड कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया था जो पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक के की उपस्थिति में 1 जून को थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष कुमार द्वारा थाना कोतवाली के सूचीबद्ध निगरानी एवं गुंडा बदमाशों को थाना पर तलब कर परेड कराई गई। सभी गुंडा निगरानी बदमाशों के फिंगर प्रिंट फोटोग्राफ्स अद्यतन किए गये एवं डोजियर फार्म तैयार किये गये।

कपड़ा व्यापारी से मारपीट कर नकदी, मोबाइल और दस्तावेज लूटे

हटा (स्वतंत्र मत)

देहात क्षेत्र में फेरी लगाकर कपड़े बेचने वाले एक युवक के साथ चार अज्ञात बदमाशों ने मारपीट कर नकदी, मोबाइल फोन और महत्वपूर्ण दस्तावेज लूट लिए। घटना 31 मई की दोपहर करीब ढाई बजे रूसल्ली से हटा मार्ग पर पुलिया के पास हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ककराई ढोलियाखेड़ा निवासी एक युवक मोटरसाइकिल से ग्राम सोजना से कपड़े बेचकर वापस हटा लौट रहा था। तभी रूसल्ली से हटा मार्ग पर एक लाल रंग की डिस्कवर मोटरसाइकिल पर सवार चार युवक उसके पीछे से आए और रास्ता रोक लिया। सभी युवकों ने अपने चेहरे सफेद तौलिये से ढके हुए थे। पीड़ित ककराई नवोदय वार्ड प्रिंस पिता बिहारी साहू अनुसार एक आरोपी ने लोहे की नुकीली वस्तु गले पर अड़ाकर रुपये देने की धमकी दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की जिससे उसे कंधे और पीठ में चोटें आईं। इसके बाद बदमाश उसके पास से 2300 रुपये नकद, आधार कार्ड सहित पर्स और करीब 16 हजार रुपये कीमत का रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों की मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट पर डीएल5एस0137 अंकित था। घटना के बाद उसने आरोपियों का पीछा करने का प्रयास किया लेकिन वे भागने में सफल रहे। घायल युवक ने पहले अस्पताल में उपचार कराया और बाद में परिजनों के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई इस वारदात से ग्रामीणों और राहगीरों में दहशत का माहौल है।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक-एल.आई.जी.-716 श्री मिश्रीलाल सोनी पिता श्री रामलाल सोनी के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 05.08.2006 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका हैं। आवंटी श्री मिश्रीलाल सोनी की मृत्यु दिनांक 09.02.2026 को हो गई है। आवंटी द्वारा मण्डल के साथ निष्पादित अनुबंध में श्री सतीश कुमार सोनी पिता स्व. श्री मिश्री लाल सोनी को नामिनी नियुक्त किया था। अतः आवंटी के नामिनी श्री सतीश कुमार सोनी पिता स्व. श्री मिश्री लाल सोनी ने उक्त संपत्ति को नॉमिनेशन के आधार पर लीज नामांतरण स्वयं के नाम से करने हेतु आवेदन संगत दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत किये है। उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज नामांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिव नगर दमोहनाका कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक MIG II-143 श्रीमति सरिता जैन पति श्री संजय जैन एवं श्रीमति सारिका जैन पति श्री नरेश जैन के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 23.04.2010 को आवंटी के पक्ष मे निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमति सारिका जैन पति श्री नरेश जैन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 18.05.2026 के माध्यम से श्रीमति सरिता जैन पति श्री संजय जैन को अपना आधा हिस्सा हक त्यागकर्ता की हैसियत से विक्रय किया है। अतः श्रीमति सरिता जैन पति श्री संजय जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज के पास धनवंतरी नगर जबलपुर- 482003

फ्री-होल्ड की आपत्ति आमंत्रण हेतु सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि आनन्द नगर जबलपुर स्थित शाला भूखण्ड एंडरीनो ड्रीम एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी के द्वारा उक्त भवन को फ्री होल्ड करने हेतु नियमानुसार निर्धारित राशि जमा कर इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भवन का विक्रय-विलेख दिनांक 05.05.2014 को निष्पादित हो चुका हैं। उक्त सम्पत्ति की लीज फ्री होल्ड की कार्यवाही प्रचलन में है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा एंडरीनो ड्रीम एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी को आवंटित आनंद नगर जबलपुर स्थित शाला भूखण्ड लीज फ्री होल्ड किया जावेगा एवं किसी भी संस्था/व्यक्ति का दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र. संभा. अधि./13/ मुख्यालय/ 2026-27/एम/54 दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आतिन अश्वनी (2) श्री औचिन वर्मा दोनों के पिता स्व. श्री अश्वनी कुमार वर्मा ने मकान नं. 538 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 4314+800 व.फु. प्रथम तल 2200+800 व.फु. शपथ पत्र/ सहमति पत्र/मूल्य प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र/वसीयतनामा के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र. संभा. अधि./13/ मुख्यालय/ 2026-27/एम/56 दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती वर्षा जैन पति श्री अभिषेक जैन ने मकान नं. 712/बी वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान क्षेत्रफल 1377.5 व.फु.भूतल 800 व.फु. प्रथम तल 800 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

करंट लगने से युवक की दर्दनाक मौत

जबेरा (स्वतंत्र मत)। थाना क्षेत्र के पुराना बाजार में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना से पूरे नगर में शोक का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराना बाजार निवासी राहुल जैन अपने घर में पानी भर रहा था। इसी दौरान मोटर बंद करते समय अचानक उसे करंट लग गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र. संभा. अधि./13/ मुख्यालय/ 2026-27/एम/55 दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती वनीता गुलाटी पति श्री अनुज गुलाटी ने मकान नं. 2786 से 2788 2790 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती खुली भूमि 6000 व.फु. विक्रय पत्र / खसरे की नकल के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र. संभा. अधि./13/ मुख्यालय/ 2026-27/एम/57 दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती बसंती लालवानी पति श्री संजय लालवानी ने मकान नं. 1 से 8 का भाग वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती द्वितीय तल 399.20 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र. संभा. अधि./13/ मुख्यालय/ 2026-27/एम/58 दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हर्षित नारायण खरे पिता श्री हरि नारायण खरे ने मकान नं. 843/एफ एफ-126 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान प्रथम तल 178 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रियंका शुक्ला पति श्री शैलेष शुक्ला ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 87 राजुल सिटी संपत्ति के पिन क्रमांक 1000388222 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1862 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती अर्चना दुबे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुखविंदर कौर सिद्धू पति गुरमीत सिंह सिद्धू ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 183 चैतन्य सिटी स्वर्ण भूमि छग्गर फार्म संपत्ति के पिन क्रमांक 1000379032 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1478 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री योगेन्द्र कुमार दुबे पिता श्री त्रिलोक राम दुबे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विनय प्रताप सिंह पिता श्री अरविंद कुमार ठाकुर ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक फ्लेट नं. 412 ब्लाक बी राजुल पार्क व्यू संपत्ति के पिन क्रमांक 1000383120 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित चर्तुथ तल 1141 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री राजेश कुमार दीक्षित का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 1/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुधा गुप्ता पति श्री बृजभूषण गुप्ता (2) श्री बृजभूषण गुप्ता पिता स्व. हरगोविंद प्रसाद ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक ख.नं. 158/2 एवं 159/2 का भाग संपत्ति के पिन क्रमांक 1000387631 से नया पिन पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 905 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री भास्कर गव्हाले पिता श्री हीरा लाल गव्हाले का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

➤ आकर्षण का केंद्र बनी आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी

सान्दीपनी विद्यालय में समर कैंप का समापन

जबलपुर। सान्दीपनी विद्यालय सिंगोंद, पनागर के नवीन भवन रैपुरा में समर कैंप का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। एक माह तक चले इस समर कैंप में लगभग 75 छात्रों ने भाग लेकर विभिन्न खेल गतिविधियों एवं आर्ट-क्राफ्ट कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में बच्चों की रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा देखने को मिली। कार्यक्रम में सोनम कटारे एवं डॉ. सर्वेश पटेल सिंगोंद द्वारा सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

➤ गोहलपुर क्षेत्र में वारदात

सूने घर को चोरों ने बनाया निशाना

जबलपुर। गोहलपुर थाने में 28 वर्षीय ऐहतेशाम अंसारी निवासी चालीस फीट रोड़ अमखेरा ,गोहलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 मई को वह अपनी माँ नूरजहं, पिता गुलाम केबारिया के साथ दादा आजाद हुसैन के घर चारखम्बा गोहलपुर ईद का त्यौहार मनाने गया था। वापस आया तो देखा की घर के बाहर का दरवाजा लगा हुआ था, अंदर के कमरे का लॉक टूटा था। अंदर रखी आलमारी का लॉकर टूटा हुआ था आलमारी में रखे जेवर गायब थे। कोई अज्ञात चोर घर के छत के रास्ते से आकर घर के अंदर घुसकर ताला तोड़कर लगभग 95 हजार रूपये के जेवर चोरी कर ले गया है।

400 करोड़ का पुल क्षतिग्रस्त फिर भी की जा रही टोल वसूली

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हाल ही में जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगभग 400 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित पुल शुरू होने के कुछ समय बाद ही क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद पुलिस और प्रशासन ने यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं। कुछ वाहनों को जबलपुर-पाटन होते हुए शहपुरा के रास्ते भोपाल की ओर भेजा जा रहा है, जबकि भारी वाहनों को शहपुरा नगर और कृषि मंडी मार्ग से निकाला जा रहा है। इधर मार्ग परिवर्तन के कारण वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा टोल वसूली जारी है। आरोप है कि टोल प्लाजा पर कुछ वाहनों से निर्धारित दर से अधिक शुल्क भी वसूला जा रहा है, लेकिन इस संबंध में अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग अंतर्गत शहपुरा-भिटौनी टोल नाके का मामला

वैकल्पिक मार्गों से गुजर रहे लोग

ब्रिज टूटने के बाद भी जारी टोल वसूली को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि 400 करोड़ रुपए की लागत से बना पुल उपयोग के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया है और यातायात वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है, जिससे लोगों का समय और ईंधन दोनों अधिक खर्च हो रहे हैं। मांग की है कि स्थिति सामान्य होने तक लिजाहा टोल प्लाजा को बंद किया जाए और वाहन चालकों को राहत दी जाए।

अब तक नहीं हुई कार्यवाही

शिकायत के बाद विभाग की ओर से 25 से 30 दिनों के भीतर जांच कर टोल प्लाजा बंद करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि टोल प्लाजा पर लगे बोर्ड में स्पष्ट रूप से 85 रुपए शुल्क दर्शाया गया है, इसके बावजूद 90 रुपए वसूले जा रहे हैं, जो जनता के साथ अन्याय है। शिकायत में यह भी कहा गया कि परिवहन मंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि जहां सड़क खराब हो या पुल क्षतिग्रस्त हो, वहां टोल टैक्स नहीं लिया जाना चाहिए। इसके बावजूद टोल वसूली जारी है। मामले को लेकर एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीयूष यदुवंशी ने कहा कि यदि निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूले जाने की शिकायत सही पाई जाती है, तो तत्काल आवश्यक कार्यवाही कर इसे बंद कराया जाएगा।

85 की जगह 90 रुपए वसूल रहे टोल

एनएचएआई ने पत्र के जवाब में बताया कि वर्तमान में क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत का कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा कराया जा रहा है। इस पर मेहरा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि टोल प्लाजा पर निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूली जा रही है। लोगों का कहना है कि कार के लिए एक तरफ का टोल शुल्क 85 रुपए निर्धारित है, जबकि वाहन चालकों से 90 रुपए लिए जा रहे हैं। मेहरा के अनुसार, बहोरीपार टोल प्लाजा से प्रतिदिन एक हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। ऐसे में प्रत्येक वाहन से 5 रुपए अतिरिक्त वसूलकर न केवल वाहन मालिकों पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है, बल्कि अवैध वसूली भी की जा रही है।

मनजीत सिंह पुनः पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक नियुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के ऊर्जा विभाग ने मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के मनजीत सिंह को प्रबंध संचालक के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथियों से एक वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि मनजीत सिंह को ऊर्जा विभाग ने मई 2020 में प्रथम बार प्रबंध संचालक के रूप में नियुक्त किया था। इसके बाद उनको मई 2023 में दूसरी बार प्रबंध संचालक के रूप में नियुक्ति दी गई थी।

गुटखा ना देने पर युवक को मारा चाकू

जबलपुर। अधारताल थाने में 24 वर्षीय विक्की उर्फ रिंकू यादव निवासी रिषी नगर करौंदा ,अधारताल ने बताया कि वह रात को घर वापस जा रहा था। रास्ते में दुर्गा मंदिर के पास उसके पूर्व के परिचित शानू केवट, नीरज केवट मिले जिन्हौंने उससे राजश्री मांगी, उसने कहा कि उसके पास राजश्री नहीं है इसी बात पर दोनों उसके साथ गाली गलोज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर शानू और नीरज दोनों हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगे नीरज ने चाकू से हमलाकर उसे चोट पहुँचा दी।

युवा वर्ग में होती है समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शक्ति

हितकारिणी लॉ कॉलेज में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विगत दिवस हितकारिणी लॉ कॉलेज में विक्टोरिया अस्पताल के सौजन्य से तंबाकू एवं उससे होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यशाला में विक्टोरिया अस्पताल से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य अधिकारियों ने तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, विशेष रूप से कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी विकारों एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञों ने बताया कि तंबाकू न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

जन-जागरूकता फैलाने लिया संकल्प- वक्ताओं ने विद्यार्थियों से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा वर्ग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि युवा स्वयं जागरूक होंगे तो वे अपने परिवार एवं समाज को भी तंबाकू मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए तंबाकू सेवन के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर तंबाकू निषेध से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां, सुझाव एवं स्वास्थ्य सुरक्षा उपाय भी साझा किए गए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकाश सिंह, उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा प्राध्यापकगण मोनिका सिंह, राजेश सेन, लोकेन्द्र सिंह, जौली जैन, शिवांगी गोलछा, यामिनी मिश्रा, स्वाती यादव, प्रशांत वर्मा, अश्विनी दोशी, कीर्ति कोरी, नवीन जैन, देवेन्द्र पांडे, सुधांशु जैन, राम बाबू एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज कॉलेज ऑफ एजुकेशन में इंटरव्यू रेडीनेस प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में एनपीटीईएल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) द्वारा आयोजित 15 दिवसीय वर्चुअल ट्रेनिंग-सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम इंटरव्यू रेडीनेस का शुभारंभ हुआ ।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को रोजगारपरक कौशल, प्रभावी संचार क्षमता एवं साक्षात्कार संबंधी दक्षताओं से सशक्त बनाना है। महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में सॉफ्ट स्किल्स का महत्व निरंतर बढ़ रहा है । उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा प्रभावी संचार कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का पूर्ण लाभ उठाने का आह्वान किया । उप-प्राचार्य एवं प्लेसमेंट सेल इंचार्ज, डॉ. तृप्ति

श्रीवास्तव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि साक्षात्कार में सफलता केवल शैक्षणिक उपलब्धियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि व्यक्तित्व, व्यवहार, अभिव्यक्ति क्षमता एवं प्रस्तुतीकरण कौशल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्राओं को नियमित रूप से ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्रों में सहभागिता करने हेतु प्रेरित किया । कार्यक्रम की समन्वयक एवं एनपीटीईएल लोकल चैप्टर की एसपीओसी डॉ. निरूपमा पाठक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि आगामी 15 दिनों में प्रतिभागियों को ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से इंटरव्यू कौशल, रिज्यूमे लेखन, समूह चर्चा, व्यक्तित्व विकास, व्यावसायिक शिष्टाचार, समय प्रबंधन एवं प्रभावी संप्रेषण से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ।

कैरियर निर्माण में होगा उपयोगी

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस का सत्र एनपीटीईएल की विशेषज्ञ प्रशिक्षका, डॉ. अनुषा द्वारा संचालित किया गया । उन्होंने छात्राओं को साक्षात्कार की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराते हुए प्रभावी आत्म-परिचय, शारीरिक हाव-भाव तथा साक्षात्कार में सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्नों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। सत्र के दौरान छात्राओं को समूह गतिविधियों एवं मॉक इंटरव्यू के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया, जिससे उनके आत्मविश्वास एवं प्रस्तुतीकरण कौशल में वृद्धि हुई । वर्चुअल ट्रेनिंग सत्र के दौरान सभी छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रशिक्षिका डॉ. अनुषा के निर्देशानुसार अपने-अपने आत्म-परिचय दिए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय की 45 छात्राओं ने पंजीयन कराया है। छात्राओं ने कार्यक्रम के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए इसे अपने व्यक्तित्व विकास एवं कैरियर निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया । महाविद्यालय में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्राओं की रोजगार क्षमता एवं व्यावसायिक दक्षताओं को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है ।

चलती कार बनी आग का गोला चालक ने कूदकर बचाई जान

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

नगर के व्यस्त गोरी तिराहा क्षेत्र में सोमवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक कार में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में वाहन का अगला हिस्सा लपटों से घिर गया। चालक ने समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और क्षेत्र में कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार

ग्राम हरदुआ कला निवासी एवं वर्तमान में सिहोरा में रह रहे गौरव पाठक अपनी कार से किसी कार्य से गांव गए थे। दोपहर करीब 2 बजे वे सिहोरा पहुंचे और गोरी तिराहा के पास अपनी कार खड़ी की। इसी दौरान वाहन के अगले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा। जब तक चालक कुछ समझ पाता, आग ने विकराल रूप ले लिया। स्थिति को भांपते हुए वह तुरंत कार से बाहर निकल गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण वाहन में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग से कार को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। समय रहते आग पर नियंत्रण होने से आसपास खड़े अन्य वाहन और दुकानों को भी नुकसान से बचा लिया गया।

22 अधिकारियों और कर्मचारियों पर कलेक्टर ने लगाया अर्थदंड

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आवेदकों को समय सीमा के भीतर सेवाएं नहीं देना जिले के 22 अधिकारी-कर्मचारियों को भारी पड़ गया है। कलेक्टनर राघवेन्द्र सिंह ने इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर 250 रूपये से लेकर 5 हजार रूपये तक का अर्थदंड अधिरोपित किया है। दंडित अधिकारियों-कर्मचारियों में एसडीएम और अतिरिक्तद तहसीलदार से लेकर पंचायत सचिव शामिल है।

जस्टिस विवेक रूसिया होंगे मप्र हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस शील नागू सहित 5 जजों की नियुक्ति को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल गई है। शपथ ग्रहण इसी सप्ताह होगा। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में पदोन्नत करने के लिए सुप्रीम कोर्ट कालेजियम ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा के नाम की पिछले दिनों अनुशंसा की थी।

इसके साथ ही पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, बॉम्बे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस चंद्रशेखर और जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण पल्ली को भी उनके उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड के आधार पर पदोन्नत किया गया है। पांचवें नाम के रूप में सुप्रीम कोर्ट की ही वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहाना को सीधे बेंच में शामिल करने का फैसला लिया गया है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की पदोन्नति के बाद जस्टिस विवेक रूसिया मप्र उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाए गए हैं। मिनिस्ट्री ऑफ लॉ एंड जस्टिस डिपार्टमेंट ने नियुक्ति आदेश जारी कर दिए हैं। जस्टिस विवेक रूसिया उनका जन्म 2 अगस्त 1969 को जबलपुर में हुआ था। बीएससी और एलएलबी की डिग्रियां प्राप्त करने के बाद उन्हें मध्य प्रदेश राज्य बार काउंसिल ने 8 अगस्त 1992 को अधिवक्ता के रूप में नामांकित किया था। उनके पिता स्वर्गीय प्रभाकर रूसिया मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता थे। उन्होंने अपनी वकालत की शुरुआत मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में की थी।

5 हजार रुपए की रिश्वत लेते लोकायुक्त के हत्थे चढ़ा पटवारी

गोटेगांव का मामला, नामांतरण के बदले मांगी थी रकम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने सोमवार को एक पटवारी को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पटवारी पर जमीन के नामांतरण के बदले 10 हजार रुपये मांगने का आरोप है। लोकायुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, आवेदक संदीप कुमार सिंह (निवासी पड़रिया, गोटेगांव) ने शिकायत दर्ज कर बताया कि उनकी माता ममता देवी ने ग्राम मुआर में 7 एकड़ भूमि खरीदी थी। इस भूमि के नामांतरण के लिए हल्का नंबर 41, ग्राम मुरदई के पटवारी घनश्याम गढ़वाल 10 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत

मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय जबलपुर ने मामले का सत्यापन किया। जांच के दौरान पटवारी घनश्याम गढ़वाल 5 हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया। इसके बाद लोकायुक्त टीम ने पटवारी को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई।

निजी कार्यालय में हुई कार्यवाही- सोमवार को गोटेगांव स्थित महिंद्रा शोरूम के बगल में टीला क्षेत्र में पटवारी के निजी कार्यालय में कार्यवाही की गई। यहीं पर आरोपी पटवारी घनश्याम गढ़वाल को आवेदक से 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। लोकायुक्त की टीम ने 39 वर्षीय आरोपी घनश्याम गढ़वाल निवासी पंचमुखी हनुमान कॉलोनी बरही, जिला कटनी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) और 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है। कार्यवाही के दौरान निरीक्षक राहुल गजभिए, निरीक्षक जितेंद्र यादव आदि शामिल रहे।

पमरे ने किया पीएमआईएस पोर्टल का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे ने भारतीय रेल की पहली पूर्ण रूप से विकसित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम पोर्टल का शुभारंभ किया। परियोजना प्रबंधन एवं निर्माण निगरानी प्रणाली 'इंटेलीजेंट मैनेजमेंट ऑफ़ प्रोजेक्ट्स एक्टिविटीज एंड कंस्ट्रक्शन ट्रैकिंग' नामक इस अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली का शुभारंभ सोमवार 01 जून को महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, RNI No. 64561/96.